4 राजधानी
डरा रहा कोविड संक्रमण में उछाल

6 अभिमत
दीर्घकालीन आपदा प्रबंधन नीति जरूरी

11 विदेश
सीरिया के लोगों को सीमा पार से सहायता मिलना जरूरी

12 विविध
भारतीय शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन की प्रक्रिया

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 43
नई दिल्ली, शुक्रवार, 17 दिसंबर, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

कोहली के मामले को बीसीसीआई पर छोड़ दीजिए
स्पोर्ट्स-10

ओमीक्रोन वैरिएंट डेल्टा से 70 गुना संक्रामक

● सांस की नली से फेफड़े को जोड़ने वाले मुख्य द्वार ब्रोंकाई को बहुत तेजी करता है संक्रमित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुंबई में बांद्रा टर्मिनस पर गुरुवार को कोरोना की जांच के लिए नमूना लेती स्वास्थ्यकर्मी

दुनिया के लिए चिंता का कारण बने कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमीक्रोन के अत्यधिक संक्रामक होने की जानकारी सामने आई है। हांगकांग यूनिवर्सिटी (एचकेयू) के शोधकर्ताओं ने गुरुवार को बताया कि हाइपरम्यूटेड (कई बार म्यूटेशन) ओमीक्रोन वैरिएंट सांस की नली को किस तरह संक्रमित करता है। निष्कर्ष में बताया गया है कि यह वायरस डेल्टा और मूल सार्स-कोव-2 वायरस की तुलना में ब्रोंकाई (सांस की नली से फेफड़े को जोड़ने वाले मुख्य द्वार) को 70 गुना तेजी से संक्रमित करता है, जिसके कारण ओमीक्रोन तेजी से फैल रहा है।

शोधकर्ताओं ने बताया कि शरीर की प्रतिरक्षा तंत्र के आधार पर ओमीक्रोन संक्रमण कम गंभीर हो सकता है। अध्ययन में कहा गया कि संक्रमण के 48 घंटे बाद डेल्टा की तुलना में ऊतक में भी उच्च स्तर तक पहुंच जाता है। बुधवार को ऑनलाइन प्रकाशित प्रारंभिक आंकड़ों में पहली बार देखा गया कि ओमीक्रोन सांस नली के अंदर कैसे व्यवहार कर सकता है और आंकड़ों में यह भी जानकारी देता है कि कई बार म्यूटेट हुआ यह वैरिएंट डेल्टा की तरह तेजी से फैल रहा है। शोध का नेतृत्व करने वाले माइकल चैन ची-वाई ने कहा कि परिणाम की सावधानी से व्याख्या करने की आवश्यकता है, क्योंकि गंभीर बीमारी न केवल जल्दी वायरस की नकल करती है बल्कि व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया से भी निर्धारित होती है। विशेष रूप से प्रतिरक्षा प्रणाली विशेष तरीके से व्यवहार (ओवरड्राइव) करता है जिसे तथाकथित साइटोकाइन स्टॉर्म हो जाता है। उन्होंने कहा कि यह भी ध्यान देने की आवश्यकता है कि कई लोगों को संक्रमित करने वाला संक्रामक वायरस अधिक गंभीर बीमारी और मृत्यु का कारण बन सकता है, भले ही वायरस स्वयं कम रोगजनक हो।

हमारे हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि ओमीक्रोन वैरिएंट आंशिक रूप से वैक्सीन और पिछले संक्रमण से प्रतिरक्षा से बच सकता है। ओमीक्रोन वैरिएंट से समग्र खतरा अधिक होने की संभावना है। लुसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी हेल्थ श्रेवेपोर्ट में माइक्रोबायोलॉजी और इम्यूनोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर जेरेमी कामिल ने कहा कि डेल्टा की तरह यह भी अधिक रोगजनक वैरिएंट है जो फेफड़ों में धीरे-धीरे नकल करने का समान पैटर्न देखने को मिला है। कामिल ने कहा कि इन लेखकों ने पाया कि ओमिक्रोन तेजी से ब्रोन्कियल ऊतक में अच्छी तरह से प्रतिकृति बनाता है, यहां तक कि डेल्टा या मूल वायरस से भी बेहतर। यह कुछ मायनों में लोगों में तेजी से प्रसार/ संचरण में योगदान कर सकता है। बेशक, वास्तविक जीवन में ओमीक्रोन वैरिएंट संक्रमण से बचाने वाले एंटीबॉडी को बेअसर करने की क्षमता है। बहुत संभावना है कि यह टीकाकरण वाले लोगों के बीच भी अच्छी तरह से फैल रहा है, खासकर उन लोगों के बीच जिन्हें हाल ही में बूस्टर शॉट नहीं मिला है।

ऑनलाइन प्रकाशित प्रारंभिक आंकड़ों की अभी तक समीक्षा नहीं की गई, जो सर्जरी के दौरान रोगियों से लिए गए फेफड़ों के ऊतकों के नमूनों का उपयोग करके प्रयोगों से आया था। 24 घंटों तक ओमीक्रोन वैरिएंट ने डेल्टा और मूल संस्करण की तुलना में लगभग 70 गुना अधिक दोहराया था। हालांकि इससे लोगों में संक्रमण अधिक आसानी से हो सकता है।

राजधानी में ओमीक्रोन के चार और केस मिले

नई दिल्ली। राजधानी में गुरुवार को कोरोना के ओमीक्रोन वैरिएंट के चार नए मरीज मिले हैं। अब शहर में इस संक्रमण से पीड़ित मरीजों की संख्या 10 हो गई है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बताया कि ओमीक्रोन के 10 मरीजों में से एक मरीज के ठीक होने पर डिस्चार्ज कर दिया गया है। अभी भी नौ मरीजों का इलाज एलएनजेपी में चल रहा है।

(विस्तृत खबर पेज 4 पर)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को, 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत और बांग्लादेश के निर्माण के अवसर पर मनाए जा रहे 50वें विजय दिवस पर नई दिल्ली में राष्ट्रीय समर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मोदी ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर दी श्रद्धांजलि

● विजय मशालों का अनंत ज्वाला में विलय किया

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को, 1971 के युद्ध में भारत की विजय और बांग्लादेश के निर्माण के अवसर पर मनाए जा रहे 50वें विजय दिवस पर राष्ट्रीय समर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आयोजित एक समारोह में भी प्रधानमंत्री ने शिरकत की। ज्ञात हो कि पिछले वर्ष 16 दिसंबर को प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर अनन्त ज्वाला से स्वर्णिम विजय मशाल जलाई थी। साथ ही उन्होंने चार अन्य मशालें भी जलाई थीं, जिन्हें चार अलग-अलग दिशाओं में

(शेष पेज 9)

विजय दिवस पर केंद्र ने इंदिरा गांधी का नाम नहीं लिया: राहुल

भाषा। देहरादून

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि देश के लिए 32 गोलियां खाने वाली पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को बांग्लादेश निर्माण के लिए भारत की पाकिस्तान पर विजय के 50 साल पूरे होने के मौके पर हुए समारोह में भुला दिया गया। यहां परेड ग्राउंड में एक जनसभा के दौरान गांधी ने कहा कि भारत की पाकिस्तान पर जीत के 50 साल पूरे होने के मौके पर आज दिल्ली में एक समारोह हुआ,

(शेष पेज 9)

शिवपाल से मिले अखिलेश गठबंधन को लेकर हुई चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गुरुवार को प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अपने चाचा शिवपाल यादव से मुलाकात करने लखनऊ स्थित उनके आवास पर पहुंचे। करीब आधा घंटे चली इस मुलाकात के बाद समाजवादी पार्टी और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के मध्य गठबंधन

(शेष पेज 9)

जनरल एमएम नरवणे चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष नियुक्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

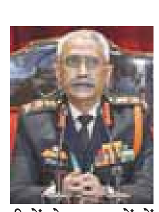

सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे को चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वह तीनों सेना प्रमुखों में सबसे वरिष्ठ हैं। नरवणे नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की घोषणा होने तक अध्यक्ष के रूप में काम करेंगे। तीनों सेनाओं के बीच सामंजस्य और तालमेल सुनिश्चित करने के लिए चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष की संस्था दो साल पहले तक क्रियाशील थी। हालांकि, जनरल रावत ने पिछले साल जनवरी में देश का पहला सीडीएस बनाए जाने तक इस पद पर कार्य किया था। उनके सीडीएस बनते ही यह समिति बेमानी हो गई थी। जब तक केंद्र नए सीडीएस की नियुक्ति नहीं कर देता तब तक समिति के प्रमुख के रूप में नरवणे स्टॉप-गैप व्यवस्था के तहत चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष रहेंगे। जनरल रावत, उनकी पत्नी और

(शेष पेज 9)

आज से फिर डॉक्टरों की हड़ताल इमरजेंसी-ओपीडी होंगी प्रभावित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● सरकार ने नीट पीजी काउंसलिंग के लिए अभी भी तारीख घोषित नहीं की, इसलिए काम बंद करने का फैसला लेना पड़ा: फोर्डा

राष्ट्रीय राजधानी में एक बार फिर मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। सरकारी अस्पतालों में 17 दिसंबर से रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल दोबारा शुरू हो रही है। इससे ओपीडी के साथ-साथ आपातकालीन सेवाएं भी प्रभावित हो सकती हैं। बुधवार देर रात फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) ने हड़ताल पर जाने की घोषणा की है।

फोर्डा ने दिल्ली के अलावा दूसरे राज्यों के अस्पतालों में भी रेजिडेंट डॉक्टरों से हड़ताल में शामिल होने की अपील की है। फोर्डा के अनुसार आश्वासन मिलने के सप्ताह भर बाद भी केंद्र सरकार की ओर से उनकी मांग पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। नीट पीजी काउंसलिंग के मामले में अभी भी केंद्र सरकार ने तारीख घोषित नहीं की है, जिसके चलते डॉक्टर फिर से हड़ताल पर जाने को मजबूर हैं। इससे पहले गत छह दिसंबर से डॉक्टरों ने हड़ताल की थी जिसके चलते दिल्ली में ही छह हजार से अधिक ऑपरेशन टालने पड़ गए थे।

सफदरजंग सहित कई अस्पताल मरीजों से पूरी तरह खाली हो गए थे। करीब चार दिन तक चली इस हड़ताल को फोर्डा ने नौ दिसंबर को अस्थायी तौर पर रोक दिया था और सरकार को एक सप्ताह का अल्टीमेटम दिया था। फोर्डा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मनीष ने बताया कि इस बार रेजिडेंट डॉक्टर ओपीडी के साथ आपातकालीन वार्ड में भी काम का बहिष्कार करेंगे।

भाजपा से किनारे हुए मेट्रोमैन ई श्रीधरन

कुमार चेलप्पन। कोच्ची

विधानसभा चुनाव में केरल में भाजपा के चेहरा बने मेट्रोमैन ई. श्रीधरन ने पार्टी से किनारा कर लिया और सक्रिय राजनीति छोड़ दी है। श्रीधरन के इस फैसले के पीछे राज्य में प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन के साथ मतभेद को माना जा रहा है। फैसले की जानकारी देते हुए मेट्रोमैन ने कहा कि लोगों की सेवा के लिए उन्होंने केरल का विधानसभा चुनाव लड़ा और वह पार्टी को जिताने में विफल रहे। उन्होंने यह भी कहा कि अब उनकी आयु 90 वर्ष है और वह राजनीति में अधिक सक्रिय नहीं रह सकते। हालांकि वह केरल के लोगों की सेवा के लिए हमेशा आगे बढ़कर काम करते रहेंगे। केरल भाजपा प्रदेश सुरेंद्रन ने कहा कि श्रीधरन के जाने से भाजपा पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मेट्रोमैन को उनके पेशेवर अनुभव देखते हुए राष्ट्रीय परिषद में नामित किया और पलक्कड़ सीट से चुनाव लड़ाया लेकिन वह असफल रहे।

बांग्लादेश में विक्ट्री परेड में शामिल हुए राष्ट्रपति कोविंद

ढाका में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

भाषा। ढाका

ढाका में विजय दिवस परेड में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। कोविंद ने कहा कि 50 साल पहले मुक्ति संग्राम के दौरान भारत और बांग्लादेश के बीच दोस्ती की अनूठी बुनियाद पड़ी। यहां बांग्लादेश की संसद में विजय दिवस और मुजीब बोरशो समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि 1971 के मुक्ति संग्राम का प्रत्एक भारतीय के दिल में एक विशेष स्थान है। राष्ट्रपति ने कहा, भारत ने हमेशा बांग्लादेश के साथ अपनी दोस्ती को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। हम बांग्लादेश के साथ अपनी दोस्ती की पूरी क्षमता को साकार करने के लिए हर संभव प्रयास करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। कोविंद एकमात्र विदेशी राष्ट्राध्यक्ष हैं, जिन्हें समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान का जन्म शताब्दी समारोह और बांग्लादेश-भारत

(शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	57,901	↑ 113	
निफ्टी	17,248	↑ 27	
सोना	47,405	↑ 209	/10g
चांदी	60,179	↑ 617	/kg

क्विक न्यूज

इंद्राणी मुखर्जी ने किया दावा, जिंदा है शीना बोरा

मुंबई। अपनी बेटी शीना बोरा की हत्या के आरोप में गिरफ्तार इंद्राणी मुखर्जी ने दावा किया है कि वह (शीना) जिंदा है। मुखर्जी के वकील ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। मुखर्जी ने पिछले महीने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक को एक पत्र लिखा है और एजेंसी से कहा है कि वह कश्मीर में शीना की तलाश करे। मुखर्जी ने पत्र में दावा किया है कि एक महिला सरकारी अधिकारी ने उससे कहा है कि उसने बोरा को श्रीनगर में टीकाकरण कराने के दौरान देखा था। इंद्राणी 2015 से मुंबई की भायखला महिला जेल में बंद है। संपर्क करने पर सीबीआई के एक अधिकारी ने इसपर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। वकील ने कहा कि मुखर्जी 28 दिसंबर को यहां विशेष सीबीआई अदालत में इस संबंध में एक आवेदन दायर करेगी।

लड़कियों के विवाह की उम्र 21 साल करने की तैयारी

● संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र में ही आ सकता है विधेयक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने लड़कियों के विवाह की न्यूनतम कानूनी आयु को 18 साल से बढ़ाकर पुरुषों के बराबर 21 साल करने का फैसला किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को पुरुषों एवं महिलाओं के विवाह की न्यूनतम आयु में एकरूपता लाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी। सूत्रों के अनुसार, सरकार बाल विवाह (रोकथाम) अधिनियम, 2006 को संशोधित करने संबंधी विधेयक संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र में ला सकती है। मौजूदा कानूनी प्रावधान के तहत लड़कों के विवाह लिए न्यूनतम आयु 21 साल और लड़कियों के लिए 18 साल निर्धारित है। विवाह से जुड़ी न्यूनतम आयु में एकरूपता लाने का यह निर्णय उस समय किया गया है जब इससे एक साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि सरकार इस बारे में विचार कर रही है कि महिलाओं के लिए न्यूनतम आयु क्या होनी चाहिए। यह निर्णय समता पार्टी की पूर्व अध्यक्ष जया जेटली की अध्यक्षता वाले कार्यबल की अनुशंसा के आधार पर लिया गया है। इस निर्णय के बारे में जया जेटली ने कहा कि दो प्रमुख कारणों पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा कि यहि प्रत्येक क्षेत्र में लैंगिक समानता और सशक्तिकरण की बात करते हैं तो फिर विवाह में ऐसा क्यों नहीं कर सकते। यह बहुत ही विचित्र बात है कि लड़की 18 साल की आयु में शादी के योग्य हो सकती है, जबकि इस कारण उसके कॉलेज जाने का अवसर खत्म हो जाता है। दूसरी तरफ, लड़के के पास अपने जीवन और जीविका के लिए तैयार होने का 21 साल की आयु तक अवसर होता है। जेटली ने बताया कि कार्यबल ने अपनी रिपोर्ट पिछले साल दिसंबर में प्रधानमंत्री कार्यालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और नीति आयोग को सौंपी थी। इस कार्यबल में नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वी.के. पॉल, उच्च शिक्षा, स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, विधायी कार्य विभागों के सचिव, नजमा अख्तर, वसुधा कामत और दीप्ति शाह जैसे शिक्षाविद भी शामिल थीं। बहरहाल, विशेषज्ञों ने इसको लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि यह बीमारी की जड़ की बजाय लक्षणों का उपचार करने की तरह है। उन्होंने कहा कि यह प्रस्तावित विधेयक विभिन्न समुदायों के विवाह से संबंधित पर्सनल लॉ में महत्वपूर्ण बदलाव का प्रयास कर सकता है, ताकि विवाह के लिए आयु में एकरूपता सुनिश्चित की जा सके।

नए साल से नहीं चलेंगे 10 साल पुराने डीजल वाहन

● रद्द कर किए जाएंगे रजिस्ट्रेशन, दूसरे राज्यों में भेजने को जारी होगी एनओसी

● पंद्रह साल पुरानी डीजल गाड़ियां न चल पाएंगी और न उन्हें एनओसी मिलेगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रतीकात्मक चित्र

आगामी एक जनवरी से दस साल पुराने डीजल वाहन राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों पर नहीं चल पाएंगे। ऐसे सभी वाहनों का रजिस्ट्रेशन रद्द किया जाएगा। हालांकि उन्हें दूसरे राज्यों में भेजने के लिए परिवहन विभाग एनओसी जारी करेगा, ताकि वहां उनका दोबारा रजिस्ट्रेशन हो सके। लेकिन, 15 साल पुराने वाहनों के लिए एनओसी भी नहीं मिलेगी, उन्हें सीधा कबाड़ में भेजा जाएगा।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशों का पालन करने के लिए दिल्ली सरकार ने 1 जनवरी, 2022 से यह नियम सख्ती से लागू करने का फैसला लिया है। परिवहन विभाग द्वारा इस सप्ताह के शुरू में जारी आदेश के अनुसार, ऐसे डीजल वाहनों के लिए कोई एनओसी जारी नहीं की जाएगी, जिन्होंने इसके लिए आवेदन करने की तारीख को 15 साल या उससे अधिक समय पूरा कर लिया है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने दिल्ली-एनसीआर में 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों के पंजीकरण और चलने पर प्रतिबंध से संबंधित निर्देश जारी किए थे। जुलाई 2016 में एक आदेश में, ट्रिब्यूनल ने कहा था कि 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों के पंजीकरण के लिए उनके निर्देश का प्रभावी ढंग से और बिना किसी चूक के अनुपालन किया जाए। पंद्रह साल पुराने डीजल वाहनों का पंजीकरण रद्द

(शेष पेज 9)

इलेक्ट्रिक किट लगाकर चलाने का विकल्प मिला

परिवहन विभाग के आदेश में कहा गया है कि मालिकों के पास अपने 10 साल पुराने डीजल या 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने का विकल्प भी होगा। यदि लोग अपनी गाड़ियों का उपयोग जारी रखना चाहते हैं, तो उन्हें विभाग द्वारा अनुमोदित एजेंसियों के माध्यम से पैनल में शामिल इलेक्ट्रिक किट लगवानी होगी। इलेक्ट्रिक किट के लिए पैनल बनाने का काम चल रहा है। अन्य सभी मामलों में 10 साल से अधिक पुराने (डीजल) और 15 साल पुराने (पेट्रोल) वाहनों को कबाड़ में भेजने के अलावा कोई चारा नहीं होगा।

चिल्ला बॉर्डर पर किसानों ने जमाया कब्जा आसपास की सड़कों पर लगा भीषण जाम

● 3 महीनों से नोएडा प्राधिकरण पर 81 गांवों के किसान मांगों को लेकर कर रहे हैं प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

मांगों को लेकर नोएडा के किसानों ने चिल्ला बॉर्डर पर हल्ला बोल दिया है। हजारों की संख्या में किसान नोएडा प्राधिकरण से चिल्ला बॉर्डर के लिए रवाना हो गए हैं।

पिछले करीब 3 महीनों से नोएडा प्राधिकरण पर 81 गांवों के किसान अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। लगभग पूरे दिन नोएडा के मुख्य मार्गों पर जाम लगा रहा। आफिस आने और जाने वाले लोग वैकल्पिक मार्गों पर ढुढ़ते रहे।

खबर लिखे जाने पर किसान चिल्ला बॉर्डर से नोएडा प्राधिकरण पहुंचे और उसकी घेराबंदी की। मौके पर नोकझोंक की स्थिति बनी हुई है। पुलिस और किसान आमने-सामने हैं। पुलिस किसानों से अपील कर रही है कि वह यहां से वापस चले जाएं, लेकिन किसानों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर कोई भी रिपोर्ट नहीं लगेगी, वह यहां पर प्रदर्शन करते रहेंगे।

नोएडा प्राधिकरण पर किसानों के प्रदर्शन को करीब 3 महीना हो गए हैं। नोएडा में 81 गांव है, 81 गांव के किसानों की काफी मांगे हैं, लेकिन अभी तक पूरी नहीं हुई है।

अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए काफी किसान जेल भी जा चुके हैं। हालांकि जमानत बाद आ गए, नोएडा प्राधिकरण पर प्रदर्शन करने वाले किसानों पर आए दिन मुकदमे दर्ज होते रहते हैं। भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखबीर पहलवान का कहना है कि उनको करीब 3 महीने हो गए हैं, लेकिन किसी भी जनप्रतिनिधि या अफसर की आंखों में इतनी हिम्मत नहीं है कि वह उनकी समस्याओं का समाधान कर सकें।

उन्होंने जनप्रतिनिधियों का भी घेराव किया लेकिन उसके बावजूद भी उनकी समस्याओं पर कोई भी संज्ञान नहीं ले रहा है। हमारी माता-बहने 3 महीनों से सड़क पर बैठी हुई है। 3 महीनों से सड़क पर बैठकर हमारी माताएं-बहने अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन कर रही है लेकिन कोई भी हमारी आवाज को सुनने वाला नहीं है। सुखबीर खलीफा पर अभी तक प्रदर्शन करने के दौरान एक दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज हुए।

सुखबीर का कहना है कि प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस उनपर चाहे कितने भी मुकदमा दर्ज कर लेए वो पीछे हटने वाले नहीं है। जैसे ही किसानों ने चिल्ला बॉर्डर पर कब्जा किया। तुरंत आला पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस किसानों को वहां से हटाने की अपील कर रही है। किसान अपनी मांग और अडे हुए हैं। जिले के पुलिस अधिकारी नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी से बातचीत कर रहे है।

पार्क में घूमने गई 25 वर्षीय युवती लापता पुलिस तलाश में जुटी

नोएडा। सेक्टर-49 थाना क्षेत्र से बुधवार की शाम एक युवती लापता हो गई। युवती रोजाना की तरह बुधवार की शाम को टहलने के लिए पार्क में गई थी लेकिन वापस नहीं लौटी। इस मामले में युवती के परिजनों ने सेक्टर-49 कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार नोएडा के सेक्टर-50 में स्थित मेघदूत हाउसिंग सोसाइटी में 25 साल की युवती अपने परिवार के साथ रहती है। हर शाम को अपनी सोसाइटी के पास मौजूद एक पार्क में घूमने जाती है। युवती के परिजनों ने बताया कि वह बुधवार की शाम को करीब 5:00 बजे अपने घर से पार्क में टहलने के लिए निकली, लेकिन काफी समय तक वापस नहीं लौटी। जब उन्होंने अपनी बेटी की तलाश की तो वह नहीं मिली। काफी लोगों से पूछताछ भी की, लेकिन किसी ने भी मानसी को देखने से इंकार कर दिया। अब परेशान परिजनों ने युवती के लापता होने की शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी की छानबीन कर रही है। इसके अलावा पार्क में जाने वाले अन्य लोगों से पूछताछ कर रहे है।

संक्षिप्त समाचार

इंदिरापुरम स्कूल ग्रुप की डायरेक्टर रीता सिंह और प्रिंसिपल सोनल रावत और यशोदा हॉस्पिटल के कॉरपोरेट रिलेशन विभाग के प्रमुख गौरव पांडेय 'हेल्थ फॉर वेल बीइंग सीरिज' का शुभारंभ करते हुए।

'हेल्थ फॉर वेल बीइंग सीरिज' का उद्घाटन

गाजियाबाद। स्वास्थ्य और भलाई के सतत विकास लक्ष्य 2030 के को ध्यान में रखकर एक हेल्थ एंड वेल बीइंग फॉर ऑल सिरीज का उद्घाटन किया गया। इस सिरीज के प्रथम कार्यक्रम यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, कौशाम्बी के सहयोग से प्रथम नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल ग्रुप की डायरेक्टर रीता सिंह ने यशोदा हॉस्पिटल के कॉर्पोरेट रिलेशन्स एवं जनसंपर्क विभाग के प्रमुख गौरव पांडेय के साथ फीता काट कर स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया। प्रधानाचार्या सोनल रावत ने कहा कि उन्हीं लक्ष्यों की प्राप्ति करने में अब इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल ने उठाया है। जनरल फिजिशियन डॉ आशीष, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ पूजा, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ शहाना, आहार विशेषज्ञ ज्योति ने कैंप में आये। नंदिता बासु ने कार्यक्रम का संचालन किया।

प्राकृतिक खेती पर संवाद

मोदीनगर। विधानसभा क्षेत्र के भोजपुर ब्लॉक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देश के किसानों से जीरो बजट प्राकृतिक खेती पर संवाद कार्यक्रम रखा गया। इस मौके पर आयोजित विकास खंड स्तरीय कृषक संगोष्ठी का शुभारंभ भाजपा के जिलाध्यक्ष दिनेश सिंघल, भोजपुर प्रमुख सुचेता सिंह ने किया। इस अवसर पर व किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष देवेंद्र चैधरी, पुष्पेंद्र रावत, जिला कार्यालय प्रभारी धर्मेंद्र शर्मा, जिला महामंत्री पारुल त्यागी मंडल अध्यक्ष कुणाल चैधरी मंडल अध्यक्ष नीटू चौधरी, मुकेश चौहान, आशीष चौधरी, सुधीर चौधरी समेत पार्टी के पदाधिकारी व किसान वह ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

जांच चिकित्सा शिविर का आयोजन रविवार को

नोएडा। नोएडा लोक मंच इंडियन मेडिकल एसोसिएशन नोएडा तथा लायंस क्लब नोएडा के संयुक्त तत्वाधान में विशाल चिकित्सा व जांच शिविर का आयोजन रविवार को होगा। यह आयोजन सुबह 10 बजे से एक बजे तक सेक्टर 12 के बारातघर स्थित दवा बैंक परिसर में किया जा रहा है। नोएडा लोकमंच के महासचिव महेश सक्सेना ने सेक्टर 15 स्थित नोएडा लोकमंच की पब्लिक लाइब्रेरी में पत्रकारों को इस शिविर की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस शिविर में रजिस्ट्रेशन सुबह 9 बजे शुरू हो जाएगा। पत्रकार वार्ता के दौरान इंडियन मेडिकल एसोसिएशन नोएडा के अध्यक्ष सुनील अवाना लायंस क्लब नोएडा के अध्यक्ष आदित्य श्रीवास्तव मेडिकल कैम्प के प्रभारी व नोएडा लोकमंच से आर एन श्रीवास्तव विभा बंसल मनीषा मुकुल वाजपेयी भी मौजूद थे।

ग्रेटर नोएडा की एक मंजिला आवासीय योजना का ड्रा आज

पायनियर सामचार सेवा। नोएडा

सीईओ नरेंद्र भूषण

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एक मंजिला भवनों की आवासीय योजना के आवेदकों के भाग्य का फैसला शुक्रवार को होगा।

प्राधिकरण 17 दिसंबर को इनका ड्रा करने जा रहा है। ड्रा सुबह 11 बजे से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ऑडिटोरियम में होगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने एक मंजिला निर्मित भवनों की योजना आवासीय सेक्टर ज्यू वन, ज्यू टू और ज्यू थ्री में लांच की थी। सेक्टर ज्यू वन में 200 वर्ग मीटर के 12 भवन, ज्यू टू में 120 वर्ग मीटर के 15 और ज्यू थ्री में 120 वर्ग मीटर के 86 भूखंड हैं। 10 नवंबर से इन भूखंडों के लिए आवेदन शुरू हो गए थे।

यह ओपन एंडेड स्कीम थी। 30 नवंबर तक आने वाले आवेदनों का ड्रा 17 दिसंबर को होने जा रहा है। प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण के निर्देश पर संपत्ति विभाग ने इन सभी आवेदकों की सूची ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। आवेदक वेबसाइट पर जाकर अपना नाम देख सकते हैं। ड्रॉ के दौरान पारदर्शिता बरतने के लिए वीडियो रिकॉर्डिंग भी करायी जाएगी।

ड्रॉ की पर्ची मैनुअल तरीके से स्कूली बच्चों से निकलवाई जाएगी। कोविड नियमों का पालन करते हुए आवेदक डॉ में शामिल हो सकते हैं।

जेवर एयरपोर्ट के पास फैक्ट्री और दुकान की स्कीम लॉन्च

नोएडा। जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बाद निवेशकों के मूड को भांपते हुए यमुना प्राधिकरण नए साल से पहले कई योजनाएं लॉन्च कर रही है। जिनके जरिए जेवर एयरपोर्ट के पास घर, फैक्ट्री और दुकान से लेकर फाइव स्टार होटल तक बनाने का मौका है। बुधवार को लघु उद्योग और स्टार्टअप के लिए 68 भूखंडों की योजना यमुना अथॉरिटी ने लॉन्च की है।

नोएडा से 32 शहरों के लिए शुरू होगी हेलीकॉप्टर उड़ान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में देश के सबसे बड़े हेलीपोर्ट पर काम शुरू हो गया है। नोएडा हेलीपोर्ट से दिल्ली-एनसीआर उत्तराखंड, हिमाचल, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के 32 शहरों तक उड़ान भरी जाएंगी। करीब 5 वर्षों से इस परियोजना पर नोएडा विकास प्राधिकरण काम कर रहा था।

नोएडा की मुख्य कार्यपालक अधिकारी ऋतु माहेश्वरी ने बताया अब जल्दी ही इस हेलीपोर्ट का निर्माण शुरू होगा। ग्लोबल टेंडर के जरिए कंपनी की तलाश की जाएगी। यह हेलीपोर्ट कॉरपोरेटए टूरिज्म, मेडिकल टूरिज्म और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगा।

नोएडा अथॉरिटी से मिली जानकारी के मुताबिक 100 से 200 किलोमीटर के दायरे वाले शहरों मथुरा और आगरा तक नोएडा के लिए हेलीकॉप्टर मिलेंगे। 300 से 400 किलोमीटर के दायरे वाले पर्यटन स्थल बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, जोशीमठ, रामपुर, मंडी और अजमेर हैं। इसी तरह 400 से 500 किलोमीटर दूरी वाले मनाली, बीकानेर और अयोध्या तक हेलीकॉप्टर उड़ेंगे। हेलीकॉप्टर सेवा के दायरे में सबसे ज्यादा शहर 200 से 300 किमी दायरे वाले हैं। इनमें मसूरी, यमुनोत्री, पंतनगर, नैनीताल, अल्मोडा, श्रीनगर गोचर, नई टिहरी शिमला आदि शामिल है।

मेडिकल इमरजेंसी और टूरिज्म को बढ़ावा

हेलीपोर्ट मेडिकल इमरजेंसी और टूरिज्म को बडा बढ़ावा देगा। 500 किलोमीटर के दायरे में पड़ने वाले इलाकों से बेहद कम समय में आपातकालीन परिस्थितियों के दौरान मरीजों को नोएडा और दिल्ली लाया जा सकेगा। नोएडा हेलीपोर्ट पर एयर एंबुलेंस की सुविधा विकसित की जाएगी। हेलीपोर्ट सफर को 1 से 2 घंटे में समेट देगा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में 10 यूनिवर्सिटी हैं। करीब 200 एजुकेशनल इंस्टीट्यूट हैं।

नोएडा में 21 दिसंबर को लगेगा रोजगार मेला

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में युवाओं को रोजगार देने का अभियान तेजी से चल रहा है। इसी के तहत आगामी 21 दिसंबर को आईटीआई नोएडा में वृहद रोजगार, अप्रेंटिस मेले का आयोजन किया जाएगा।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नोएडा के प्रधानाचार्य ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 21 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ई-1 सेक्टर-31 में रोजगार, अप्रेंटिस मेले का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेले में 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, ग्रेजुएट उत्तीर्ण अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं।

'सॉल्वर गिरोह' के पांच मुन्नाभाई गिरफ्तार

● एसएससी परीक्षा पत्र हल करने के लिए लेते थे 60 से 70 हजार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा पुलिस ने कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा आयोजित कांस्टेबल जीडी (जनरल ड्यूटी) 2021 की परीक्षा में भाग ले रहे अभ्यर्थियों के प्रश्नपत्र हल कराने वाले 'सॉल्वर गिरोह' के पांच सदस्यों को सेक्टर-62 से गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) राजेश एस ने बताया कि पुलिस को सुबह सूचना मिली कि आईआन डिजिटल जोन में एसएससी जीडी की परीक्षा में कुछ लोग मोटी रकम लेकर वास्तविक अभ्यर्थियों की जगह किसी दूसरे व्यक्ति को बैठाकर प्रश्नपत्र हल करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने वहां छापा मारा और ललित, अनिल कुमार, जसवीर, रोहित और राकेश को गिरफ्तार किया। हर्षित नामक एक आरोपी फरार है। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि इस गिरोह का सरगना हर्षित है। उन्होंने बताया कि ये लोग प्रश्न पत्र हल करने वाले को 60 से 70 हजार रुपए देते थे और इसके एवज में लोगों से पांच से छह लाख रुपए लेते थे। मामले में कुछ अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं, जिनके बारे में पुलिस जानकारी हासिल कर रही है।

अवैध कॉलोनियों के निर्माण पर जीडीए का चला डंडा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

प्राधिकरण की प्रवर्तन जोन-2 की टीम ने मोदीनगर व मुरादनगर क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों में चल रहे अवैध निर्माण को ध्वस्त किया।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की विशेष कार्य अधिकारी गुंजा सिंह ने बताया कि मोदीनगर व मुरादनगर क्षेत्र में वाद संख्या-47/19 संजीव गर्ग व वेद प्रकाश गर्ग के द्वारा संजीव स्टेट कॉलोनी, सीकरी खुर्द रोड पर लगभग 7000.00 वर्ग मी क्षेत्रफल में विकसित की जा रही कॉलोनी में निर्माणाधीन 15 प्लाटों की बाउड्डीवॉल, बिजली के खंभों ध्वस्त किया गया। उन्होंने बताया कि असलम द्वारा खसरा संख्या-157 व 160, जलालपुर, रघुनाथपुर, पाइप लाइन रोड पर मुरादनगर में लगभग 3000.00 वर्ग मी0 क्षेत्र फल में विकसित की जा रही अवैध भूखण्डों व धर्मकांटे के खिलाफ प्रवर्तन जोन-2 की टीम ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की है।

प्राधिकारण से जानकारी के बाद खरीदें भूखंड: गुंजा सिंह

विकास प्राधिकरण की विशेष कार्य अधिकारी गुंजा सिंह ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा है कि मोदीनगर-मुरादनगर क्षेत्र की कॉलोनी में भूखंड खरीदने के लिए पहले प्राधिकरण से स्वीकृत की जानकारी कर लें। जिससे की आम जन को किसी प्रकार की धोखाधड़ी या परेशानी का सामना ना करना पड़े।

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम – मिनी रत्न)
सीआईएन नं.: L74899DL1999GOI101707

आईआरसीटीसी निम्नलिखित के लिए ई-बोली/ई-आरएफपी आमंत्रित करता है:-

1) इंटीग्रेटेड रेलवे हेल्पिंग एंड इंक्वायरी सिस्टम-139 के लिए मैनेज्ड सर्विस पार्टनर के चयन के लिए। पहली प्री-बिड मीटिंग (वीसी): 20.12.2021 को 12:30 बजे, दूसरी प्री-बिड वीसी 06.01.2022 को 12:30 बजे।
जमा करने की अंतिम तिथि: 24.01.2022।

2) बिलासपुर छत्तीसगढ़ में 'रेल नीर' पैकेज्ड पेयजल संयंत्र के लिए ऑपरेटर के चयन के लिए। प्री-बिड मीटिंग: 28.12.2021 को 15:00 बजे आईआरसीटीसी कॉर्पोरेट कार्यालय, नई दिल्ली में।
जमा करने की अंतिम तिथि: 18.01.2022 15:00 बजे तक।

3) आईआरसीटीसी/उत्तरी क्षेत्र के अंतर्गत भारतीय रेलवे पर ए1 और ए श्रेणी के स्टेशनों के तहत जलपान कक्षों और जन आहार में/के माध्यम से खानपान सेवाओं के संचालन, रखरखाव और प्रावधान के लिए।
निविदा उपलब्धता: 20.12.2021, जमा करने की अंतिम तिथि: 10.01.2022 15:00 बजे तक।

4) आईआरसीटीसी/उत्तरी क्षेत्र के तहत भारतीय रेलवे के बी, सी और डी श्रेणी के स्टेशनों पर फास्ट फूड इकाइयों की स्थापना, संचालन और प्रबंधन के लिए।
निविदा उपलब्धता: 20.12.2021, जमा करने की अंतिम तिथि: 11.01.2022 को 15:00 बजे तक।

5) आईआरसीटीसी वेबसाइट और मोबाइल ऐप के लिए चैटबॉट समाधान प्रदाता के चयन के लिए प्रतिष्ठित फर्मों से ऑनलाइन बोलियां आमंत्रित की जाती हैं।
जमा करने की अंतिम तिथि: 23.01.2022 15:00 बजे तक।

निविदा दस्तावेज विवरण के लिए वेबसाइट www.irctc.com (क्र.1 से 5 के लिए), "www.tenderwizard.com/ IRCTC" (क्र.1 से 5 के लिए) तथा eprocure.gov.in/cppp (क्र. 3 एवं 4 के लिए) पर देखें। उपरोक्त निविदा दस्तावेजों को ऑनलाइन डाउनलोड करना और जमा करना केवल "www.tenderwizard.com/ IRCTC" वेबसाइट पर ही किया जा सकता है।

शुद्धिपत्र/परिशिष्ट केवल www.irctc.com तथा "www.tenderwizard.com/ IRCTC" पर प्रकाशित किया जाएगा।

कार्यालय पता: समूह महाप्रबंधक (पी एंड टी), आईआरसीटीसी लिमिटेड 11वां तल, स्टेट्समैन हाउस, बी-148, बाराखम्बा रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली- 110001, टेली: 011-23311263-64

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

न्याय, सरोकार व इच्छाशक्ति से बना
छत्तीसगढ़ मॉडल

श्री भूपेश बघेल
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

किसान
- कर्ज मुक्त किसान, अनुदान राशि से बढ़ी आय और पैदावार
- भूमिहीन खेतिहर मजदूरों को आर्थिक सहायता

पशुपालक
- सरकार द्वारा गोबर खरीदी से बढ़ती आय, खुले रोजगार के अवसर
- आर्थिक उन्नति ने बदली गांवों की तस्वीर

महिलाएं
- स्वास्थ्य एवं सुपोषण को दी प्राथमिकता
- बराबरी के अवसरों ने किया सशक्त

आदिवासी
- अधिग्रहित कृषि भूमि वापस लौटाई
- आदिवासियों पर दर्ज मुकदमों की समीक्षा के लिए गठित समिति

वनाश्रित
- जंगल जमीन पर दिलाये अधिकार
- देश में लघु वनोपजों की सर्वाधिक न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी

युवा
- युवाओं के लिए रोजगार के बेहतर अवसर
- ई-पंजीकरण के माध्यम से निर्माण कार्यों में अवसर

पर्यावरण
- छत्तीसगढ़ को लगातार तीसरी बार स्वच्छतम राज्य का खिताब
- प्रतिदिन 1600 टन ठोस कचरे का वैज्ञानिक निपटान
- वृक्षारोपण को बढ़ावा देने से वन क्षेत्र में इजाफा

शिक्षा
- विश्वस्तरीय स्कूलों से नई पीढ़ी को उज्ज्वल भविष्य के समान अवसर
- उच्च शिक्षा के नए गुणवत्तापरक केन्द्रों की स्थापना

स्वास्थ्य सेवाएं
- घर की चौखट तक पहुंची स्वास्थ्य सेवाएं
- सभी आय वर्गों को रियायती दरों पर जेनेरिक दवाएं

खेल
- भविष्य के लिए प्रतिभासम्पन्न प्रतिभागियों का निर्माण
- खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं व बेहतर प्रशिक्षण

उद्योग
- नई औद्योगिक नीति से समावेशी निवेश के खुले नए द्वार
- आदिवासी क्षेत्र में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन

बिजली
- लाखों उपभोक्ताओं का बिजली बिल हाफ
- बिजली से किसानों, वनाश्रितों व उद्योगों की बदल रही तस्वीर

शहरी विकास
- हर घर शुद्ध पेयजल
- मुख्यमंत्री मितान योजना से घर-घर तक पहुंच रहीं नागरिक सेवाएं
- झुग्गी झोपड़ी वासियों को मिला भूमि के स्वामित्व का अधिकार

S-30797/16

3 साल
बात है अभिमान के
छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान के

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 17 दिसंबर 2021

डरा रहा कोविड, संक्रमण में उछाल

कोरोना के 85 केस आए, ओमीक्रोन के भी चार नए मामले मिले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फाइल फोटो

दिल्ली में गुरुवार को ओमीक्रोन वैरिएंट के 4 नए मामले और कोविड संक्रमण के 85 नए केस आने से एक बार फिर से कोरोना डराने लगा है। राष्ट्रीय राजधानी में ओमीक्रोन वैरिएंट के मरीजों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है, वहीं पिछले पांच महीनों में कोविड संक्रमण का सबसे ज्यादा केस गुरुवार को दर्ज किया गया है। इससे पहले 8 जुलाई को 93 नए मामले सामने आए थे।

दिल्ली में ओमीक्रोन के चार नए मरीज मिलने से प्रदेश सरकार की चिंता बढ़ गई है। हालांकि एक मरीज के ठीक होने के बाद उसे डिसचार्ज कर दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने ओमीक्रोन के चार नए मरीज मिलने और कोविड के नए मामले में उछाल पर चिंता जताते हुए कहा कि इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचने वाले कई अंतरराष्ट्रीय यात्री कोविड पॉजिटिव निकल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओमीक्रोन वैरिएंट के किसी भी मरीज की हालत गंभीर नहीं है। फिलहाल संदेह के आधार पर 40 लोगों को लोकनायक जय प्रकाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से 38 कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। जैन ने मंगलवार को कहा था कि 'ओमीक्रोन' के मामले अभी सामुदायिक स्तर पर नहीं फैले हैं और स्थिति अभी नियंत्रण में है।

स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार गुरुवार को कोविड के 85 नए केस सामने आए हैं। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस वायरस के संक्रमण से किसी मरीज की जान पिछले 24 घंटों में नहीं गई. यह लगातार आठवां दिन है जब किसी मरीज की मौत संक्रमण से नहीं हुई है। मरीजों मृतकों की संख्या अब भी 25,100 है।

बीते दिन 48,120 नमूनों की जांच की गई। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वर्तमान में उपचाराधीन रोगियों की संख्या 475 है। दिल्ली में होम आइसोलेशन में 202 मरीज है और सक्रिय कोरोना मरीजों की दर 0.032 फीसदी है। वर्तमान में कोविड से मरीजों की रिकवरी दर 98.22 फीसदी है।

दिल्ली के अस्पतालों से पिछले 24 घंटे में 38 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया। अब तक कुल संक्रमित मरीजों का आंक ?ा 14,16,360 हो गया है। 24 घंटे में हुए 56,027 सैंपल (आरटीपीसीआर टेस्ट 50,879 एंटीजन 5148) की जांच हुई है।

प्रोफेसर डॉ. छगनभाई नानजीभाई पटेल एबीवीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने

नई दिल्ली। प्रो. डॉ. छगनभाई नानजीभाई पटेल (गुजरात) और सुश्री निधि त्रिपाठी (दिल्ली) देश के अग्रणी छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के क्रमश: राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में सत्र 2021-22 हेतु निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। यह घोषणा गुरुवार को अभाविप केन्द्रीय कार्यालय (मुंबई) से की गई।

चुनाव अधिकारी डॉ. नागेश ठाकुर द्वारा जारी वक्तव्य के अनुसार उपरोक्त दोनों पदों का कार्यकाल एक वर्ष रहेगा एवं दोनों पदाधिकारी जबलपुर (महाकोशल) में दिनांक 24-26 दिसंबर, 2021 को होने वाले 67वें राष्ट्रीय अधिवेशन में अपना पदग्रहण करेंगे। प्रो. सी.एन. पटेल की शिक्षा भेषजिकी (फार्मेसी) विषय में पीएचडी तक हुई है।

राजधानी में बढ़ी ठिठुरन, बारिश के आसार

दो-तीन दिनों में पहाड़ों से आने वाली बर्फीली हवाएं और बढ़ाएंगी ठंड

● न्यूनतम तापमान 6 डिग्री रहने की संभावना : मौसम विभाग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता की वजह से दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार रात तक हल्की बारिश होने के आसार हैं। साथ ही पहाड़ों से आने वाली सर्द हवाओं की वजह से ठिठुरन बढ़ेगी। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले तीन दिनों के भीतर न्यूनतम पारा छह डिग्री सेल्सियस तक लुढ़केगा। इसके साथ ही प्रदूषण की मार झेल रहे दिल्ली वालों को शुक्रवार से हवा की गति बढ़ने से वायु गुणवत्ता सुधरने की संभावना है।

बुधवार को आयानगर 7.2 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम पारे के साथ सबसे ठंडा इलाका रिकॉर्ड हुआ है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एजेंसी सफर के मुताबिक, गुरुवार रात को हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदूषण की मार झेल रही दिल्ली को हवा की गति बढ़ने पर राहत मिलेगी। इसमें 17 दिसंबर से गति और बढ़ेगी। इसके बाद एक्यूआई कम होने के आसार हैं।

स्काईमेट वेदर के प्रमुख मौसम विज्ञानी महेश पलावत के मुताबिक हवा की गति कम होने के चलते गुरुवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। पहाड़ों पर हिमपात हुई है। वहां से आने वाली हवा के चलते अगले दो दिन में न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस तक फिर गिरेगा। वहीं, सुबह कोहरा रहेगा और दिन में धूप निकलने पर मौसम साफ रहेगा। अगले 24 घंटे में अधिकतम पारा 22 व न्यूनतम पारा सात डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। अगले तीन दिनों के भीतर सर्द हवाओं की वजह से न्यूनतम पारा छह डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

आश्रम अंडरपास खुलने में दो माह की देरी

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के आश्रम में अंडरपास निर्माण का कार्य पूरा होने का इंतजार कर रहे यात्रियों को कम से कम दो और महीने का इंतजार करना पड़ सकता है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारी निर्माण पूरा होने में देरी के पीछे पिछले महीने वायु प्रदूषण के बेहद गंभीर स्थिति में पहुंचने के बाद उच्चतम न्यायालय द्वारा दिल्ली एनसीआर में निर्माण गतिविधियों पर लगी पाबंदी को वजह बता रहे हैं।

लोक निर्माण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम नहीं उजागर करने की शर्त पर बताया 85 फीसदी से ज्यादा निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। लेकिन फिलहाल, वायु प्रदूषण में वृद्धि की वजह से कार्य रुक गया।

जन जागरण अभियान में कांग्रेस ने एमसीडी और आप की खोली पोल

महंगाई से त्रस्त महिलाओं ने यात्रा में दिखाया दम

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार की अगुवाई में घोंडा चौक पर जनजागरण अभियान के तहत पोलखोल यात्रा निकालते कांग्रेसी कार्यकर्ता।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार के नेतृत्व में गुरुवार को बाबरपुर जिले के घोंडा विधानसभा में मेन घोंडा चौक से जन जागरण अभियान के तहत झूठे वायदे करके लोगों को भ्रमित करने वाली अरविन्द केजरीवाल की दिल्ली सरकार और भाजपा शासित दिल्ली नगर निगम द्वारा दिल्ली को गंदगी से बदहाल बनाने के लिए जिम्मेदार दोनो सरकारां के खिलाफ पोल खोल यात्रा निकाली गई।

यात्रा में हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में पार्टी के झंडे और भाजपा और आप पार्टी विरोधी नारे लिखी तख्तिया लेकर नारे लगा रहे थे। महंगाई से त्रस्त महिलाओं ने बड़ी संख्या में यात्रा में भाग लिया। इस अवसर पर जनरल बिपिन रावत सहित अन्य सैन्य अधिकारियों को श्रद्धाजंलि देते हुए एक मिनट का मौन भी रखा गया।

चौ. अनिल कुमार ने कहा कि मौजूद जन सैलाब यह बता रहा है कि केन्द्र में मोदी सरकार और दिल्ली में केजरीवाल सरकार की जन विरोधी और अत्यधिक राजस्व अर्जित करने की नीति के कारण लोग बढ़ती महंगाई के चलते आर्थिक बोझ तले दब रहे हैं। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष की दुहाई देने वालो ने पेट्रोल-डीजल को 100 के पार कर दिया, जबकि कांग्रेस पार्टी ने पेट्रोल-डीजल की दरों को 70 के पार नहीं जाने दिया। उन्होंने कहा मोदी-केजरीवाल की पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने की सोच ने गरीब आदमी की थाली खाली कर दी है। गृहणी की रसोई सबसे अधिक प्रभावित हुई। खाद्य तेल जहां 200 के पार पहुंच गया वही गैस सिलेंडर 1000 तक पहुॅच रहा है।

वायु प्रदूषण के स्थाई समाधान के लिए करें काम : सुप्रीम कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को दिए कई निर्देश

उच्चतम न्यायालय ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण की समस्या से निजात पाने के लिए स्थायी समाधान के लिए जनता और विशेषज्ञों से सुझाव मांगने के निर्देश गुरुवार को दिए।

प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण की अगुवाई वाली पीठ ने आयोग की ओर से दाखिल एक रिपोर्ट पर गौर किया, जिसमें न्यायालय को सूचित किया गया था कुछ उद्योगों पर लगी पाबंदियां हटाने का निर्णय लिया गया है। पीठ ने कहा कि समिति की रिपोर्ट उठाए गए कदमों की जानकारी देती है। निर्माण से जुड़ी गतिविधियों पर कहा गया है कि इस संबंध में निर्णय कल लिया जाएगा। हम मामले को सुनवाई के लिहाज से फरवरी के पहले सप्ताह के लिए सूचीबद्ध करेंगे। इस बीच हम आयोग को निर्देश देते हैं कि वह प्रदूषण की समस्या से निजात पाने के लिए स्थायी समाधान के वास्ते जनता और विशेषज्ञों से सुझाव मांगे। पीठ में न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकांत भी शामिल थे।

पंजाब की खुशहाली के लिए मांग रहा हूं सिर्फ पांच साल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● सीएम केजरीवाल ने कहा- पसंद नहीं आए तो अगली बार हमें हटा देना

पंजाब की खुशहाली के लिए आम आदमी सरकार को सिर्फ पांच साल दीजिए, अगर इसके बाद हमारा काम पसंद नहीं आए तो उसके बाद हमें हटा दीजिएगा। यह दावा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब की जनता से किया है।

पंजाब दौरे पर आए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को लंबी विधानसभा के गांव खुड्डियां में एक जनसभा को संबोधित किया। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब पर इन पार्टियों के नेताओं ने तीन लाख करोड़ रुपए का कर्ज चढ़ाया है। हमारी सरकार बनने पर हम इनसे सारा पैसा वापस लेंगे। पंजाब के 1.70 लाख करोड़ रुपए के बजट में से 34 हजार करोड़ यह नेता खा जाते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में कांग्रेस की यह सरकार आज तक की सबसे भ्रष्ट सरकार है। यह लोग कह रहे हैं कि हर महिला को हजार-हजार रुपए देने से सरकारी खजाना खाली हो जाएगा, लेकिन जब इन्होंने हजारों करोड़ लूटे, तब खजाना खाली नहीं हुआ।

अच्छे किस्म के अनाज के लिए जैविक खेती को बढ़ावा दें

नजफगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में किसानों से दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने किया आह्वान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

किसानों की सभा को संबोधित करते प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने किसानों से आवाहन किया कि उपज को बढ़ाने और अच्छे किस्म का अनाज पाने के लिए जैविक खेती को बढ़ावा दें। गुरुवार को नजफगढ़ में किसानों के साथ बातचीत करते हुए गुप्ता ने कहा कि भारत ने अनाज के पैदावार में भारी बढ़ोतरी कर कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। कम उर्वरक शक्ति का प्रयोग कर अच्छे गुणवत्ता वाले अनाज का उत्पाद कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कृषि और खाद्य प्रसंस्करण पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में संबोधन को सुनने के बाद गुप्ता ने किसानों से कहा कि हरित क्रांति लाने के लिए जो रसायन खाद्य और उर्वरक का प्रयोग किया गया उससे पैदावार में बढ़ोतरी तो हुई लेकिन मिट्टी की उर्वरक क्षमता और अनाज की गुणवत्ता में कमी आई और इससे पैदा हुए अनाज हमारे शरीर के लिए भी हानिकारक सिद्ध हुए हैं। इतना ही नहीं एक समय ऐसा भी था जब भारत में गेहूं की आपूर्ति नहीं हो पाई और लाल बहादुर शास्त्री के कार्यकाल में तो अमेरिका से गेंहू मंगाया गया था।

उन्होंने कहा कि अब जरुरी हो गया है कि हम फिर से जैविक खाद्य का सहारा लेकर अनाज की गुणवत्ता पर ध्यान दें। जैविक खाद्य का परंपरा हमारे देश में हजारों सालों से चलता आ रहा है, इसलिए इसका प्रयोग कैसे किया जाए देश के किसानों को इसकी जानकारी है।

प्रदेश अध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि आज पर्यावरण संतुलन में मददगार, कम लागत में अधिक लाभ कमाने में सहायक प्राकृतिक खेती से किसनों को लाभ पहुंचे, इसके लिए मोदी सरकार पूर्ण रुप से कटिबद्ध है। हमें जरुरी है कि प्राकृतिक खेती को जन-आंदोलन बनाए।

संक्षिप्त समाचार

ओबीसी कोटे के दूसरी किस्त की भर्ती की मांग को लेकर धरने पर बैठे टीचर्स फोरम के सदस्य।

डीयू टीचर्स फोरम का अनिश्चिततकालीन धरना

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में ओबीसी कोटे के दूसरी किस्त की भर्ती की मांग को लेकर टीचर्स फोरम के 50 से अधिक सदस्यों ने आर्ट्स फैकल्टी पर अनिश्चितकालीन धरना दिया। दिल्ली यूनिवर्सिटी एससी, एसटी, ओबीसी टीचर्स फोरम ने गुरुवार को ओबीसी कोटे की दूसरी किस्त के पदों को भरवाने के लिए फोरम के दिल्ली विश्वविद्यालय, जेएनयू, जामिया मिल्लिया इस्लामिया और राष्ट्रीय राजधानी के आसपास के शोधार्थियों, शिक्षकों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) कोटे की सेकेंड ट्रांच (दूसरी किस्त) के पदों को दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में भरवाने की मांग को लेकर गेट नम्बर-4 आर्ट्स फैकल्टी पर अनिश्चितकालीन धरना दिया । धरने का नेतृत्व फोरम के महासचिव डॉ. हंसराज सुमन व अध्यक्ष डॉ. के.पी. सिंह के द्वारा किया गया। धरने में डॉ. मनोज सिंह डॉ. आनंद ,डॉ.सुधांशु कुमार अनिरुद्ध , डॉ. चंद्र भूषण , डॉ.प्रदीप कुमार ,डॉ. राहुल देव व डॉ. प्रीतम कुमार आदि उपस्थित थे । धरना स्थल से फोरम की ओर से कुलपति को एक ज्ञापन / मांग पत्र भेजा गया ।

मटियाला में पुलिस का सेल्फ डिफेंस कार्यक्रम

नई दिल्ली। मटियाला इंडस्ट्रियल एरिया में काम करने वाले कामगारों के बच्चों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से द्वारका जिला द्वारा सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस द्वारका जिला की सहयोगी स्वयंसेवी संस्था चेंज आई नेटवर्क के सहयोग से 15 दिवसीय कार्यक्रम का गुरुवार को समापन किया गया। समारोह में द्वारका जिला पुलिस की तरफ से मीडिया और कम्युनिटी पुलिस के इंचार्ज एएसआई मनीष मधुकर ने बच्चों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। सभी बच्चों को सड़क, स्कूल, कॉलेज, मेट्रो या बस में कोई छेड़खानी करने पर खुद को मजबूत मानते हुए पूरी ताकत और आत्मविश्वास के साथ उसका विरोध करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

सम्मानित प्रधानाचार्य व शिक्षकों के साथ खड़े महापौर मुकेश सुर्यान

निगम विद्यालयों के श्रेष्ठ प्रधानाचार्य और अध्यापकों को किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● द्वारका सेक्टर-3 में आयोजित हुआ कार्यक्रम

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम शिक्षा समिति की अध्यक्षा सुश्री नीतिका शर्मा ने गुरुवार को नजफगढ़ क्षेत्र के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता की जिसमे निगम विद्यालयों में कार्यरत श्रेष्ठ प्रधानाचार्यों, शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दक्षिणी दिल्ली के महापौर मुकेश सुर्यान, विशिष्ट अतिथि उपमहापौर पवन शर्मा ,नजफगढ़ क्षेत्र के चैयरमैन सतपाल मलिक एवम उपाध्यक्ष मीना देवी रहे। शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सत्र 2020-21 के 140 विद्यालयों में से श्रेष्ठ 4 प्रधानाचार्यों, विभिन्न श्रेणियों में नामांकित 14 अध्यापक-अध्यापिकाओं एवम 4 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया ।

शिक्षा समिति की अध्यक्षा सुश्री नीतिका शर्मा ने कहा कि आज हमारा देश शिक्षा के क्षेत्र में दिनोदिन उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है । शिक्षकों ने कोरोना महामारी के दौरान जिस मेहनत लगन और समर्पण के साथ कार्य किया है वह सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए लगातार प्रयासरत है, जिसमें प्रमुख रूप से ऑनलाइन कक्षाएं, प्रोजेक्ट परिवर्तन, टैब वितरण, विद्यार्थी स्वास्थ्य कार्ड, स्पोर्ट सेल का का गठन, नए अध्यापकों की भर्ती, विज्ञान क्लब का गठन आदि है। कार्यक्रम का आयोजन दक्षिणी निगम विद्यालय द्वारका सेक्टर 3 फेस 3 में किया गया।

दिल्ली दंगा : 10 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय

नई दिल्ली। फरवरी 2020 में हुए दंगों के मामले में 10 लोगों के खिलाफ दिल्ली एक अदालत ने आरोप तय करते हुए कहा कि वे हिंदू समुदाय में भय व दहशत पैदा करने और उन्हें देश छोड़ने की धमकी देने के मकसद से बनाई गई गैरकानूनी सभा के सदस्य थे। पुलिस के अनुसार 10 आरोपियों ने 25 फरवरी 2020 को भागीरथी विहार इलाके में हिंसा और लूटपाट की और हिंदू समुदाय के सदस्यों की संपत्तियों को आग लगा दी। अदालत ने मोहम्मद शाहनवाज, मोहम्मद शोएब, शाहरुख, राशिद, आजाद, अशरफ अली, परवेज, मोहम्मद फैसल, राशिद और मोहम्मद ताहिर के खिलाफ आरोप तय किए।

गाजीपुर बॉर्डर पर ट्रैफिक आंशिक रूप से बहाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के गाजीपुर बॉर्डर पर यातायात गुरुवार को आंशिक रूप से बहाल कर दिया गया। कृषि कानूनों के खिलाफ एक साल से जारी किसानों का आंदोलन खत्म होने के बाद यह मार्ग खाली किया जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, बॉर्डर पर एक लेन को फिर से खोल दिया गया है और वैशाली, गाजियाबाद से आने वाले लोग राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करने के लिए यहां से गुजर सकते हैं।

दिल्ली पुलिस ने सभी अवरोधकों को हटाते हुए बुधवार को सिंघु बॉर्डर पर यातायात बहाल करने के साथ-साथ दो लेन भी खोल दिए हैं। गाजीपुर बॉर्डर पर भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने बुधवार को आंदोलन समाप्त करते हुए किसानों के साथ घर वापसी करते हुए धरना स्थल को खाली कर दिया था।

पुलिस उपायुक्त (बाहरी दिल्ली) बृजेंद्र कुमार यादव ने कहा कि यह तय किया गया है कि सिंघु बॉर्डर को दिल्ली की ओर से भी खोला जाए। इसे सभी वाहनों के लिए खोल दिया गया है। केंद्र के तीन कृषि कानूनों को निरस्त किए जाने के बाद संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने आंदोलन को स्थगित करने की घोषणा की थी।

स्कूलों में उगाई जाएंगी फल और सब्जियां

दक्षिण नगर निगम ने क्षेत्र के 48 विद्यालयों में शुरू की पोषण वाटिका

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पी. एम. पोषण) योजना का अनुपालन करते हुए अपने 48 विद्यालयों में पोषण वाटिका आरंभ कर दी हैं। भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने स्कूली छात्र-छात्राओं को मौसमी फल एवं सब्जियों की उपयोगिता एवं उनमें पाए जाने वाले पोषक तत्वों के बारे में जागरूक करने के लिए इस अभियान को आरंभ किया है।

दक्षिणी निगम के आयुक्त ज्ञानेश भारती ने निगम विद्यालयों में पोषण वाटिका स्थापित करने के अभियान के बारे में बताया कि अब तक दक्षिणी निगम के 48 विद्यालयों में यह वाटिका आरंभ की जा चुकी है तथा दिसंबर माह के अंत तक 100 और विद्यालयों में पोषण वाटिका आरंभ कर दी जाएगी। इसके अलावा जनवरी 2022 तक निगम के सभी 568 विद्यालयों एवं निगम द्वारा सहायता प्राप्त विद्यालयों में पोषण वाटिका स्थापित करने की योजना है। आयुक्त ने बताया कि जिन विद्यालयों में जमीन की दिक्कत है उन विद्यालयों की छतों पर गमलों एवं मटकों में पौधों को लगाने की व्यवस्था की जाएगी। विद्यालयों में पोषण वाटिका स्थापित करने के लिए उद्यान विभाग को भी सहयोग करने के निर्देश दिए हैं। निगम का उद्यान विभाग पोषण वाटिका स्थापित करने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करेगा।

निगम के एक स्कूल में बोई गई सब्जियां।

भारती ने बताया कि अधिकतर बच्चों में प्रोटीन, विटामिन, कैल्शियम एवं अन्य आवश्यक खनिज तत्वों की कमी पाई जाती है। इन पोषण वाटिकाओं से प्राप्त होने वाले फल एवं सब्जियों का प्रयोग मिड डे मील में भी किया जायेगा जिसकी सहायता से बच्चों में इन पदार्थों की कमी को भी पूरा किया जा सकेगा। शिक्षा निदेशक प्रदीप कुमार ने बताया कि इन पोषण वाटिकाओं का एक लाभ यह भी होगा की इनके माध्यम से छात्र-छात्राओं को प्रकृति एवं बागवानी का प्रत्यक्ष अनुभव मिलेगा तथा उनमें पाए जाने वाले पोषक तत्वों की भी जानकारी मिलेगी।

सरिता विहार में किशोरी को गला रेतकर मार डाला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के सरिता विहार इलाके में 16 वर्षीय एक लड़की की उसके घर में गला रेत कर कथित तौर पर हत्या कर दी गई। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, मृतक किशोरी की पहचान रुखसार के रूप में की गयी है। रुखसार की मां ने अपने दत्तक पुत्र पर ही इस हत्या को अंजाम देने का आरोप लगाया है। घर के अंदर खाट पर रुखसार का शव पड़ा हुआ था और उसका गला कटा हुआ था।

पुलिस के मुताबिक, रुखसार की मां एक घरेलू सहायिका के रूप में काम करती है और करीब 10 साल पहले उसने आरोपी शान मोहम्मद को अपने बेटे के रूप में गोद लिया था, तब से ही तीनों एक साथ रह रहे थे। रुखसार की मां ने पुलिस को बताया कि शान मोहम्मद (32) शराब का आदी है और आए दिन उससे और रुखसार से झगड़ा किया करता था।

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली की पुलिस उपायुक्त ईशा पांडे ने बताया कि शान मोहम्मद के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत हत्या का केस दर्ज लिया है और मामले की जांच कर रही है।

बीके: कम्प्यूटर ऑपरेटरों की कमी का खामियाजा भुगत रहे मरीज

ऑपरेशन व डिसचार्ज हो चुके मरीजों की फाइलें न चढ़ने से नहीं बन रहे मरीजों के कार्ड

कविता। फरीदाबाद

बादशाह खान सिविल अस्पताल में मरीज यहां से वहां चक्कर काटने को मजबूर हो रहे है। यहां भर्ती होने के बाद दोबारा इलाज को आ रहे मरीजों के कार्ड ही नहीं बन पा रहे हैं।

कार्ड काउंटर पर कर्मचारियों की संख्या कम होने से मरीजों को घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है। जिससे अस्पताल की ओपीड़ी खाली होती है और पंजीकरण व कार्ड रिन्यु काउंटरों पर भारी भीड़ रहती है। सिविल अस्पताल में ऑनलाइन

ओपीड़ी के कार्ड रिन्यू काउंटर पर लगी भीड़।

एक ही ऑपरेटर के हवाले सैकड़ों मरीजों के कार्ड।

सिस्टम लागू होने के बाद जब तक अस्पताल से डिसचार्ज मरीज की फाइल कम्प्यूटर पर नहीं चढ़ती, तब तक मरीज आधार कार्ड या फोन नम्बर से दूसरा कार्ड नहीं बनवा सकता। वहीं मरीज को भर्ती करते समय पुराने ओपीडी कार्ड के नम्बर के आधार पर ही भर्ती किया जाता है। वह मरीज जब दौबारा इलाज को आते हैं तो मरीजों को कहा जाता है कि वह पहले अपनी पूरानी फाइल को कम्प्युटर से चढ़वा कर आएं। वार्ड में पहुंचने पर उन्हें ऑपरेटर न होने या फाइल न मिलने की बात कहकर लौटाया जा रहा है। ऐसे में मरीजों को चिकित्सक को दिखाने में भारी परेशानी हो रही है।

बिना चढ़े फाइल गायब

ऑपरेटर न होने के कारण पिछले काफी समय से वार्ड में भर्ती होने वाले मरीजों की फाइलें ऑनलाइन नहीं चढ़ाई जा रही है। सबसे अधिक परेशानी डिलीवरी वार्ड से लौटने वाले मरीजों को हो रही है। डिलीवरी के बाद जब वह टांके कटवाने या फिर जांच के लिए आते हैं तो उनका कार्ड ही नहीं बन पाता। पूछताछ करने पर उन्हें फाइल गायब होने की बात कहकर लौटा दिया जा रहा है।

ऑपरेटर न होने से लोग परेशान

अस्पताल के पंजीकरण और कार्ड रिन्यु काउंटरों पर मरीजों की भीड़ बढ़ रही है। ऑनलाइन होने के बाद भी कम्प्यूटर ऑपरेटरों की संख्या आज भी कम है। काउंटरों पर भीड़ होने के बाद भी एक से दो ही ऑपरेटर होते हैं। जिससे लम्बी लाइनों में लोगों को घंटो खड़े रहना पड़ रहा है। बृहस्पतिवार को पंजीकरण काउंटर पर मात्र तीन ऑपरेटर ही थे। वहीं कार्ड रिन्यु काउंटर पर मात्र एक ऑपरेटर दो लम्बी लाइनों के मरीजों के कार्ड पर नम्बर डाल रहा था। कार्ड काउंटरों पर लगी भीड़ से ओपीड़ी खाली पड़ी हुई थी।

फाइल गायब होने का जबाव सुनकर सभी हैरान हैं।

डेंगू से निपटने के लिए किए गए हैं पुख्ता प्रबंध

फरीदाबाद। उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने बताया कि जिला में डेंगू के मामलों और वीबीडी स्थिति के संबंध में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जिले में 45 नियोजन इकाइयां और स्वास्थ्य संस्थान हैं। इनके लिए वेक्टर जनित रोगों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। इन नोडल अधिकारियों के अधीन क्षेत्र नियोजन इकाईवार वितरण भी किया है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला स्तर और पीएचसी स्तर तक आरआरटी का भी गठन किया है।

डेंगू के नोडल अधिकारी डॉ. रामभक्त ने बताया कि उपायुक्त फरीदाबाद की अध्यक्षता में डीएलएम डब्ल्यूसी की बैठक हुई थी। आईएमए और निजी कॉरपोरेट अस्पतालों के प्रतिनिधियों के साथ भी दो बैठकें हुईं।

अपहरण के बाद किशोर की हत्या कर शव पहाड़ों में फेंका

पुलिस पर बच्चे की तलाश में लापरवाही का आरोप लगा कर परिजनों ने किया हंगामा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बीके अस्पताल की मोरचरी पर हंगामा करते मृतक के परिजन।

थाना डबुआ इलाके से चार दिन पूर्व रहस्यमय हालत में लापता हुए 14 वर्षीय किशोर का शव पुलिस ने सूरजकुंड की पहाड़ियों पर स्थित एक मैरिज गार्डन के पीछे झाड़ियों से बरामद किया है। इलाके में कचौड़ी की रेहड़ी लगाने वाले एक व्यक्ति ने अपने साथी ऑटो चालक के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने ऑटो चालक को गिरफ्तार कर लिया है। परिजनों ने पुलिस पर लापता बच्चे की तलाश में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया।

जानकारी के मुताबिक 13 दिसंबर को लापता हुए 14 वर्षीय किशोर के पिता ने डबुआ थाना को दी शिकायत में बताया कि उसका 14 वर्षीय बेटा लापता हो गया। उन्होंने अपने बेटे को ढूंढने की हर संभव कोशिश की लेकिन उन्हें अपने बेटे की कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई। किशोर के पिता की शिकायत के आधार पर थाना डबुआ में गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज करके किशोर की तलाश शुरू की गई।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस जांच के दौरान गुमशुदा नाबालिक बच्चे के पिता ने पुलिस को बताया कि उसका बेटा अक्सर दोस्त गौरव की रेहड़ी पर जाता है। एसएचओ महेंद्र पाठक की टीम ने रेहड़ी को फोकस कर जांच के दायरा बढ़ाया। आसपास के सीसीटीवी खंगालने पर आरोपी उपेंद्र किशोर को अपने ऑटो में बैठा कर ले जाते हुए दिखाई दिए।

सीसीटीवी फुटेज की सहायता से ऑटो को चिह्नि किया गया। रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट के माध्यम से पुलिस टीम आरोपी ऑटो ड्राइवर उपेंद्र तक पहुंची। प्रारंभिक पूछताछ में ऑटो ड्राइवर ने मृतक श्याम के बारे में बताया कि उसको 13 दिसंबर की शाम को कचौड़ी रेहडी संचालक दशरथ ने बच्चे की हत्या कर खालसा बैंकट हॉल के पीछे झाड़ियों में फेंक दिया था । हत्या के बाद उसी खालसा बैंक्विट हॉल में उन्होंने अपना स्टॉल लगाया था। आरोपी उपेंद्र ने इस वारदात को उपेंद्र द्वारा दी गई सूचना के आधार पर मुख्य आरोपी दशरथ को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

नाबालिग के शव की निशानदेही करवाने के पश्चात, शव को पोस्टमार्टम के लिए बीके हॉस्पिटल भिजवाया। एसीपी सुखबीर सिंह, एसएचओ महेंद्र पाठक एवं क्राइम ब्रांच प्रभारी अनिल जांच कर रहे हैं। गुमशुदगी मुकदमे में हत्या की धाराएं लगा दी गई हैं। आरोपी उपेंद्र से पूछताछ जारी है जिसे जल्द गिरफ्तार किया जाएगा, मुख्य आरोपी दशरथ की तलाश जारी है।

29 लाख लोगों को लग चुकी है वैक्सीन : डॉ. मान सिंह

शिविर में लोगों को कोविड टीका लगाते डॉक्टर।

फरीदाबाद के पांचों लेबर चौकों पर और तीनों सब्जी मंडियों में नियमित लगाए जा रहे वैक्सीनेशन कैंपः डीसी

फरीदाबाद। उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने कहा कि फरीदाबाद के पांचों लेबर चौकों पर और तीनों सब्जी मण्डियों में कोविड-19 के बचाव के लिए नियमित रूप से हर रोज वैक्शीनेशन कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज वीरवार तक जिला में 2904108 लोगों को कोविड-19 के वायरस के बचाव के लिए दोनों डोज लगाए गए।

डीसी ने कहा कि नोवल कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के लिए टीकाकरण एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि लोगों को कोविड-19 के संक्रमण से बचाव के लिए वैक्शीन की डोज निरन्तर लगाई जा रही है। उन्होंने बताया कि जिला फरीदाबाद की जनता को बिना किसी डर के वैक्सीनेशन करवाना चाहिए। टीकाकरण से स्वास्थ्य पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता, कोविशील्ड व कोवैक्सीन का एक समान प्रभाव है।

उन्होंने बताया कि टीकाकरण करवाने के लिए अब पहले की अपेक्षा ज्यादा उत्साह जिला में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन के साथ-साथ हमें कोविड-19 प्रोटोकोल नियमों की भी शत- प्रतिशत पालना करनी चाहिए। यह वैक्सीन शत-प्रतिशत सुरक्षित एवं नोवल कोराना वायरस के बचाव के लिए प्रभावी है। जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनय गुप्ता ने बताया कि पहली वैक्शीनेशन के बाद दूसरी वैक्शीनेशन 12 से 16 सप्ताह में लगवाने पर ईम्युनिटी पावर ओर भी बेहतर कारगर साबित हो रही है। जिला की जनता स्वैच्छा टीकाकरण करवाएं तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

क्रेशर के मुंशी से लूटपाट के दो आरोपी गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों को वारदात के मात्र 28 घंटे में किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त फरीदाबाद विकाश अरोडा द्वारा शहर में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए वारदातों में संलिप्त अपराधियों की धरपकड़ के आदेश एवं पुलिस उपायुक्त एनआईटी नितीश अग्रवाल के निर्देश पर कार्यवाई करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर-48 की टीम ने 27 नवम्बर को क्रशर जोन के मुंशी के साथ हुई 4 लाख रुपये की लूट मामले में 2 अन्य आरोपियों रोहित तथा रूपेश को फरीदाबाद के आईएमटी पुल के पास से गिरफ्तार किया है।

क्राइम ब्रांच द्वारा इस वारदात में शामिल दो आरोपी विमल तथा हितेश को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। आपको बता दें कि 27 नवम्बर की रात करीब 9 बजे क्रेसर जोन का मुंशी अपनी मोटरसाइकिल लेकर जब अनंगपुर पहुंचा तो वहां खडे एक लडके ने मुंशी के पिठू बैग पर हाथ मार कर बैंग खींच लिया। जिससे मोटरसाइकिल डगमगा कर गिर गई। मुंशी का पैर मोटरसाइकिल के निचे दब गया था। बैग छीनने वाले आरोपी ने अपने साथी के साथ मुंशी का रुपयों से भरा बैंग छिन लिया था। थोड़ी दूरी पर आगे खड़ी गाड़ी जिसमे दो आरोपी मौजूद थे, बैग छिनने वाले दोनों आरोपियों सहित रुपयों से भरा बैग लेकर फरार गए थे। वारदात की सूचना पर मुकदमा थाना सुरजकुंड में दर्ज किया गया है। सीसीटीवी फुटेज व विशेष सूत्रों की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 29 नवंबर को क्र इम ब्रांच सेक्टर-48 को 2 आरोपियो को पलवल से गिरफ्तार किया गया।

पंजाबी दर्शकों से सब्सक्रिप्शन में हुई दोगुणा वृद्धि

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारत के सबसे बड़े स्वदेशी वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म और मनोरंजन की चाह रखने वालों के लिए बहुभाषी कहानीकार जी5 ने इस साल सितंबर में पंजाबी भाषा के क्षेत्र में अपनी शुरुआत के बाद पंजाबी भाषी दर्शकों के बड़े अप्रयुक्त बाजार में सफलतापूर्वक गहरी पैठ बनाई है।

एंटरटेनमेंट इनक्लूजन के अपने लक्ष्य के करीब पहुंचते हुए, इसकी सक्रिय सदस्य संख्या में दोगुना वृद्धि देखी गई, जिसमें पंजाब और पड़ोसी राज्यों जैसे हरियाणा, दिल्ली, एनसीआर और उत्तर प्रदेश से सबसे ज्यादा योगदान प्राप्त हुआ है। यह वृद्धि पावर पैक्ड पंजाबी रिलीज़ जैसे पुआडा, जिन्ने जम्मे सारे निकम्मे और किस्मत 2 के साथ और बढ़ी है, जिसमें लोकप्रिय पॉलीवुड नाम एम्मी विर्क, सोनम बाजवा, सरगुन मेहता, बिन्नू ढिल्लों, गुरनाम भुल्लर, आदि शामिल है, यह सब केवल 499 रुपये की ऑल इंक्लूसिव वार्षिक सदस्यता के साथ उपलब्ध है। क्षेत्रीयकरण पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए, सितंबर 2021 तक प्लेटफॉर्म पर प्रति दर्शक

प्रति माह औसत वॉच टाइम 186 मिनट है। कॉमेडी और रोमांस सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली विधा हैं, जिसमें दर्शकों की संख्या 77 प्रतिशत पुरुष और 23 प्रतिशत महिला दर्शकों के बीच विभाजित है। लुधियाना, दिल्ली और चंडीगढ़ में सबसे ज्यादा पसंद किए जाने के साथ जी5 ने पंजाबी भाषी दर्शकों का दिल जीत लिया है और साथ ही अच्छी क्वालिटी का पंजाबी कंटेंट देखने के लिए वन स्टॉप डेस्टिनेशन के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है।

टिप्पणी करते हुए, जी5 इंडिया के मुख्य बिजनेस ऑफिर, मनीष कालरा ने कहा, 'पूरे भारत में नए और अंडरसर्वड बाजारों के लिए पंजाबी भाषी मार्केट में हमारा प्रवेश एंटरटेनमेंट इनक्लूजन के हमारे व्यापक उद्देश्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम हमने दर्शकों के हर्दियप्रदेश में बसी, उनकी भाषा में रचे पॉवर पैक्ड कंटेंट के साथ इस मार्केट में प्रवेश किया जो अपनी भाषा में गुणवत्तापूर्ण मनोरंजन की तलाश में थे। हम 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की प्रतिक्रिया प्राप्त कर रोमांचित हैं, और हम निर्बाध मनोरंजन आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ पंजाबी कंटेंट डिलीवर और क्यूरेट करना जारी रखेंगे। हाइपरलोकल और हाइपरपर्सन लाइज्ड दृष्टिकोण का उपयोग करके वास्तविक, प्रासंगिक सामग्री लाने की हमारी क्षमता उपयोगकर्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाली पंजाबी सामग्री देखने के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करने में मदद करेगी। हाई इंटरनेट पेनेट्रेशन और मजबूत टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ, पंजाब उत्तरी भारत के प्रमुख बाजारों में से एक है, परंतु स्थानीय भाषा में सीमित सामग्री विकल्प है। नतीजतन, जब दर्शक स्वभाषा में कंटेंट देखने की इच्छा थी तब विकल्पों की उपलब्धता कम थी और तब ज़ी5 ने भारत के 3 करोड़ से अधिक पंजाबी वक्ताओं की इस अधूरी मांग को जाना और पंजाबी मनोरंजन की एक शानदार लाइब्रेरी की पेशकश की।

कर्मचारियों ने विधायक त्रिखा व विधायक नीरज के नाम सौंपा ज्ञापन

फरीदाबाद। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा व प्रदेश सरकार के मध्य 25 अप्रैल 2020 में, 17 अगस्त 2020 को हुए समझौते में मानी गई मांगों के पत्र जारी न करने से नाराज नगर निगम के कर्मचारियों ने नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्यव्यापी आंदोलन के तहत जुलूस की शक्ल में परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा, ओल्ड फरीदाबाद के विधायक नरेंद्र गुप्ता, फरीदाबाद के सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर को विगत कल ज्ञापन सौंपा। बड़खल विधानसभा क्षेत्र की विधायक सीमा त्रिखा तथा एनआईटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक नीरज शर्मा को ज्ञापन सौंपा। अब कर्मचारी कल विधायक नयनपाल रावत और विधायक राजेश नागर को कल ज्ञापन सौंपेंगे। प्रदर्शन का नेतृत्व नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य उप महासचिव सुनील कुमार चिंडालिया ने किया।

स्वच्छता को लेकर निगम मनाएगा यादगार दिवस

मिशन को 31 दिसंबर याद है ना का नाम दिया गया है

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

निगमायुक्त यशपाल यादव ने बताया कि बनेगा स्वच्छ फरीदाबाद के तहत 31 दिसम्बर को यादगार के रूप में मनाया जायेगा। इस मिशन को 31 दिसंबर याद है ना का नाम दिया गया है। इस कैम्पेन में सभी नागनिकों, दुकानदारों, उद्योगिक संस्थाओं तथा शैक्षणिक संस्थाओं से निवेदन है कि 31 दिसंबर को अपने घर, अपने घर के इर्द-गिर्द तथा गली मोहल्ले में सफाई करवाने में निगम का सहयोग करें। 31 दिसंबर के बाद कोई भी नागरिक खुले में कूड़ा न फैंकें कहीं भी खुले में कूड़ा फैंकते हुए पाये जाने पर चालान आदि की कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम का मेगा स्वच्छता अभियान अब सभी 40 वार्डों में एक साथ हर सप्ताह के शुक्रवार-शनिवार को चलाया जा रहा है और बाजारों और घरों के सामने से अतिक्रमण भी हटाए भी जा रहे है। लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है कि घर से ही गीला व सूखा कचरा अलग-अलग करके वेंडर के वाहन में डालें। नगर निगम की टीमें अलग-अलग वार्डों में सक्रिय है। निगम आयुक्त ने बताया कि नगर निगम के चालीस वार्डों के सभी सदस्य, गैर सरकारी संगठन, सीएसआर भागीदार, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, मार्केट एसोसिएशन के प्रतिनिधि विशेष रूप से व्यापार मंडल और सभी संबंधितों के इस नेक काम में नगर निगम का समर्थन किया है। बनेगा स्वच्छ फरीदाबाद में आम जन की भागीदारी सामने आ रही है।

निगमायुक्त ने बताया कि स्वच्छ बनेगा फरीदाबाद अभियान के तहत शहर को कचरा मुक्त करने में वार्ड स्तर पर काम किया जा रहा है। वार्ड स्तर पर आने वाली समस्याओं को दूर किया जा रहा है। इसमें वार्डों में गठित की गई कमेटियों की भूमिका सराहनीय है। अब घर-घर से कूड़ा उठाने में सुधार हुआ है और अब करीब 76 फीसदी घरों से प्रतिदिन नियमित रूप से कूड़ा उठाया जा रहा है। प्रत्येक घर को गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग करके वैंडर को देने के लिए भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। 31 दिसम्बर को नगर निगम कचरा मुक्त दिवस के रूप में मनायेगा। नगर निगम आयुक्त ने कहा कि स्वच्छ बनेगा फरीदाबाद अभियान के साथ अब सभी आरडब्ल्यूए और सामाजिक संगठन लगातार जुड़ रहे हैं। लोगों में कूड़ा खुले में फैंकने को लेकर भी जागरुकता आ रही है। वार्ड स्तर पर सामाजिक कार्यकर्ताओं और सामाजिक संस्थाओं के इस अभियान से जुड़ने से इसमें तेजी आई है।

कई महीनों से इकाइयों को किया जा रहा सील

फरीदाबाद। नगर निगम फरीदाबाद द्वारा संपत्ति कर के बकायाजात की वसूली के लिए पिछले कई महीनों से इकाइयों को सील किया जा रहा है जिसमें से उन इकाइयों को डीसील किया है जिनके बकायाजात जमा हो गये हैं और जिनके बकायादारों ने अभी तक नगर निगम में बकायाजात जमा नहीं कराये वह अभी तक सील हैं।

16 दिसंबर को बल्लभगढ़ जोन-2 में 10 इकाइयों को सील किया, जिन पर करीब सात लाख बकाया है एनआईटी जोन-3 ने 6 इकाइयों को सील किया जिस पर करीब 4.09 लाख का बकाया है। इस तरह कुल 16 इकाइयों को सील किया है, जिन पर कुल 11.09 लाख बकाया है। निगमायुक्त यशपाल यादव ने कहा कि जिन इकाइयों को सील किया जा चुका है और उनकी ओर से बकाया संपत्ति कर की राशि प्राप्त नहीं हुई है उन सभी इकाइयों की निगम द्वारा नीलामी की जाएगी और आने वाले कुछ समय में ही इन इकाइयों की खुली नीलामी की जायेगी।

कोरोना के चार नए संक्रमित आए सामने

कोरोना की जांच कराती यशोदा।

फरीदाबाद। गुरुवार को कोरोना वायरस के 4 मामले पोजिटिव आए है। जबकि 4 मामले ठीक होंने पर अपने घर में भेज दिए गए हैं। वहीं गुरुवार को जिला में रिकवरी रेट भी 99.24 प्रतिशत पर पहुंच गया है। जिले में एक्टिव केसों की संख्या भी 40 हो गई है। जोकि सभी होम आईसोलेशन में है। जबकि कई लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ्य हो चुके हैं।

जिले में कोरोना संक्रमण की रफ्तार पर ब्रेक लगाने के लिए टेस्टिंग और वैक्शीनेशन पर जोर दिया जा रहा है। जिले में पिछले 24 घंटे में 3085 लोगों टेस्ट किए गए। जबकि अब तक जिला फरीदाबाद में 1275832 लोगों ने अब तक टेस्ट करवाया गया। इनमें से 100016 लोग कोराना पॉजिटिव पाए गए। जबकि 1173086 लोग नेगेटिव मिले। अब तक जिला में 2730 लोगों के रिजल्ट आने बाकी है। उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने फरीदाबाद जिला वासियों से अपील की है कि वे अब भी निरन्तर कोरोना को मात देने के लिए सावधानी लगातार बरतते रहें। कोरोना के जिला नोडल अधिकारी डा. रामभक्त ने बताया कि जिला स्वास्थ्य विभाग के द्वारा जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार फरीदाबाद जिला में अब तक 1106938 लोगों को अब तक सर्वेलांस पर रखा गया है। जिन्होंने 28 दिनों का सर्वेलांस पूरा कर लिया है उनकी संख्या 1106529 हो गई है।

संक्षिप्त समाचार

19 सूत्रीय मांगों को लेकर आंगनबाड़ी वर्कर्स ने किया प्रदर्शन

परिवहन मंत्री के कार्यालय पर प्रदर्शन करती आंगनबाड़ी वर्कर

फरीदाबाद। कर्मचारी कर्मचारी का दर्जा देने और रिटायरमेंट पर वर्कर को 5 लाख व हेल्पर को 3 लाख रुपये रिटायरमेंट लाभ देने आदि 19 सूत्रीय मांगों को लेकर बृहस्पतिवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के आवास पर प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्री शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित प्रदर्शन के बाद कैबिनेट मंत्री के भाई टीपरचंद को मांगों का ज्ञापन सौंपा और बातचीत से मांगों का समाधान करने की मांग की। आंगनबाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स ने शहर में आक्रोश रैली निकाल कर सरकार व विभाग के अंहकारी रवैए की घोर निन्दा की। आंगनबाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स यूनियन हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्री शर्मा ने चेतावनी दी कि अगर 18 दिसंबर तक मांगों का समाधान नहीं किया तो 50 हजार आंगनबाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चली जाएंगी। उन्होंने कहा कि 50 हजार कार्यकर्ता 8 दिसंबर से हड़ताल पर हैं और आंगनबाड़ी सेंटर बंद बंद पड़े हैं, लेकिन महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री और विभाग के अधिकारी बातचीत तक करने की तैयारी नहीं है। उन्होंने कहा कि जबतक 19 सूत्रीय मांगों का समाधान नहीं होगा हड़ताल जारी रहेगी। प्रदर्शन का संचालन जिला सचिव मालवती ने किया। प्रदर्शन में यूनियन की नेता सुरेन्द्री, सीमा और सीटू के जिला प्रधान निरंतर पराशर और ओम प्रकाश मौजूद थे।

रविंदर फागना अकादमी ने 9 विकेट से जीता मैच

फरीदाबाद। पहला ऑल इंडिया स्पोर्ट्स क्यूब जूनियर लीग अंडर - 14 मैच में रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी ने दून बलूनी क्रिकेट अकादमी को नौ विकेट से हराया। कोच विनय ने बताया कि दून बलूनी क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 39.1 ओवर में 10 विकेट पर 139 रन बनाए। अविरल ने 39 रन, मंथन ने 22 रन, समर्थ ने 21 रन बनाए। रिजवान ने चार विकेट, आरध्या ने दो विकेट, अनुज, मोहम्मद और ऋषभ ने एक-एक विकेट ली। लक्ष्य का पीछा करते हुए रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी ने 29.1 ओवर में एक विकेट में 140 रन बनाकर मैच जीत लिया। निधीश गौड़ ने 73 रन, गुरतेज सिंह ने 34 रन, लक्ष्य ने 12 रन बनाए। स्पर्श ने एक विकेट ली। मैच में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार रिजवान को दिया गया।

विजय दिवस की स्वर्ण जयंती पर वीर सैनिकों को नमन

विजय दिवस पर एनएच तीन के सरकारी स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में छात्रा द्वारा बनाई गई पेंटिंग।

फरीदाबाद। एनएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस, गाइड्स और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड ने प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में विजय दिवस की स्वर्ण जयंती पर देश के लिए न्योछावर हुए वीरों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि देते हुए कृतज्ञता अर्पित की। सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड और जूनियर रेडक्रॉस प्रभारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि हम सभी देशवासी मुक्तियोद्धाओं, वीरांगनाओं और भारतीय सशस्त्र बलों के वीरों द्वारा महान वीरता और बलिदान को याद करते हुए नतमस्तक हैं। हमने मिलकर दमनकारी शक्तियों से लड़ाई लड़ीं और उन्हें हराया। 16 दिसंबर 1971 की ऐतिहासिक जीत की खुशी आज भी हर देशवासी के मन को उमंग से भर देती है। इस दिन को हमलोग विजय दिवस के रूप में मनाते हैं। प्राचार्य मनचंदा ने बताया कि इसी दिन भारत ने पाकिस्तान के दांत खट्टे किए थे। 16 दिसंबर का दिन सैनिकों के शौर्य को नमन करने का दिन है। प्राचार्य मनचंदा और कॉर्डिनेटर डॉक्टर जसनीत कौर ने विजय दिवस की स्वर्ण जयंती पर छात्राओं सिया, प्रीति और नेहा का देश के वीर सैनिकों के प्रति आभार और कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए आभार प्रकट किया कहा कि देश के वीर सैनिकों और उन के परिवार का समस्त देश सदैव ऋणी रहेगा।

गुरुओं को सम्मान करना भारत की विशेषताः नागर

गांव फरीदपुर स्थित एनएस विद्यामंदिर के स्थापना दिवस पर तिगांव के विधायक राजेश नागर का स्वगत करते स्कूल के प्रबन्धक।

फरीदाबाद। तिगांव से भाजपा के विधायक राजेश नागर ने सेक्टर 78 गांव फरीदपुर स्थित एनएस विद्या मंदिर स्कूल के स्थापना दिवस पर आयोजित गुरुओं के सम्मान समारोह में शिरकत की। उन्होंने कहा कि गुरुओं का सम्मान करना भारत की हमेशा से विशेषता रही है। नागर ने कहा कि विश्वगुरु रहा भारत हमेशा से दुनिया का सरताज रहा है। भारत को दुनिया भर में सम्मान मिलता रहा है, वहीं भारत भी दुनिया भर के विद्वानों का हमेशा से सम्मान करता रहा है। उन्होंने बताया कि जब एक शिक्षक समाज को ज्ञान देकर लायक बनाता है, तभी उसको सम्मान मिलता है। इससे पहले यहां पहुंचने पर विधायक का स्कूल प्रबंधन ने स्वागत किया। स्कूल के चेयरमैन सुशील कौशिक ने बताया कि उन्होंने अपने शिक्षकों को चिमनलाल, ओपी गर्ग, तुलीराम, भरत सिंह, अतर सिंह, हेतलाल, रामकिशन का आज सम्मान किया है। इन्होंने ही उन्हें शिक्षा देकर आज इस काबिल बनाया कि वह अपना स्कूल चला रहे हैं। जीसीएम स्कूल के चेयरमैन बिजेंद्र कुमार लोहिया, एचसी स्कूल के चेयरमैन दयाचंद शर्मा, शांति शिक्षा निकेतन लहंडोला के चेयरमैन जितेंद्र नागर, शांति शिक्षा निकेतन तिगांव के चेयरमैन कृष्ण कुमार पंत, विवेकानंद स्कूल मंधावली से संजीव कौशिक, विवेकानंद राजीव कॉलोनी से वीर पाल सिंह भाटी, तिगांव सनातन धर्म स्कूल से लक्ष्मण अधाना, अल्लीपुर से पवन कुमार, घरौडा से संजय त्यागी, भूपानी ज्ञान इंटरनेशनल स्कूल से परवीन चौहान, महावतपुर सुनील चौहान, ददसिया से सुरेंद्र चौहान, अनमोल स्कूल से पुरुषोत्तम सहित एनएस विद्या मंदिर स्कूल की प्रिंसिपल सरोज कौशिक, पुनीत कौशिक आदि विशेष रूप से मौजूद थे।

साई धाम, सेक्टर 86 में कोविड वैक्सीनेशन कैंप आयोजित

सेक्टर-86 साई धाम मंदिर में कोविड वैक्सीनेशन कैंप में टीका लगाती स्वस्थ्य कर्मी।

फरीदाबाद। शिरडी साई बाबा टेंपल सोसायटी, सेक्टर 86 में बीके हॉस्पिटल के सिविल सर्जन फरीदाबाद के सहयोग से कोविड 19 टीकाकरण कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में सोशल डिस्टेंस का ध्यान रखते हुए लोगों के बैठने की उचित व्यवस्था की गई थी। वैक्सीनेशन 18 प्लस और 45 प्लस की आयु वर्ग को लगाया गया। इसमें कुल 250 व्यक्तियों को कोविड 19 का टीका लगाया गया। वैक्सीनेशन के बाद आधा घंटा वहीं पर बैठाया। अभी तक किसी केस में कोई दिक्कत नहीं आई है और सभी स्वस्थ हैं। इस कार्यक्रम को प्रिंसिपल बीनू शर्मा, केए पिल्लै, विकास राय, बिजेन्द्र कुमार पांडे, जय त्रिपाठी आदि ने सुचारू रूप से संभाला। मेडिकल टीम ने टीकाकरण के प्रबंध की सराहना की और टीका लगवाने जो व्यक्ति आये उनकी भी अच्छे से देखभाल की गई। सभी का नंबर से टीकाकरण किया गया। उनके बैठने की उचित व्यवस्था की गई। साई धाम ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. मोतीलाल गुप्ता ने कहा कि साई धाम हमेशा से ही सामाजिक और धार्मिक कार्य में आगे रहता है। संस्था कोविड वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन समय-समय पर करता रहा है।

भविष्य की चिंता

तेज टीकाकरण आवश्यक

भारतीय कोविड टास्क फोर्स के प्रमुख वी.के. पाल ने कहा है कि हमारे वैक्सीन प्लेटफार्मों को कोविड-19 के बदलते स्वरूपों के अनुसार स्वयं को तेजी से ढालना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी है कि भविष्य में भारतीय वैक्सीनें निष्प्रभावी भी हो सकती हैं। एक प्रकार से उनका कहना है कि यदि वायरस एक समय में समाप्त न होकर अपना रूप बदल लेता है तो वैक्सीनों की प्रभावशीलता घट सकती है। ऐसी स्थिति में फौरन नई और बेहतर वैक्सीनें खोजना जरूरी हो सकता है जो उभरते स्वरूपों से निपट सकती हों। अब तक आम आदमी की समझ से भारत को वयस्क जनसंख्या के 70 प्रतिशत या उससे अधिक के टीकाकरण की जरूरत है ताकि हर्ड इम्युनिटी प्राप्त हो सके जिससे महामारी पर लगाम लग सके। इसके बाद लोगों को हर साल एक टीके की जरूरत पड़ सकती है। लेकिन अब ओमीक्रान स्वरूप को देखते हुए स्थिति इतनी सरल नहीं रह गई है। यह स्वरूप भले ही डेल्टा या डेल्टा प्लस जितना खतरनाक न हो, पर यह बहुत तेजी से फैलता है। दूसरे, यह स्वरूप ऐसे समय उभरा है जब दुनिया एक और लाकडाउन बर्दाश्त नहीं कर सकती है जिसने अर्थव्यवस्था को बरबाद कर दिया है। इसका अर्थ है कि स्कूलों को खोलना और उनको खुले रखना होगा, अंतरराष्ट्रीय यात्रा पुन: शुरू करनी होगी तथा लोगों को फैक्ट्रियों या कार्यालयों में काम करने से रोका नहीं जाएगा। इसलिए हम स्कूली बच्चों, वृद्ध जनसंख्या, अन्य बीमारियों से ग्रस्त लोगों, यात्रियों तथा भीड़ भरे स्थानों में काम करने वाले लोगों की इम्यूनिटी बढ़ाने के तरीके खोज रहे हैं। इनमें स्वास्थ्यरक्षा, पुलिस, धार्मिक क्षेत्र, शिक्षा, वाणिज्य व बिक्री, परिवहन, विनिर्माण व अतिथि सत्कार क्षेत्र शामिल हैं।

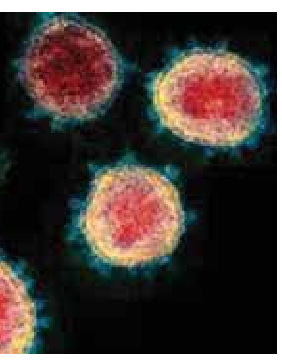

हमारी जनसंख्या के ये हिस्से सर्वाधिक उत्पादक होने के साथ ही वायरस व उसके प्रसार के सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्रोत भी हैं। चाहे कोवैक्सिन या कोवीशील्ड या बूस्टर खूराक हो, सवाल है कि क्या वे वायरस व उसके संक्रमण से इतनी सफलतापूर्वक निपट सकती हैं कि लोग स्वास्थ्य पर जोखिम उठाए बिना आर्थिक गतिविधि में लगे रह सकते हैं? क्या हमारे वैज्ञानिकों को नए स्वरूपों से निपटने के लिए नई वैक्सीनों की खोज करनी चाहिए या भावी वैक्सीनों और बूस्टरों को इस तरह तैयार करना चाहिए कि वे देश में महामारी पर नियंत्रण बनाए रख सकें? लेकिन सवाल यह भी है कि इस प्राथमिकता पर फैसला कौन करेगा? वैज्ञानिकों ने हमें बताया है कि भारत ने इस जून में हर्ड इम्युनिटी प्राप्त कर ली थी जब देश ने महामारी के स्तर पर नियंत्रण प्राप्त कर लिया था और वह नियंत्रण अभी तक बना हुआ है। लेकिन यह स्तर बनाए रखना इस बात पर निर्भर है कि सरकार वायरस पर नियंत्रण के लिए टेस्ट और ट्रेस का कितनी कठोरतापूर्वक पालन करती है। यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि लोग सुरक्षा व्यवहारों का उल्लंघन न करने की क्षमता कहां तक प्रदर्शित करते हैं। ऐसा न होने पर वह स्थिति पैदा हो सकती है जब वायरस के नए स्वरूप के नए व उभरते पाजिटिव मामले किसी दिन इम्युनिटी प्राप्त लोगों की संख्या से अधिक हो सकते हैं।

ऐसा होने पर हर्ड इम्युनिटी वाली सुरक्षा स्थिति टूट सकती है। ऐसे में हमें कोरोनावायरस वैश्विक महामारी की एक और लहर का सामना करना पड़ सकता है। वर्तमान समय में हमारे सामने वैक्सीन प्लेटफार्मों तथा तेजी से प्रतिक्रिया करने वाली वैक्सीनों के विकास में निवेश करने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है। भविष्य में आने वाले अगले वायरस या उसके स्वरूपों से निपटने के लिए ऐसा करना जरूरी होगा।

दीर्घकालीन आपदा प्रबंधन नीति जरूरी

मानव और भौतिक पूंजी दोनों के नुकसान के संदर्भ में बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए एक दीर्घकालिक आपदा प्रबंधन नीति आवश्यक है।

प्रकाश साहू   यशोबंदा परिदा   पार्थना अग्रवाल

पिछले कुछ महीनों में, देश ने विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं जैसे चक्रवात और बाढ़ का सामना किया है और साथ ही साथ कोविड-19 महामारी का भी सामना किया है। एक ओर जहां भारत सरकार कोविड-19 संक्रमण के प्रसार को रोकने और आर्थिक गतिविधियों को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रही है, वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक आपदाएं जैसे चक्रवात और बाढ़ सरकार के वित्तीय बोझ को बढ़ा रही हैं। आबादी के लिए गंभीर स्वास्थ्य खतरे भी पैदा कर रहे हैं। हाल ही में, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और अन्य दक्षिणी राज्यों में मानसून के बाद की बाढ़ ने मानव जीवन और संपत्ति पर कहर बरपाया है, जो राज्यों में एक सतत समस्या बन गई है। लगभग छह वर्षों के बाद, उत्तर-पूर्वी मानसून के नेतृत्व में भारी बारिश ने दक्षिणी भारतीय राज्य तमिलनाडु को प्रभावित किया है, जिससे विनाशकारी बाढ़ आई है और स्थानीय अधिकारियों के अनुसार राज्य भर में 18 लोगों की जान चली गई है। वहीं, आंध्र प्रदेश के कई हिस्से भारी बारिश और बाढ़ की चपेट में आ गए हैं, जिससे फसलों सहित संपत्ति का नुकसान हुआ है और 34 लोगों की मौत हुई है। प्रभावित जिलों से प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, भारी बारिश के साथ बाढ़ से लगभग 1500 घरों को नुकसान पहुंचा है, और अनुमानित फसल नुकसान लगभग रु। आंध्र प्रदेश राज्य भर में 8 लाख हेक्टेयर कृषि और बागवानी फसलों में फैले 3000 करोड़ ने लगभग 58,000 लोगों को निकालने के लिए मजबूर किया।

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 1953 और 2017 के बीच तमिलनाडु में बाढ़ से राज्य को लगभग 27,326 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसमें से सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को 24,061 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, इसके बाद 3,120 करोड़ रुपये की फसल क्षति हुई है। और 145 करोड़ रुपये में घर। इस अवधि के दौरान, 3,705 लोग मारे गए, 56 मिलियन लोग प्रभावित हुए, 2.32 मिलियन हेक्टेयर फसल क्षेत्र तबाह हो गए, और 5.49 मिलियन घर क्षतिग्रस्त हो गए। हर साल, बाढ़ के कारण तमिलनाडु को लगभग 635 करोड़ रुपये का नुकसान होता है, और राज्य में 94.54 करोड़ रुपये की फसल के नुकसान के साथ 81 मौतें होती हैं।

तमिलनाडु में बाढ़, सूखा, बिजली, चक्रवात, ओलावृष्टि और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं आवर्ती घटनाएं हैं। अपनी अनूठी भू-जलवायु परिस्थितियों के कारण, राज्य अपनी अनूठी भू-जलवायु परिस्थितियों के कारण विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है और प्राकृतिक आपदा आवृत्तियों, क्षतियों और मृत्यु दर में वृद्धि देखी गई है। इसके अलावा, उच्च स्तर की सामाजिक आर्थिक भेद्यता, अपर्याप्त शमन उपाय, तेजी से शहरीकरण, और कृषि क्षेत्र पर उच्च निर्भरता ने प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाले नुकसान को और बढ़ा दिया है। मानसून के दौरान लगातार और भारी वर्षा जैसे प्राकृतिक कारकों के अलावा, मानव निर्मित कारकों ने भी तमिलनाडु और पूरे देश में बाढ़ के कारण क्षति को बढ़ाने में योगदान दिया है। अनियोजित विकास, तटवर्ती क्षेत्रों में अतिक्रमण, बाढ़ नियंत्रण प्रणालियों की विफलता, खराब जल निकासी सुविधाएं, वनों की कटाई, और अनियोजित जलाशय संचालन बाढ़ के नुकसान को बढ़ा रहे हैं। नतीजतन, शहरी बाढ़ मानव निर्मित त्रासदी के रूप में प्रकट हो सकती है।

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में चक्रवाती गतिविधि से जुड़ी भारी बारिश के कारण 1943, 1976, 1985, 1998, 2002, 2005 और 2015 में विनाशकारी बाढ़ आई है। 2015 दक्षिण भारत की बाढ़ नवंबर-दिसंबर 2015 में वार्षिक पूर्वोत्तर मानसून द्वारा उत्पन्न भारी वर्षा के परिणामस्वरूप हुई, जिसने दक्षिण भारतीय राज्यों तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के कोरोमंडल तट क्षेत्र को प्रभावित किया। सीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर 2015 में शहर और उसके उपनगरीय इलाकों में आई बाढ़ ने 421 लोगों की जान ले ली और 3.04 मिलियन आबादी प्रभावित हुई। इसके अलावा, 0.38 मिलियन हेक्टेयर फसल तबाह हो गई, और 3.01 मिलियन घर क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे कुल 25,913 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसने सार्वजनिक और निजी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया और कई दिनों तक शहर को ठप कर दिया।

तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के अलावा, बाढ़ भारत के अन्य राज्यों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। सार्वजनिक और निजी संपत्तियों के नुकसान और प्रभावित और मारे गए आबादी के आधार पर, भारत चीन (इमरजेंसी इवेंट्स डेटाबेस (श्वरू-ष्ठ्वञ्ज)) के बाद दुनिया का दूसरा सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित देश है। सीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट के अनुसार, 1953-2017 की अवधि में बाढ़ के कारण 107,535 लोग मारे गए और 2,088 मिलियन लोग प्रभावित हुए। इस अवधि के दौरान, बाढ़ से फसलों, घरों और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे सहित 3,78,247 करोड़ रुपये, फसल को 1,11,225 करोड़ रुपये, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को 2,12,060 करोड़ रुपये और घरों को 53,774 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसके अलावा, हर साल, देश को जीडीपी का लगभग 0.46त्न बाढ़ और सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 0.18त्न (परिदा एट अल।, 2021) के कारण फसलों को नुकसान पहुंचा है। बाढ़ का प्रभाव सरकारी आपदा प्रबंधन गतिविधियों के माध्यम से राज्य सरकार के वित्तीय दबाव को भी बढ़ाता है।

इसके अलावा, लगातार बाढ़ ग्रामीण कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसरों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है, बढ़ती गरीबी, ग्रामीण असमानता और फसल क्षति और आय हानि के कारण भोजन की कमी। इसी तरह, शहर की खराब योजना और बुनियादी ढांचे में निवेश की कमी के कारण शहरी बाढ़ शहर के निवासियों के लिए एक आम खतरा बन गई है। तेजी से शहरीकरण, शहरों और कस्बों में जलमार्गों के मनमाने अतिक्रमण, खराब जल निकासी सुविधाओं और अवैध निर्माण के कारण शहरी बाढ़ बढ़ रही है। इसके अलावा, खराब कचरा प्रबंधन नालों और नहरों को अवरुद्ध करके परेशानी को दूर कर रहा है, जबकि अनियोजित सड़क परियोजनाएं बाढ़ के प्रवाह को कम कर रही हैं। बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए बाढ़ संभावित क्षेत्रों में पर्याप्त आपदा अनुकूलन उपाय और बेहतर आपदा प्रबंधन नीतियां आवश्यक हैं। पहला, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा बाढ़ आपदाओं के दौरान पुनर्वास और निकासी पर अधिक खर्च से बाढ़ से होने वाली मौतों को कम करने में मदद मिलेगी। दूसरा, बेहतर बाढ़ चेतावनी प्रणाली, विशेष रूप से तटीय जिलों में, और वर्षा और बाढ़ का सटीक पूर्वानुमान समय पर उपायों और आपदा प्रभावों को कम करने की अनुमति दे सकता है। तीसरा, बाढ़-पूर्व उपायों जैसे कि नदी तटबंधों का निर्माण और रखरखाव, नहरों, सड़कों, पुलों, नदी संपर्क, और निचले इलाकों में बहुउद्देश्यीय आश्रयों के निर्माण जैसे आपदा-रोधी बुनियादी ढांचे को विकसित करना, बाढ़ से होने वाली मौतों को कम करने में मदद कर सकता है।

अंत में, चूंकि शहरी बाढ़ की समस्या अधिक गंभीर होती जा रही है, और हर साल नुकसान बढ़ रहा है, शहरी बाढ़ के मुद्दे पर शहरी बाढ़ 2010 पर एनडीएमए दिशानिर्देशों के उचित कार्यान्वयन के साथ विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) अधिसूचना जारी की गई 1991, बाद में 2011 और 2019 में संशोधित किया गया, जिसका उद्देश्य तटीय क्षेत्र प्रबंधन मुद्दों को संबोधित करना था। हालांकि, यह वर्षों से तटीय क्षेत्रों में विकास को विनियमित करने में सक्षम नहीं है। इसलिए तटीय शहरों में सीआरजेड मानदंडों का सख्ती से क्रियान्वयन समय की मांग है।

साथ ही, सरकार को प्राकृतिक आपदाओं के प्रभावों, उनके कारणों और शमन उपायों के बारे में व्यापक सामुदायिक जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। इसके अलावा, सरकार को उन्नत तकनीकों का उपयोग करते हुए जिला-वार बाढ़ बाढ़ मानचित्रण भी करना चाहिए और जलमार्गों और जल निकायों के साथ-साथ अतिक्रमण हटाने में सभी विभागों या एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना चाहिए। कुल मिलाकर, मानव और भौतिक पूंजी दोनों के नुकसान के मामले में बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए एक दीर्घकालिक आपदा प्रबंधन नीति आवश्यक है। आपदा जोखिम न्यूनीकरण 2015-30 के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क को प्रभावी ढंग से लागू करने का समय प्राथमिक भूमिका में राज्य के साथ आपदा जोखिम को कम करने और स्थानीय सरकार और निजी क्षेत्र सहित अन्य हितधारकों के साथ साझा जिम्मेदारी पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य विकास लाभ को आपदा के जोखिम से बचाना है।

केरल के राज्यपाल व मुख्यमंत्री में टकराव

जे एस राजपूत
(लेखक शिक्षा एवं सामाजिक सद्भाव हेतु कार्यरत हैं)

केरल के राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खान ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि वे उप-कुलपतियों की नियुक्ति के मामले में कुलपति के विशेषाधिकारों को अपने आधीन कर लें। यह कह कर उन्होंने बड़ा धमाका किया है। आरिफ मुहम्मद खान को संवैधानिक निष्ठा में कठोरता से विश्वास करने वाला व्यक्ति माना जाता है। इसे देखते हुए उनकी स्थिति उन लोगों के बीच वास्तव में परेशानी से भरी हो सकती है जो वैचारिक रूप से लोकतंत्र और उसके सिद्धान्तों में विश्वास नहीं रखते हैं। राज्य सरकार द्वारा लगातार अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियां पूरी करने में अनावश्यक व अनुचित हस्तक्षेप को देखते हुए राज्यपाल ने मुख्यमंत्री को लिखा कि वे राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति की शक्तियां प्रयोग करने के इच्छुक नहीं हैं। यह विधिक प्राविधान है, लेकिन उन पर लगातार संबंधित विश्वविद्यालय कानूनों के खिलाफ काम करने का दबाव डाला जा रहा है। इस प्रकार उनसे अपनी चेतना के खिलाफ काम करने की उम्मीद की जा रही है। हालांकि, वे इस स्थिति से गंभीरतापूर्वक व्यथित हैं, लेकिन उन्होंने गांधीवादी दृष्टिकोण का पालन करते हुए मुख्यमंत्री से कुलपति की शक्तियां स्वयं ग्रहण करने का अनुरोध किया है। इसके अनेक संभावित परिणाम हो सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि उनके बीच कोई विवाद नहीं है और राज्यपाल को नैतिक व मानसिक दबाव से दूर रखा गया है।

आरिफमुहम्मद खान की सुस्थापित पहचान एक ऐसे विद्वान बुद्धिजीवी की है जो सत्ता के साथ जुड़े वेतन व भत्तों से प्रभावित नहीं होते हैं। उनको ऐसे राजनेता की तरह देखा जाता है जो वास्तव में सेक्युलर तथा लोकतांत्रिम हैं। उन्होंने शाहबानो मामले में अपनी यह पहचान स्पष्ट रूप से दिखाई थी। सभी युवा और वृद्ध समान रूप से जानते हैं कि उनके विचार समझदारी और समग्रता से भरे हैं तथा वे सभी मनुष्यों के बीच व्यापक एकता की मूल अवधारणा का प्रचार करते हैं। उनके अनुसार सारी दुनिया एक परिवार है। वे राजीव गांधी की कैबिनेट में सबसे युवा मंत्री थे और उन्होंने तलाकशुदा मुस्लिम महिला को मासिक भत्ता देने के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का मजबूती से बचाव किया था। लेकिन राजीव गांधी दबाव के सामने झुक गए और उन्होंने संविधान संशोधन कर मुस्लिम महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया। इससे भविष्य में भी मुस्लिम तलाकशुदा महिलायें एक मामूली धनराशि से भी वंचित हो गई थीं। आरिफ मुहम्मद खान ने सिद्धान्तनिष्ठ दृष्टिकोण अपनाते हुए कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। इस मामले में पूरा देश उनके साथ था। उनकी बौद्धिक, विद्वतापूर्ण व आध्यात्मिक खोज पर राजनीति कभी हावी नहीं हुई। समय बीतने के साथ उन्होंने विद्वानों, अकादमीशियनों व बुद्धिजीवियों के बीच सम्मानजनक स्थान प्राप्त किया। जब एक पत्रकार ने उनसे व्यंग्यात्मक ढंग से पूछा कि 'भारत में मुसलमानों का क्या भविष्य है?', उनका जवाब था, 'वही जो बाकी भारत का है।' उनका यह जवाब एकदम सटीक है।

किसी भी देश की प्रगति की गति उसके वित्तीय संसाधनों से अधिक उसकी संज्ञानात्मक पूंजी पर निर्भर करती है। यह विश्वविद्यालयों द्वारा दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता पर भी निर्भर है। आमतौर पर माना जाता है कि उप-कुलपतियों की नियुक्ति एक सुपरिभाषित प्रक्रिया और क्रियाविधि के माध्यम से होती है। केरल और पश्चिम बंगाल को छोड़ कर अधिकांश राज्यों में इस प्रक्रिया का कठोरता से पालन कोरोना काल में भी हुआ। लोगों के साक्षात्कार लिए गए और कुछ मामलों में आफलाइन व आनलाइन, दोनों तरीके अपनाए गए। इस प्रक्रिया की एक पवित्रता है और अधिकांश मुख्यमंत्री इसे बनाए रखते हैं। केरल के राज्यपाल को भी इसकी उम्मीद थी। भला इस पद पर बैठा कोई व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी से कैसे इनकार कर सकता है? उनको पूरी उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में उनकी सहायता करेंगे। यह भी स्पष्ट है कि राज्य के संवैधानिक प्रमुख होने के नाते राज्यपाल मुख्यमंत्री की मजबूरियों को समझते हैं। वे उनके प्रति पूरी सौजन्यता दिखाने के लिए तैयार थे, लेकिन वे यह केवल निष्ठा और नैतिकता की सीमाओं के भीतर रह कर ही कर सकते थे। अपनी चेतना पर भारी दबाव के बावजूद वे इस बात से सहमत हैं कि मुख्यमंत्री की इच्छाओं को महत्व दिया जाना चाहिए और वे उनके पसंदीदा उप-कुलपतियों को दूसरा कार्यकाल देने के लिए भी सहमत थे। लेकिन उनको यह उम्मीद भी थी कि सरकार भावी नियुक्तियों के बारे में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करे। लेकिन कुछ ही दिनों में उनकी उम्मीदें उस समय टूट गईं जब सरकार ने केवल एक व्यक्ति का नाम सुझा कर कुलपति से उनको संस्कृत विश्वविद्यालय का उप-कुलपति बनाने को कहा। आरिफमुहम्मद खान और उनके उल्लेखनीय योगदानों को जानने वाला कोई भी व्यक्ति इस बात पर विश्वास नहीं करेगा कि वे किसी ऐसे व्यक्ति को सहन करेंगे जो कहीं भी स्थापित प्रक्रियाओं और संबंधित नैतिक मानकों के उल्लंघन का प्रयास कर रहा हो।

पिछले पांच दशक से अधिक समय से देश केरल के स्कूली शिक्षा पाठ्यक्रम की प्रशंसा करता रहा है। उसकी प्रशंसा इसलिए भी होती है कि उसने उच्च साक्षरता दरें प्राप्त करने में अन्य राज्यों का नेतृत्व किया है। लेकिन दुर्भाग्य से यही बात केरल में उच्च शिक्षा के बारे में नहीं कही जा सकती है। यह भारत की एकता में विविधता की सोच में विशिष्ट स्थान रखती है जो सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप से सभी धर्मों और विश्वासों का सम्मान करती है। 2011 के जनगणना आंकड़ों के अनुसार, केरल में 54.73 प्रतिशत हिंदू, 26.56 प्रतिशत मुसलमान तथा 18.38 प्रतिशत ईसाई हैं। जब इस्लाम शुरुआती वर्षों में केरल में आया तब वहां ईसाइयत अच्छी तरह स्थापित हो चुकी थी। इतने सालों से वे एकसाथ रहते, काम करते तथा साथ-साथ प्रगति करते रहे हैं। केरल उन देशों के लिए एक माडल का काम कर सकता है जो गंभीर जनसंख्या संरचना परिवर्तन से गुजर रहे हैं। यह एक धर्म, भाषा, संस्कृति और नस्ल से मिश्रित जनसंख्या में परिवर्तन है जिसमें सभी प्रकार की विविधतायें हों। केरल के सांस्कृतिक व आध्यात्मिक योगदान से भला कौन परिचित नहीं है। केरल से ज्ञान के समुद्र निकले हैं। केरल के अलावा यह बात और बेहतर तरीके से कहां समझी जा सकती है कि भारतीय समाज तथा ज्ञान के सृजन व उसके प्रसार की व्यवस्था में कुलपति का सर्वाधिक सम्मानपूर्ण स्थान है।

कुलपति को ज्ञान, मूल्यों व नैतिकता का प्रतीक माना जाता है। इसी कारण राजाओं और शासकों को उसके पैरों की धूल ग्रहण कर प्रसन्नता होती थी। हमें उसकी स्तर और क्षमता के उप-कुलपतियों की आवश्यकता है। केरल के राज्यपाल द्वारा अपने विशेषाधिकार मुख्यमंत्री को सौंपने का प्रस्ताव अकादमिक दुनिया की आंखें खोलने वाला हो सकता है। उसे ऐसा परिवेश बनाना चाहिए जहां अकादमिक स्वायत्तता और अकादमिक मामलों में पारदर्शिता का किसी प्रकार उल्लंघन न हो। यही भारत की प्रगति की कुंजी है।

आप की बात

डीजे का घातक शोर

हिसार के गांव पेटवाड़ में हुई सतरोल खाप की पंचायत ने खाप में आने वाले करीब 42 गांवों में डीजे बजाने पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगा दी है। डीजे बजाने पर 5100 रुपए जुर्माना लगाया जाएगा। वहीं उक्त व्यक्ति का सामाजिक बहिष्कार भी किया जाएगा। सतरोल खाप के प्रवक्ता फुलकुमार पेटवाड़ ने बताया कि सतरोल खाप में आने वाले सभी गांवों के मौजिज लोगों को पंचायत के माध्यम से आदेश दे दिए हैं कि गांव में किसी भी विवाह समारोह व पार्टियों समेत अन्य कार्यक्रमों में डीजे बजाने पर रोक लगा दें, क्योंकि डीजे के कारण हमारी हरियाणवीं संस्कृति धुलती जा रही है। डीजे पर बजने वाले गानों में फूहड़पन व अश्लीलता होती है, जिसके कारण हमारे बच्चों में संस्कारों में कमी आती जा रही है। सतरोल खाप के बुद्धिजीवी लोगों ने मिलकर फैसला किया है कि इस बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए हमें इस पर रोक लगानी होगी। इसके लिए ग्राम सभा के सदस्यों को सूचित कर दिया है कि अगर गांव में कोई भी व्यक्ति डीजे बजाता है तो उससे डीजे बजाने पर 51 सौ रुपए जुर्माना वसूला जाएगा और जो व्यक्ति जुर्माने की राशि नहीं देगा उसका सामाजिक रूप से बहिष्कार किया जाएगा।

– **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

स्मार्ट एडमिनिस्ट्रेशन

उप्र के मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ में आयोजित उत्कर्ष समारोह में गांवो की सरकार को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 2020 से अब तक गांवो में 5200करोड़ रुपये विकास कार्यो में खर्च किये गए।42478 ग्रामपंचायत भवनों का लोकार्पण करते हुये ग्राम सचिवालय की स्थापना करके लोगो की रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान हो। उन्हें शहरों की ओर न भागना पड़े।इन सचिवालय में ग्राम सचिव से लेकर मिशन शक्ति की महिला बीट अधिकारियों की भी नियुक्ति की जाएगी । गांवो में विकास की गंगा बहाने के लिये ग्राम प्रधान से लेकर जिला पंचायत सदस्यों का मानदेय और भत्तों को योगी ने बढ़ा दिया है।मुख्यमंत्री योगी ने पंचायत प्रतिनिधियों से स्मार्ट गांव बनाने का आवाहन किया। उन्होंने कहा जब स्मार्ट शहर बन सकते है तो स्मार्ट गांव क्यो नही? गांवो में मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराकर ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री योगी को सबसे पहले प्रदेश में प्रशासनिक अधिकारियों, प्रशासनतन्त्र और ब्लाक से गाँवो तक लोकसेवकों की नियुक्ति की ओर ध्यान देना चाहिये। प्रशासनिक अधिकारियों को सक्रिय और उनकी जवाबदेही तय करना चाहिये।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव, उन्नाव

सही दिशा में एक कदम

भारतीय नागरिक की पहचान के लिए आज एक आधार, एक मतदाता परिचय पत्र की कॉफी मान्यता है एवं अगर इन दोनों को आपस में लिंक कर दिया जाता है तो यह एक बड़ी महत्वपूर्ण बात होगी फिर यह बात भी सही है कि आजकल पैन कार्ड , राशन कार्ड भी आधार से जोड़ने की प्रक्रिया तय है तो फिर मतदाता परिचय पत्र को अगर आधार से जोड़ा जा रहा है तो यह भी उचित ही है ऐसे में फर्जी मतदाताओं को पहचानने में काफी सहायता मिल सकेगी। आज वैसे भी काफी अधिक घुसपैठिए हमारे देश में नकली कागजात बनाकर रहने लगते हैं तब इस तरह से नया महत्वपूर्ण दस्तावेज अब बनाना पड़ेगा तब इससे फर्जी लोगों की भी तुरंत पहचान हो सकेगी ।हमारे यहां जब भी कोई अच्छा काम करने की बात आती है तो विपक्षी दल इस में सबसे पहले अड़ंगा लगाते हैं अत: उन्हें भी क्षेत्र में आगे बढ़कर ऐसे कामों में सरकार की मदद देने की महती भूमिका निभाना होगी। ऐसे में फिर आपराधिक छवि वाले व्यक्ति भी चुनाव नहीं लड़ सकेंगे और ना ही वोट डाल सकेंगे। तब ऐसे कामों का सभी को समर्थन करना चाहिए।

– **मनमोहन राजावत**, शाजापुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

मैं स्विज़ बैंक में पैसा जाना बंद करवा दूंगा जिससे कि वह पैसा महिलाओं की जब में जा सके।।

– **अरविंद केजरीवाल**
दिल्ली के मुख्यमंत्री

वास्तविकता यह है कि ओमीक्रान कई देशों में फैल चुका है मगर अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है।

– **टेड्रोस एधानोम**
महानिदेशक डब्लूएचओ

गोवा, उत्तर प्रदेश और पंजाब और संपूर्ण भारत से भाजपा का सूरज अस्त होना प्रारम्भ हो गया है। उन्होंने जनता को ठगा है।

– **ममता बनर्जी**
मुख्यमंत्री पश्चिम बंगाल

पिछली सरकारों में नियुक्तियों में होती थी पैसों की वसूली: योगी

शिक्षा, गन्ना, सिंचाई, सचिवालय और प्रशासनिक अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछली सरकारों पर नियुक्तियों के नाम पर पैसों की भारी वसूली किये जाने का आरोप लगाते हुये कहा पिछले पांच वर्ष के दौरान हमारी सरकार ने अपने परिश्रम से बहुत कुछ बदला है। सरकार बदलने तब तक कुछ नहीं बदलता जब तक अधिकारियों को सकारात्मक और अच्छे वातावरण न मिले। यह मौका सरकार ने दिया। सरकार ने सभी चयन करने वाली संस्थाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ चयन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। इसके साथ चयनित अभ्यर्थियों को बिना भय और राजनीतिक दबाव के प्रदेश की जनता के लिए काम कर सके इसका वातावरण तैयार किया गया। पिछली सरकारों ने इस प्रदेश को बिना रीढ़ की हड्डी बना दिया था। हम आप जैसे चयनित लोगों के साथ देश में प्रदेश को नम्बर एक पर लाने की मंशा रखता हूं।

हमारी सरकार ने केन्द्र की 50 योजनाओं को लागू करके देश का नम्बर वन की जगह पर खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बाते राज्य प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा 2020 के चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान कहीं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर 34 जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, 173 समीक्षा अधिकारी, सिंचाई विभाग के 208 सहायक अभियंता और 236 आशुलिपिक, 58 उपजिलाधिकारी, 43 वरिष्ठ प्रवक्ता जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान और गन्ना विभाग के 398 गन्ना पर्यवेक्षक 10 ज्येष्ठ गन्ना पर्यवेक्षक को नियुक्ति पत्र दिए।

मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि पिछली सरकार में ऐसी कोई चयन संस्था नहीं थी जो नियुक्ति के नाम पर पैसा न वसूलती हो। पहले 42 से 65 लाख रुपये लेकर एसडीएम की नियुक्ति का काम किया जा रहा था। इसकी सीबीआई जांच अभी चल रही है। पहले जो योग्य थे उनसे भी पैसा लिया जाता था। यह पुलिस, प्रशासनिक सभी नियुक्तियों में पैसा लिया जा रहा है। केवल नियुक्ति ही नहीं पोस्टिंग पर भी खूब धांधली होती थी। हमारी सरकार में पूरी ईमानदार और प्रतिबद्धता के साथ नियुक्तियां की जा रही हैं। हमें जैसे लगा कि कोई चयनित संस्था गड़बड़ कर रही है तो जेल भेजने का काम भी हमने किया। अगर परीक्षा में कुछ गड़बड़ हुआ तो उस परीक्षा को रद्द करके फिर से उसे आयोजित करने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें कोरोना महामारी की वजह से दो वर्ष काम करने का मौका ही नहीं मिला। लेकिन तीन वर्ष के कार्यकाल में यह प्रदेश देश की दो नम्बर की अर्थव्यवस्था बन चुका है। आज हमारी कानून व्यवस्था देश के लिए एक नजीर बना हुआ है। सभी माफिया जो सत्ता का संचालन करते थे या जेल में हैं या मारे मारे घूम रहे हैं। आज की स्थिति बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि कोई भी निवेश करने वाला वहीं जाता है जहां अच्छी कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश होता है। प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय दो गुनी हुई है। भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं को लागू किया गया है। चाहे वह स्टार्टअप, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान योजना, उज्ज्वला योजना में 15 स्थान के मुकाबले एक नम्बर पर है। आज धारणा बदली है प्रदेश के नाम आते ही कानून व्यवस्था, उन्नति विकास के नाम पर सराहना कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में हम सपा सरकार की तरह काम करते तो ज्यादातर स्कूलों में ताले लटकते मिलते। हमने एक लाख 30 हजार विद्यालयों की कायाकल्प बदलने का काम किया है। आज विद्यालय हैं जहां स्मार्ट क्लास हैं, शौचालय हैं, लाइब्रेरी है, साफ सफाई है। बच्चों को यूनिफार्म, स्कूल बैग, स्वेटर दिए। हमने सभी बालिकाओं को जूते-मोजे समेत सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई। आज यह बच्चे भी अच्छा स्वेटर जूते मोजे पहन सकते हैं, अच्छी पढ़ाई कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि कोरोना काल में महाराष्ट्र में आधी चीनी मिलें बंद हो गई। हमारी सरकार ने प्रदेश में कोरोना काल के समय सभी 121 चीनी मिलों का संचालन किया। सुरक्षा के लिए हेल्प डेस्क बनाया, कोरोना जांच कराई सभी सावधानियां बरती गईं।

पीएम के सम्बोधन में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुये सीएम

लखनऊ। प्राकृतिक खेती-राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्बोधित में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सरकारी आवास से वर्चुअल माध्यम से शामिल हुये। यह सम्मेलन आणंद गुजरात में आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक कृषि पर आधारित यह राष्ट्रीय सम्मेलन देश में कृषि सेक्टर, खेती किसानों के लिए महत्वपूर्ण है। इस सम्मेलन से 8 करोड़ से अधिक किसान तकनीकी माध्यम से देश के हर कोने से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती पर आधारित यह सम्मेलन कृषि के विभिन्न आयाम, फूड प्रोसेसिंग, नैचुरल फार्मिंग इत्यादि विषय पर 21वीं सदी में भारतीय कृषि का कायाकल्प करने में सहायक सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती से जुड़े इस प्राचीन ज्ञान को हमें न सिर्फसीखने की जरुरत है बल्कि आधुनिक समय में तराशने की जरूरत है। इस दिशा में हमें नए सिरे से शोध करने होंगे। प्राचीन ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक फ्रेम में ढालना होगा। उन्होने देश के हर राज्य एवं राज्य सरकार आग्रह किया कि वो प्राकृतिक खेती को जनआंदोलन बनाने के लिए आगे आएं।

गृह राज्यमंत्री की बर्खास्तगी की मांग को लेकर कांग्रेस आक्रामक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखीमपुर हिंसार कांड में केंद्रीय गृहराज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी की मांग को लेकर कांग्रेस के विधायकों ने बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन विधानसभा तक मार्च किया। मार्च में बड़ी तादाद में कांग्रेस के कार्यकर्ता भी शामिल हुए। पुलिस ने इस मार्च को रोकने की कोशिश की लेकिन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के नेतृत्व में मार्च विधानसभा तक गया। जहां मुख्यद्वार पर कांग्रेस विधानमंडल दल के सदस्यों ने टेनी की बर्खास्तगी की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की और धरना दिया। आज पूरे प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट ने साबित किया है कि लखीमपुर नरसंहार एक साजिश का नतीजा था लेकिन इस साजिश के सूत्रधार केंद्रीय गृहराज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी को पीएम मोदी और गृहमंत्री अमितशाह बचाने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस विधायकों ने टेनी की गिरफ्तारी को लेकर कल भी विधानसभा मार्च किया था और आज पूरे प्रदेश के जिला मुख्यालय पर कांग्रेस कमेटियों की ओर से प्रदर्शन किया गया। लल्लू ने कहा कि भाजपा की केन्द्र एवं प्रदेश की सरकार अजय कुमार मिश्रा टेनी को अनैतिक संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि सत्ता के संरक्षण की वजह से आरापितों का मनोबल आसमान पर है। सत्ता का अहंकार सिर चढ़कर बोल रहा है। यही वजह है कि सवाल पूछने वाले टीवी पत्रकार को भी धमकाने से गृहराज्यमंत्री बाज़ नहीं आये। गृह राज्यमंत्री की बर्खास्तगी के बगैर पीडितों को न्याय मिल पाना असंभव है। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह राज्यमंत्री की बर्खास्तगी की मांग की है। उनके हटाये जाने तक कांग्रेस पार्टी का विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। इस प्रदर्शन में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के अलावा कांग्रेस विधानमंडल दल नेता आराधना मिश्रा मोना, नेता विधान परिषद दीपक सिंह, कांग्रेस विधायक मसूद अख्तर, नरेश सैनी के अलावा भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेस प्रवक्ता उमाशंकर पांडेय ने बताया कि सुबह जीपीओं स्थित गांधी प्रतिमा पर धरना देने के बाद विधान भवन कांग्रेस विधायकों का पैदल मार्च शुरू हुआ। इस मार्च को पुलिस ने रोकने की कोशिश की। यहां तक कि विधायकों के साथ भी अभद्रता की गयी जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है। कांग्रेस का ये आंदोलन लगाता जारी रहेगा।

इंस्पेक्टरों की वरिष्ठता सूची बहाल राज्य सरकार की अपील मंजूर

लखनऊ (विसं)। वर्ष 2016 में सूबे के इंस्पेक्टरों की बनाई गयी वरिष्ठता सूची को हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने बहाल कर दिया है। पीठ के इस आदेश से बड़ी सं या में आउट ऑफ टर्न प्रोन्नति पाकर इंस्पेक्टर बने पुलिस अधिकारियों को भारी राहत मिली है। क्योंकि इनमें से कई डिप्टी एसपी बन चुके हैं। गुरुवार को हाईकोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने यह आदेश राज्य सरकार व कई इंस्पेक्टर की अपील को मंजूर करते हुए दिया है। इस अपील में एकल पीठ के आदेश को चुनौती दी गई थी। 20 फरवरी 2019 को हाईकोर्ट की एकल पीठ ने इंस्पेक्टरों की वरिष्ठता सूची को खारिज कर दिया था।

कानून-व्यवस्था को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरा

विधानसभा की कार्यवाही

● सदन के भीतर सरकार के खिलाफतख्तियां लहराई गयी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधान मंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन गुरुवार को विधानसभा में विपक्ष ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरा और केंद्रीय गृहराज्यमंत्री अजय मिश्रा की बर्खास्तगी की मांग पर विपक्ष अड़ गया। वेल में आकर सपा और कांग्रेस ने हंगामा किया। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही को दो बार स्थगित करनी पड़ी। सदन की कार्यवाही जैसे ही 11 बज शुरू हुई वैसे ही सपा, कांग्रेस और सुभासपा के सदस्य कानून व्यवस्था तथा लखीमपुर खीरी की घटना पर केन्द्रीय ग्रह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी की मांग को लेकर वेल में आ गए। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। शोर शराबे और हंगामें के चलते प्रश्नकाल नहीं हो सका और सभी प्रश्न उत्तरित मान लिए गए। इसी हंगामे के कारण संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने खन्ना ने 5 लाख 45 हजार करोड़ का लेखानुदान और 8500 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया। शोरशराबे और हंगामें के चलते सदन की कार्यवाही पहले आधे घंटे फिर 12.20 मिनट के लिए दो बार स्थगित की गयी। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष रामगोबिन्द चौधरी ने चंदौली के सकलडीहा के विधायक प्रभुनाथ नाथ यादव व सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान की गयी पुलिस कार्यवाही के विरोध में और कांग्रेस ने लखीमपुर की घटना को लेकर केन्द्रीय ग्रहराज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी की मांग को लेकर वेल में आकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

केंद्रीय गृहराज्यमंत्री के मसले पर सत्ता पक्ष व विपक्ष में तीखी-नोंकझोंक

लखनऊ। विधान सभा में गुरूवार को केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी को लेकर विपक्ष ने सरकार पर सवालों पर तीखे हमले किए। विपक्ष इस मसले पर नियम-56 के तहत चर्चा कराए जाने की मांग की जा रही थी जो सरकार ने अस्वीकार दी लेकिन जब विवाद अधिक हो गया विधानसभाध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित की सहमति के बाद नियम 56 के तहत स्वीकत सूचनाओं पर चर्चा शुरू हुई। कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने लखीमपुर खीरी के तिकुनिया में तीन अक्तूबर की घटना का उल्लेख करते हुए राज्यसरकार पर आरोपियों को बचाए जाने का आरोप लगाया साथ ही उन्होंने मांग की कि इस घटना के मुख्य आरोपी आशीष मिश्र के पिता अजय मिश्र टेनी जो कि केन्द्र में गृहराज्यमंत्री है को बर्खास्त किया जाए।

उन्होंने कहा कि उक्त घटना के बाद जो विपक्ष के जो नेता पीड़ित परिवारों कों सांत्वना देने जा रहे थे उन्हे भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। उन्होंने कहा कि जब तक गृहराज्यमंत्री को बर्खास्त हुए बिना उक्त घटना में न्याय की उम्मीद नहीं की जा सकती। जवाब में संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि जो मामला न्यायालय में विचाराधीन है उस पर सदन में चर्चा नहीं की जा सकती। चूंकि इस प्रकरण को सदन के संज्ञान में लाया गया है और पूर्व में इसमें राज्य सरकार द्वारा जो कार्रवाई की गयी है उससे अवगत कराना भी अपरिहार्य हो गया है। उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण में राज्य सरकार कोर्ट के हस्तक्षेप के बिना तत्परता दिखाते हुए जो कार्रवाई की उसी का नतीजा है कि आज गृहमंत्री का पुत्र जेल में है और घटना की निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी गठित की गयी है। पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिया गया। संसदीय कार्यमंत्री के इस जवाब से अंसतुष्ट कांग्रेस के सदस्यों ने सरकार पर आरोपियों को बचाए जाने का आरोप लगाते हुए सदन से वाकआउट किया। नियम 56 में समाजवादी पार्टी के चंदौली के सकलडीहा क्षे्त्र के विधायक प्रभुनाथ यादव ने कानून व्यवस्था और किसानो की समस्या को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं पर किए गए लाठीचार्ज की घटना का उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस के अधिकारियों ने उनके साथ भी अभद्रता की। जवाब में संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि प्रदर्शन कर रहे सपा कार्यकर्ताओं ने स्वयं पुलिस वालों के साथ अभद्रता की, उनके अधिकारियों के साथ हाथापाई की गयी। संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि विरोध प्रदर्शन के नाम पर किसी को कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जा सकती। नेता प्रतिपक्ष की मांग और विधानसभाध्यक्ष के निर्देश पर सरकार ने इस प्रकरण पर जांच कराए जाने का आश्वासन दिया।

लखीमपुर खीरी कांड को लेकर सपा सदस्यों का हंगामा

विधान परिषद की कार्यवाही

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन आज विधान परिषद की कार्यवाही भारी हंगामे के बीच चली। कार्यवाही शुरु होते ही समाजवादी पार्टी ने लखीमपुर खीरी केस की एसआइटी जांच रिपोर्ट पर चर्चा कराने और गृह राज्यमंत्री टेनी को बर्खास्त करने की मांग को लेकर वेल में आकर नारेबाजी व हंगामा किया।

प्रश्नकाल प्रहर प्रारम्भ होने पर सपा के नरेश उत्तम ने लखीमपुर खीरी में किसानों की हत्या के मामले को उठाया। सपा सदस्य मामले की एसआईटी जांच रिपोर्ट पर चर्चा कराने की मांग कर रहे थे। मामले को लेकर उत्तेजित सपा के सभी सदस्य उत्तेजित हो गये तथा नारेबाजी करते हुये वेल में आ गये। भारी शोर शराबे के कारण सदन की कार्यवाही को 15 मिनट के स्थगित करना पड़ा। इससे पहले सदन की कार्यवाही शुरू होने पर सबसे पहले नेता सदन ने वित्तीय वर्ष 2021-2022 के द्वितीय अनुपूरक अनुदानों की मांगों तथा वित्तीय वर्ष 2022-2023 के आय व्ययक अन्तरिम को भी प्रस्तुत किया। प्रश्नकाल समाप्त होने पर ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के निधन पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की। सम्पूर्ण सदन ने मृत आत्मा की शांति के लिए कुछ क्षण खड़े होकर मौन धारण किया।

शून्यकाल के दौरान सपा के अमित यादव ने प्रवीन सोलंकी प्रभारी निरीक्षक थाना कटरा शाहजहांपुर द्वारा अभद्रतापूर्वक व्यवहार किये जाने पर विषेषाधिकार हनन की सूचना दी। जिस पर सभापति ने यह प्रकरण नेता सदन को दिखवा लेने के निर्देश दिये। शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने गोण्डा के देवीपाटन मण्डल में शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा निर्धारित कार्यक्रम में अनुपस्थित होकर अपमानित करने पर विषेषाधिकार हनन का मामला उठाया।

सपा के शतरूद्र प्रकाश ने ग्राम विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार द्वारा सभापति निर्देश का पालन न करने पर विषेषाधिकार हनन उठाया। जिसपर सभापति ने नेता सदन को एक माह में इस पर कार्यवाही कराने के निर्देश दिये। कांग्रेस के दीपक सिंह ने राजधानी लखनऊ के अन्तर्गत हजरतगंज चौराहे से बापूभवन चौराहे तक रात्रि 10 बजे से प्रात: 8 बजे तक बन्द किये जाने पर आर्टिकल 19 के उल्लंघन के किये जाने के संबंध में औचित्य के प्रश्न की सूचना दी। शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने अम्बेडकर नगर में स्थित सुभाष राष्ट्रीय इण्टर कालेज के प्रबन्धक द्वारा शिक्षकों एवं कर्मचारियों को समय से वेतन भुगतान न किये जाने के संबंध में सूचना दी। सभापति ने सूचना को अग्राहय किया। सपा के अहमद हसन, राम सुन्दर दास निषाद एवं अन्य सदस्यों ने प्रदेश में कानून व्यवस्था समाप्त होने तथा लखनऊ महानगर के अन्तर्गत तिरूपति ज्वैलर्स प्रतिष्ठान में दिनदहाड़े लूटपाट के संबंध में सूचना दी। सूचना की ग्राहय्ता पर सपा के मिस्बाहुद्दीन, वासुदेव यादव, डा मान सिंह यादव एवं राम सुन्दर दास निषाद एवं भाजपा के जल शक्ति मंत्री डा महेन्द्र सिंह ने विचार व्यक्त किये। नेता सदन ने सदन को तथ्यों से अवगत कराया। अधिष्ठाता जयपाल सिंह व्यस्त ने सूचना पर कार्यस्थगन अस्वीकार कर सरकार को कार्यवाही के निर्देश दिये।

69 हेड जेल वार्डर उप कारापाल के पद पर प्रोन्नत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा अपराध नियंत्रण पर प्रभावी कार्यवाही के राज्य सरकार द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं, वहीं कारागार विभाग में कार्यरत कर्मियों को भी समय से पदोन्नतियां प्रदान की जा रही हैं। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि आज उत्तर प्रदेश कारागार सेवा संवर्ग में हेड जेल वार्डर के पद पर तैनात 69 कार्मिकों को उप कारापाल के पद पर प्रोन्नत किया गया है।

प्रदेश के जिन 69 हेड जेल वार्डर को उप कारापाल के पद पर पदोन्नति प्रदान की गयी है उन अधिकारियों में विश्वनाथपुरी, अबसार अहमद, हरिप्रसाद मिश्रा, अम्बिका प्रसाद श्रीवास्तव, लालचन्द ओझा, राम प्रवेश चैरसिया, मो एहसान, राम प्रकाश सिंह, महेन्द्र सिंह, लालाराम, उमेश बाबू, जगवीर सिंह चौहान, मुन्नालाल, पुरूषोत्तम सरन, प्रेम नारायण, श्यामा चरण, आनन्द कुमार, सुरेन्द्र कुमार गौतम, नरेन्द्र कुमार, मोतीलाल, अमर सिंह, धर्मेन्द्र सिंह हैं। इसी कड़ी में राजेन्द्र कुमारी, सुखवती देवी, कृष्णा कुमारी, कमलेश देवी, मिथलेश भदौरिया, मनोरमा सिंह, लक्ष्मी देवी, रेनू वैदिक, किरन देवी, कुसुम, शारदा देवी, रीता सागर, शीला देवी, संयोगिता यादव, रत्ना सिंह, रामसिया, गीतारानी, माया सिंह, आरती शर्मा, सुलेखापाल, रोशनआरा, रीना तिवारी, कविता कुमारी, अन्जू शर्मा, सुषमा शुक्ला, पूनम तिवारी, रंजीता यादव, बीना बाजपेयी, उर्मिला देवी, बेबी अवस्थी, कान्तीदेवी, मायादेवी, मीना कनौजिया, अमिता श्रीवास्तव, शशिकला, चन्द्रकला, सरोजदेवी, मन्जू बर्नवाल, शकुन्तला देवी, सर्वेश कुमारी, कृष्णा कुमारी, शकुन्तला देवी, रंजना शुक्ला, अनीता सक्सेना, मौसमी राय, रीता श्रीवास्तव व कल्पना देवी को भी प्रोन्नति प्रदान की गई है।

यूपी में बढ़ा सरसों की बुआई का रकबा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सरकारी कोशिशों के बीच राज्य के किसानों ने तिलहनी फसलों की बुआई में रुचि दिखाई है। सरसों की बुआई का बढ़ा रकबा इसका प्रमाण है। इस वर्ष राज्य में 9.46 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में किसान सरसों की खेती करने को प्राथमिकता दी है। जिसके चलते पिछले वर्ष की तुलना में सरसों की बुआई के रकबे में 35 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। तेलों के दामों में आए उछाल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर कृषि विभाग द्वारा किसानों को सरसों की खेती करने के लिए प्रोत्साहित करने के चलाए गये अभियान के यह बदलाव हुआ है। प्रदेश में एक तरह से येलो रिवॉल्यूशन (पीली क्रांति) का आगाज हुआ है।

कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष 7.80 लाख हेक्टेयर भूमि पर सरसों की खेती का लक्ष्य रखा गया था। यह टार्गेट हर हाल में पूरा हो। इसके लिए कृषि विभाग के अधिकारियों ने गांव-गांव जाकर किसानों को सरसों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया। उनको बेहतर उपज और फसल के सम सामयिक देखरेख के बारे में जानकारी दी। इसका यह परिणाम हुआ कि राज्य में करीब 20 लाख से अधिक किसानों ने सरसों की खेती करने को प्राथमिकता दी। किसानों के ऐसे प्रयास से राज्य में 9.46 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सरसों की फसल झूम रही है।

कृषि विभाग के अफसरों का दावा है कि वर्षों बाद राज्य में सरसों की बंपर फसल होगी और जल्दी ही यूपी फिर सरसों के उत्पादन में प्रमुख राज्य बन जाएगा। बीते साल राज्य में 7 लाख हेक्टेयर भूमि पर सरसों की खेती की गई थी और 10.07 लाख मीट्रिक टन सरसों का उत्पादन हुआ है। इस वर्ष 10 लाख मीट्रिक टन से काफी अधिक सरसों का उत्पादन होने का दावा कृषि विभाग के अधिकारी कर रहे हैं। अभी देश में मध्य प्रदेश के बाद उत्तर प्रदेश तिलहन उत्पादन में दूसरे नंबर पर है। देश में कुल उत्पादन का 16 फीसद हिस्सा उत्तर प्रदेश का है। मध्य प्रदेश में 24 फीसद, महाराष्ट्र में 14 फीसद, राजस्थान में छह फीसद, आंध्र प्रदेश 10 फीसद और कर्नाटक में सात फीसद तिलहन का उत्पादन होता है। गुजरात, छत्तीसगढ़, बिहार, उड़ीसा और झारखंड सहित अन्य राज्यों में 23 फीसद उत्पादन होता है। तिलहन में रबी और खरीफ दोनों ही फसलें आती हैं। कुल उत्पादन का लगभग 64 फीसद रबी, 30 फीसद खरीफ और छह फीसद जायद की फसल में उत्पादन होता है।

सरसों अनुसंधान निदेशालय के आंकड़ों के अनुसार 25 साल पहले सरसों उत्पादन में उत्तर प्रदेश का पहला स्थान था लेकिन ज्यादा उत्पादन वाली गेहूं की नई किस्मों के आने से गेहूं का क्षेत्रफल बढ़ता गया।। वर्ष 1981.82 में सरसों का क्षेत्रफ्ल 22.76 लाख हेक्टेयर थाए जोकि पूरे देश के सरसों की खेती के क्षेत्रफल का 50 प्रतिशत था लेकिन इसके बाद सरसों के क्षेत्रफल में लगातार गिरावट आती रही। सरसों के उत्पादन घटने के पीछे दरअसल एक ही नहीं कई कारण थे। एक तो जिस तरह से गेहूं का एमएसपी बढ़ती गई, उस तरह से सरसों का नहीं बढ़ा है। अब जब किसानों की आय में इजाफा करने के लिए सरकार ने इस तरफ ध्यान दिया तो एमएसपी बढ़ी है। सरकार ने 5050 रुपये समर्थन मूल्य रखा है। जिसका संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने सरसों की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने का अभियान चलवाया। जिसका असर अब राज्य के हर जिले में दिखने लगा है। लखनऊ में सरसों की खेती तथा उत्पादन की बात करें तो नौ हजार हेक्टेयर में तिलहन की खेती होती रहे है। इस बार यह बढ़कर 15000 हेक्टेयर हो गया है।

अमेठी में कल कांग्रेस निकालेगी प्रतिज्ञा यात्रा, राहुल व प्रियंका भी होंगे शामिल

● 19 दिसंबर को रायबरेली में कांग्रेस महासचिव महिलाओं के साथ करेंगी शक्ति संवाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्र और यूपी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ़ कांग्रेस का जनअभियान लागातार जारी है। इसके तहत भाजपा भगाओ महंगाई हटाओ नारे के साथ 18 दिसंबर को अमेठी में प्रतिज्ञा पदयात्रा निकाली जाएगी। जिसमें कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी शामिल होंगी। वहीं 19 दिसंबर को रायबरेली में शक्ति संवाद् होगा जहां प्रियंका गांधी महिलाओं के साथ कांग्रेस के महिला घोषणपात्र पर बातचीत करेंगी। इसके अलावा 19 दिसंबर को ही प्रतापगढ़ में किसान रैली, मेरठ में मैराथन दौड़ और शाहजहांपुर में अशफाक़उल्लाह ख़ां के शहादत दिवस पर विशेष आयोजन होगा। यूपी कांग्रेस के मीडिया एवं कम्युनिकेशन विभाग के वाइस चेयरमैन डॉ. पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि प्रतिज्ञा यात्रा दिन में 10 बजे जगदीशपुर से शुरू होकर हरीमऊ तक जाएगी। यात्रा के समापन पर एक विशाल जनसभा होगी जिसे राहुल गांधी, प्रियंका गांधी के अलावा पार्टी के कई बड़े नेता भी संबोधित करेंगे।

डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि 19 दिसंबर को रायबरेली में शक्ति संवादष् का आयोजन किया गया है। रायबरेली की ज़िला अस्पताल के निकट रिफॉर्म क्लब मैदान में ये शक्ति संवाद शुरू होगा जिसमें 5 हज़ार महिलाओं की भागीदारी होगी। प्रियंका गांधी महिलाओं के साथ कांग्रेस के महिला घोषणापत्र के तमाम बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करेंगी। 19 दिसंबर को ही प्रतापगढ़ में किसान रैली होगी जिसे गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल संबोधित करेंगे। इसके अलावा मेरठ में लड़की हूं लड़ सकती हूं अभियान के तहत मैराथन दौड़ का भी आयोजन किया गया है।

आजीविका मिशन से महिलाओं के चेहरों पर लौटी मुस्कान

● मास्क बना महिलाओं की कमाई का अहम जरिया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका से प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। मिशन शक्ति अभियान के साथ ही राज्य ग्रामीण अजीविका मिशन के तहत विभिन्न योजनाओं से महिलाओं को सीधे तौर पर लाभ मिल रहा है। स्वयं सहायता समूह के जरिए महिलाएं रोजगार की मुख्यधारा से जुड़कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रही हैं। कोरोना काल में इन स्वयं सहायता समूहों ने प्रदेश में ग्राम स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करने के साथ ही बड़े स्तर पर मास्क व पीपीई किट तैयार किए ।

साल 20-21 में स्वयं सहायता समूह की 20,386 सदस्यों द्वारा 1.23 करोड़ मास्क, 1,223 सदस्यों द्वारा 50,714 पीपीई किट और 559 सदस्यों द्वारा 19,921 लीटर सैनिटाइजर का उत्पादन किया गया। इस साल अब तक 15 लाख से अधिक मास्क का निर्माण समूह की महिलाओं की ओर से किया जा चुका है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मिशन निदेशक भानु गोस्वामी ने बताया कि प्रदेश सरकार की लाभकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीण महिलाओं को देते हुए लघु कुटीर व्यापार से जोड़ उनको रोजगार के नए अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। जिससे अब महिलाएं अपने संग अपने आस पास की महिलाओं को स्वावलंबी बनाने का काम कर रही हैं। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की ओर से मिशन के तहत पुलिसविभाग, स्वास्थ्य विभाग, पंचायती राज विभाग, विकास भवन तथा अन्य विभागों के स्टाफको मास्क उपलब्ध कराए गए।

मास्क निर्माण से समूह के प्रति सदस्य को औसतन 6000 रुपए की मासिक आय हो रही है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मिशन के तहत 1 लाख 98 हजार से अधिक स्वंय सहायता समूह के सदस्यों को आजीविका की दिशा में ऋण उपलब्ध कराया जा चुका है।

मजिस्ट्रेट अदालत ने पहली नजर में गलती प्रतीत होने पर राहुल को सम्मन किया है

मानहानि मामला

भाषा। मुंबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाकर कमांडर इन तीफ वाली टिप्पणी करने के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने वाले भाजपा कार्यकर्ता ने बृहस्पतिवार को बंबई उच्च न्यायालय को बताया कि स्थानीय अदालत ने यह तय करने के बाद कि साक्ष्यों के मद्देनजर पहली नजर में दोष प्रतीत होता है, कांग्रेस नेता को सम्मन किया है। बंबई उच्च न्यायालय ने सम्मन को चुनौती देने वाली गांधी की याचिका पर सुनवाई के लिए बृहस्पतिवार को 18 जनवरी, 2022 की तारीख तय की और मजिस्ट्रेट अदालत को निर्देश दिया कि वह 25 जनवरी तक मानहानि के मामले की सुनवाई करने से बचे।

स्थानीय अदालत ने मानहानि के मामले में राहुल गांधी को 25 नवंबर को पेश होने का निर्देश दिया था। कांग्रेस नेता के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने वाले महेश श्रीश्रीमल का दावा है कि वह 1997 से ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र प्रदेश समिति के सदस्य हैं। श्रीश्रीमल ने राफेल लड़ाकू विमान सौदे में प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाकर 2018 में की गई टिप्पणी को लेकर मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

गांधी ने उन्हें जारी सम्मन को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर रखी है। कांग्रेस नेता ने मजिस्ट्रेट का आदेश निरस्त करने और उनकी याचिका लंबित रहने के दौरान निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने का अनुरोध किया है। पिछले महीने न्यायमूर्ति एस. के. शिंदे की एकल पीठ ने स्थानीय अदालत को मानहानि मामले की सुनवाई से बचने का निर्देश दिया था, इसका तात्पर्य यह हुआ कि राहुल गांधी को अब इस मामले में निचली अदालत में पेश होने की जरुरत नहीं है। श्रीश्रीमल ने बृहस्पतिवार को उच्च न्यायालय में एक हलफनामा देकर गांधी की याचिका खारिज करने का अनुरोध किया है।

जनता को जानने का हक है कि समीर वानखेड़े दोहरी जिंदगी जी रहे हैं : मलिक

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक ने बंबई उच्च न्यायालय से कहा कि उन्होंने समीर वानखेड़े के खिलाफ इसलिए बोला क्योंकि जनता को जानने का हक है कि एससीबी अधिकारी ने किस प्रकार अपनी जाति के बारे में झूठ बोलकर यह नौकरी हासिल की। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता ने दो दिन पहले दायर हलफनामे में कहा कि वह चाहते हैं कि लोगों को पता चले कि नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के जोनल निदेशक वानखेड़ हिन्दू और मुसलमान के रूप में दोहरी जिंदगी जी रहे हैं।

हलफनामे में कहा गया है, मेरे द्वारा प्रकाशित दस्तावेज दिखाते हैं कि कैसे गैरकानूनी तरीके से समीर वानखेड़े ने यह नौकरी पाई और अपना कर्तव्य निभाते हुए किस प्रकार के गलत कार्य किए हैं। हलफनामे में कहा गया है, इसलिए जनता को इससे जुड़ी सच्चाई जानने का अधिकार है।

मलिक ने समीर वानखेड़े के पिता ज्ञानदेव द्वारा उनके खिलाफ दायर मानहानि के मुकदमे के जवाब में हलफनामा दायर किया है। मलिक ने नवंबर में समीर वानखेड़े के खिलाफ कई ट्वीट किए थे, जिनमें तमाम आरोपों के साथ यह भी कहा था कि वानखेड़ जन्म से मुसलमान हैं और उन्होंने केन्द्र सरकार में नौकरी पाने के लिए खुद को अनुसूचित जाति का बताया और फर्जी जाति प्रमाणपत्र जमा किया। इसके बाद ज्ञानदेव ने मलिक के खिलाफ मुकदमा दायर किया।

ज्ञानदेव ने मलिक के आरोपों से इंकार किया है और दावा किया कि राकांपा नेता उन्हें और उनके परिवार को निशाना बना रहे हैं क्योंकि मादक पदार्थों से जुड़े एक मामले में समीर वानखेड़े के नेतृत्व वाली एक टीम ने मंत्री के दामाद को गिरफ्तार किया है।

जम्मू में स्वर्णिम विजय दिवस के बलिदान स्तम्भ के अवसर पर शहीदों के परिजनों को मेडल देते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा।

गोवा में भाजपा विधायक अलीना सल्दान्हा ने दिया इस्तीफा

पणजी। गोवा में भाजपा विधायक अलीना सल्दान्हा ने पार्टी तथा राज्य विधानसभा से बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे दिया और दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब वैसा संगठन नहीं रहा, जो 2012 में उनके शामिल होने के दौरान था। सल्दान्हा 2012 में अपने पति के निधन के बाद भाजपा में शामिल हुईं थी। उन्होंने गोवा विधानसभा अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंपा।

सल्दान्हा (69) के अलावा हाल ही में विभिन्न दलों के चार अन्य विधायक भी 40 सदस्ईय गोवा विधानसभा से इस्ताफा दे चुके हैं। अलीना सल्दान्हा के पति मैथनी सल्दान्हा, मनोहर पर्रिकर के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में मंत्री थे। 2012 में मैथनी के निधन के बाद अलीना सल्दान्हा ने कोर्टालिम विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था और जीत भी हासिल की थी। उन्होंने 2017 में भी भाजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़कर जीत दर्ज की थी।

अलीना सल्दान्हा ने पत्रकारों से कहा, मैंने सही कारणों के चलते इस्तीफा दिया है....क्योंकि यह पार्टी अब वैसी नहीं है जैसी दिवंगत मैथनी सल्दान्हा और मेरे इसमें शामिल होने के समय थी। उन्होंने दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी अपने सारे सिद्धांत भूल गई है और इस तटीय राज्य में अव्यवस्था है। सल्दान्हा ने कहा, किसी को नहीं पता कि पार्टी में कौन आ रहा है और कौन जा रहा है। राज्य की पूर्व पर्यावरण मंत्री अलीना सल्दान्हा ने कहा कि उन्होंने बुधवार को पार्टी की एक बैठक में भाग लेने के बाद भाजपा छोड़ने का फैसला किया, जिसमें पार्टी के एक वरिष्ठ नेता की एक बात ने मुझे यह एहसास कराया कि यह समय है कि मैं पार्टी छोड़ दूं। अरविंद केजरीवाल नीत आप में शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी उन्होंने इस संबंध में काई निर्णय नहीं किया है।

एचुरी ने जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को हटाने की मांग की

नई दिल्ली। माकपा के महासचिव सीताराम एचुरी ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से आग्रह किया वह भारतीय संविधान के खिलाफ कथित तौर पर बोलने के लिए जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पंकज मित्थल को हटाएं। एचुरी ने कोविंद को लिखे पत्र में दावा किया कि गत पांच दिसंबर को जम्मू में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध एक कार्यक्रम में मित्थल ने संविधान के खिलाफ बात की थी। मीडिया में व्यापक रूप से खबरें आईं कि मित्थल ने अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद की ओर से आयोजित संगोष्ठि को संबोधित किया और कहा कि संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्दों को जोड़ने से भारत की आध्यात्मिक छवि संकीर्ण हुई है। माकपा महासचिव ने कहा कि मित्थल का आचरण मुख्य न्यायाधीश जैसे अहम संवैधानिक पद की गरिमा के अनुकूल नहीं था।

मोदी सरकार विनाशकारी, प्रधानमंत्री को सिर्फ चुनाव हारने का डर : चिदंबरम

भाषा। गुवाहाटी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को विनाशकारी बताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को केवल एक चीज चुनाव हारने का डर है और उन्हें अपनी पार्टी के सहयोगियों सहित किसी और चीज की परवाह नहीं है। कांग्रेस की असम इकाई के कार्यकर्ताओं के लिए यहां तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश तेजी से नीचे जा रहा है और अगर मौजूदा सरकार बनी रहती है तो देश गंभीर संकट में होगा।

उन्होंने कहा, यह एक विनाशकारी सरकार है। अपनी बड़ी विफलताओं को छिपाने के लिए, इस सरकार ने धर्म का सहारा लिया है। धर्म का पक्ष लेने का एक और कारण चुनाव जीतने के लिए देश को धार्मिक आधार पर बांटना है। उन्होंने कहा, मोदी को किसी भी चीज - अपनी पार्टी, सांसदों, मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, न्यायाधीशों, ईश्वर या किसी और का कोई डर नहीं है।

चिदंबरम ने कहा, उन्हें केवल एक चीज का डर है - चुनाव हारने का। किसी भी परिस्थिति में वह चुनाव हारना नहीं चाहते हैं। मुझे खुशी है कि उन्हें कम से कम कुछ डर तो है। देश को बचाने का एकमात्र तरीका हर चुनाव में मोदी को हराना है। कांग्रेस नेता ने कहा, चीन के भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने और सीमा पर गांवों के निर्माण के साथ देश के लिए और अधिक खतरे आने वाले हैं, कश्मीर में युवा आतंकवाद की ओर लौट रहे हैं और अर्थव्यवस्था गिर रही है।

वर्ष 1977 में जबरदस्त चुनावी हार के बाद पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पुनरुत्थान का उल्लेख करते हुए, पूर्व केंद्रीय गृह और वित्त मंत्री ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एक बार फिर से जीतने के बारे में आश्वस्त होने के लिए कहा। उन्होंने कहा, हम 1996, 1998, 1999 में भी हार गए थे। 1999 में, हम एक करिश्माई नेता, अच्छे वक्ता और स्वयंसेवक अटल बिहारी वाजपेई से हार गए थे। लेकिन हम सोनिया गांधी और कांग्रेस की राज्य इकाइयों की कड़ी मेहनत के कारण 2004 में फिर से उनसे जीत गए।

चिदंबरम ने कहा, इसलिए, मैं आपको बताना चाहता हूं कि पिछले साढ़े सात वर्षों में यह निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिए कि नरेन्द्र मोदी अजेय या अपराजेय हैं। हमें विश्वास करना चाहिए कि हमारा (राजनीति का) विचार सही है और उनका (मोदी का) गलत है। अगर आप खुद को विश्वास दिला पाएंगे, तभी आप दूसरों को विश्वास दिला पाएंगे।

क्विक न्यूज

मुंबई पुलिस ने अदालत की अनुमति के बाद 14.65 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ किए नष्ट

मुंबई। मुंबई पुलिस ने अदालत की अनुमति के बाद मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) द्वारा जब्त किए गए 14.65 करोड़ रुपए के 3,092 किलोग्राम मादक पदार्थों को नष्ट कर दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) ने 26 मामलों में इन मादक पदार्थों को जब्त किया था। मादक पदार्थ निपटान समिति की सिफारिश के बाद, पैनल के सदस्यों की मौजूदगी में नवी मुंबई के तलोजा मुंबई वेस्ट मैनेजमेंट लिमिटेड की एक भट्टी में बुधवार को इन मादक पदार्थों को नष्ट किया गया। इन नष्ट किए गए मादक पदार्थों में 3,000 किलोग्राम गांजा, 3.297 किलोग्राम चरस, 24 ग्राम कोकीन, 866.5 ग्राम मेफेड्रोन, 159.5 ग्राम हेरोइन और 84.687 किलोग्राम ऐम्फिटेमाइन शामिल था। अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित दवा कोडीन कफ सिरप की 11,271 बोतलें और 124.440 किलोग्राम कॉयर (नारियल फाइबर) को भी नष्ट किया गया है।

एसटीएफ ने दो को गिरफ्तार कर जाली नोट जब्त किए

कोलकाता। कोलकाता पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से चार लाख रुपए मूल्य की जाली भारतीय मुद्रा जब्त की गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एसटीएफ ने गुप्त सूचना के आधार पर एस्प्लेनेड बस स्टैंड के निकट डफरिन रोड पर दो लोगों गिरफ्तार किया, जो कोटा से संचालित जाली मुद्रा गिरोह के सदस्य हैं। उनके पास से 500-500 रुपए के 800 जाली नोट जब्त किए गए है, जिनका कुल मूल्य चार लाख रुपए है। अधिकारी ने का, उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कांग्रेस ने गोवा विस चुनाव के लिए पहली सूची जारी की

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गोवा विधानसभा चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को अपने आठ उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी जिसमे पूर्व मुख्यमंत्री दिगम्बर कामत और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कई वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल हैं। पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक की ओर से जारी उम्मीदवारों की सूची के अनुसार, कामत को मढ़गांव विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। वह इसी सीट से वर्तमान में विधायक भी है। इसके साथ ही, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं एलेक्सियो लॉरेंको को कर्टोरिम विधानसभा क्षेत्र और सुधीर कानोलकर को मापुसा विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है। कांग्रेस राज्य में गोवा फॉरवर्ड पार्टी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ेगी। राज्य की 40 सदस्ईय विधानसभा के लिए अगले साल फरवरी-मार्च में विधानसभा चुनाव होना है।

विस्फोट एक व्यक्ति की मौत, 15 अन्य झुलसे

गोधरा (गुजरात)। गुजरात के पंचमहल जिले मे बृहस्पतिवार को एक रासायनिक संयंत्र की इकाई मे विस्फोट होने के बाद आग लगने से एक कर्मचारी की मौत हो गई और 15 अन्य झुलस गए। पंचमहल की पुलिस अधीक्षक लीना पाटिल ने बताया कि घोघंबा तालुका में रंजीतनगर गांव के पास स्थित गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लिमिटेड (जीएफएल) के रासायनिक विनिर्माण संयंत्र में विस्फोट सुबह करीब 10 बजे हुआ। घटनास्थल पर तलाश एवं बचाव कार्य का जायजा लेने पहुंची अधिकारी ने कहा, विस्फोट के बाद आग लगने से एक कर्मचारी की मौत हो गई और 15 से 16 अन्य लोग झुलस गए। उन्हे अलग-अलग अस्पतालो मे भर्ती कराया गया है। उनमे से कई बुरी तरह झुलस गए हैं। संयंत्र में अन्य लोगों की तलाश जारी है। आग पर काबू पा लिया गया है।

गोवा के पूर्व मंत्री रोहन खुंटे भाजपा में शामिल होंगे

पणजी। गोवा के पूर्व मंत्री रोहन खुंटे ने कहा कि वह भाजपा में शामिल होंगे। एक दिन पहले ही उन्होने विधायक पद से इस्तीफा दिया था। पत्रकारो से कहा, मैने पोरवोरिम का विकास सुनिश्चित करने और समावेशी तथा एकता की संस्कृति को आत्मसात करने के लिए भाजपा में शामिल होने का फैसला किया है। मै शुक्रवार को पणजी के महालक्ष्मी मंदिर में भाजपा में शामिल हो जाऊंगा। पोरवोरिम विधानसभा क्षेत्र के निर्दलीय विधायक के तौर पर बुधवार को इस्तीफा दे दिया था।

सीआरपीएफ के अधिकारी ने आत्महत्या की

गरियाबंद (छत्तीसगढ़)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित गरियाबंद जिले मे सीआरपीएफ के एक अधिकारी ने अपने सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। जिले के बिंद्रानवागढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत दीपारा गांव स्थित सीआरपीएफ के 65वी बटालियन के शिविर में सहायक उप निरीक्षक उदयवीर सिंह ने खुद को गोली मार ली है। बुधवार को जब सीआरपीएफ के अधिकारी और जवान शिविर मे थे तब सिंह ने अपने एके-47 रायफल से खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर अन्य जवान सिंह के कमरे की ओर भागे। बाद मे जवानों ने सिंह को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सको ने सिंह को मृत घोषित कर दिया। सिंह उत्तर प्रदेश के निवासी थे।

कोलकाता में जनरल आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ मनोज पाण्डेय की याद में विजय दिवस पर अवसर पर सलामी देते जवान।

जबरन वसूली मामले में परमबीर का कथित सहआरोपी मुंबई में गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह और अन्य की कथित संलिप्तता वाले जबरन वसूली मामले में आरोपी एक व्यक्ति को बृहस्पतिवार अपराह्न में यहां गिरफ्तार कर लिया गया। यह जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि उपनगरीय गोरेगांव पुलिस थाने में दर्ज जबरन वसूली मामले की जांच कर रही मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने आरोपी विनय सिंह को एक कैफे से गिरफ्तार किया। इस मामले में यह चौथी गिरफ्तारी है जिसमें परमबीर सिंह, बर्खास्त सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन वाजे और रियाज भाटी आरोपियों में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि परमबीर सिंह को गिरफ्तारी से अदालत का संरक्षण प्राप्त है, जबकि भाटी फरार है। परमबीर सिंह को महाराष्ट्र सरकार ने उनके खिलाफ आपराधिक मामलों को लेकर निलंबित कर दिया है।

व्यवसाई बिमल अग्रवाल की एक शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया था जिसमें उन्होंने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सिंह के इशारे पर वाजे पर जबरन वसूली करने का आरोप लगाया था। शिकायत के अनुसार, एक अन्य आपराधिक मामले में जेल में बंद वाजे ने गोरेगांव में व्यवसाई द्वारा संचालित दो रेस्तरां-सह-बार पर छापे नहीं मारने के लिए व्यवसाई से 9 लाख रुपए और दो महंगे मोबाइल फोन लिए थे।

अधिकारी ने बताया कि विनय सिंह ने अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी जिसे खारिज कर दिया गया था और उच्चतम न्यायालय ने उसे पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने को कहा था। डीसीपी (डिटेक्शन -1) नीलोत्पल ने कहा कि अपराध शाखा के अधिकारियों को उपनगरीय कांदिवली में एक कैफे में विनय सिंह के आने के बारे में गुप्त सूचना मिली थी और तदनुसार उसे पकड़ने के लिए एक टीम भेजी गई थी।

म्यांमा ने मणिपुर के पांच उग्रवादियों को भारत प्रत्यर्पित किया: पुलिस

इंफाल। म्यांमा सरकार ने प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के पांच मणिपुरी विद्रोहियों को भारत प्रत्यर्पित किया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उग्रवादियों को बुधवार को भारतीय वायु सेना की विशेष उड़ान से बीर टिकेंद्रजीत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उग्रवादियों की पहचान सलम सोमेंद्रो उर्फ देवानी, टी. कलासना उर्फ कोइरेंग, नोंगमैथेम नरेंद्र उर्फ नोरा उर्फ बेनर, ताओरेम रोहेन उर्फ अंगम और लोइतोंगबाम राजकुमार उर्फ अबी के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि देवानी उग्रवादी संगठन में एक स्वयंभू कैप्टन है। गिरफ्तार उग्रवादियों को जांच के सिलसिले में मणिपुर पुलिस की हिरासत में रखा गया है। पीएलए के उग्रवादियों को म्यांमा पुलिस ने पिछले साल अगस्त में उत्तर पश्चिमी म्यांमा के मोनिवा में चिंदविन नदी पुल पर गिरफ्तार किया था, जब वे इलाज के लिए जा रहे थे।

पीएम आज अखिल भारतीय महापौर सम्मेलन को संबोधित करेंगे

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को वाराणसी में आयोजित अखिल भारतीय महापौर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे और वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से इसे संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सम्मेलन की थीम नया शहरी भारत (न्यू अर्बन इंडिया) है और इसमें विभिन्न राज्यों के महापौर भाग लेंगे। पीएमओ ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में जीवन की सुगमता सुनिश्चित करना प्रधानमंत्री का हमेशा से प्रयास रहा है और इसी के मद्देनजर छिन्न-भिन्न शहरी अवसंरचनाओं और सुविधाओं की कमी जैसी समस्याओं के समाधान के लिए कई योजनाओं और पहलों की शुरुआत की गई। बयान में पीएमओ ने कहा कि इस कड़ी में उत्तर प्रदेश पर विशेष ध्यान दिया गया है और इस का नतीजा वहां के शहरी परिदृश्य में व्यापक परिवर्तन के रूप में देखने को मिला है। पीएमओ के मुताबिक, केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार की प्रमुख उपलब्धियों तथा विकास कार्यों की झलक बताने के लिए एक प्रदर्शनी भी लगाई गई है। 17 दिसंबर को इसका उद्घाटन होगा और फिर 18 तथा 19 दिसंबर को इसे आम लोगों के लिए खोला जाएगा।

संपत्ति विवाद सुलझाने के लिए ललित मोदी व उनकी मां के लिए दो पूर्व जजों को किया नियुक्त

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने आईपीएल के पूर्व प्रमुख ललित मोदी और उनकी मां तथा उद्योगपति के के मोदी की पत्नी बीना मोदी के बीच लंबे समय से चल रहे संपत्ति विवाद को सुलझाने के लिए बृहस्पतिवार को शीर्ष अदालत के दो सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को मध्यस्थ नियुक्त किया। शीर्ष अदालत दिल्ली उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के उस फैसले के खिलाफ ललित मोदी की अपील पर सुनवाई कर रही थी जिसमें कहा गया था कि बीना मोदी की अपने बेटे के खिलाफ दायर मध्यस्थता विरोधी रोक याचिका विचार करने योग्य है।

प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीशों न्यायमूर्ति विक्रमजीत सेन और न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ के नामों को मध्यस्थ के रूप में मंजूरी दी। पीठ ने कहा, अंततः दोनों पक्ष न्यायाधीश विक्रमजीत सेन और न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ के तहत मध्यस्थता के लिए सहमत हो गए हैं। हमारा सुझाव है कि दोनों पक्ष हैदराबाद में मध्यस्थता केंद्र की सुविधाओं का उपयोग करें। वे ऑनलाइन मध्यस्थता के लिए अनुरोध कर सकते हैं।

पीठ ने कहा, हम पक्षों को गोपनीयता कायम रखने का निर्देश देते हैं, और मध्यस्थों से यह आश्वासन लेने का अनुरोध करते हैं कि इस कार्यवाही में तीन महीने की अवधि के अंदर तेजी लाएं। इससे पहले, बीना मोदी ने याचिका दायर की थी। याचिका में विवाद को लेकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संस्थापक ललित मोदी द्वारा सिंगापुर में शुरू की गई मध्यस्थता कार्यवाही पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था।

उच्चतम न्यायालय ने पहले पक्षों को मध्यस्थता का सुझाव दिया था और उनसे अपनी पसंद के मध्यस्थों के नाम देने को कहा था। उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने पिछले साल दिसंबर में माना था कि सिंगापुर में मध्यस्थता कार्यवाही शुरू करने के ललित मोदी के कदम को चुनौती देने वाली बीना मोदी की याचिका पर फैसला करना उसका अधिकार क्षेत्र में है।

विश्व हिन्दू परिषद ने भारत में तबलीगी जमात पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग उठाई

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने बृहस्पतिवार को मांग उठाई कि सरकार भारत में तबलीगी जमात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए। साथ ही विहिप ने दारूल उलूम देवबंद और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर निशाने साधते हुए आरोप लगाया कि ए तबलीगी जमात को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर से मदद पहुंचाते हैं। विहिप ने एक बयान में यह भी मांग की कि दिल्ली स्थित निजामुद्दीन मरकज इमारत और तबलीगी जमात के बैंक खातों को सील किया जाए और इसके आर्थिक जरियों और संसाधनों के बारे में पता लगाया जाना चाहिए। विहिप ने आरोप लगाया, ना केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया तबलीगी जमात और इसके निजामुद्दीन मरकज के गैर-कानूनी कामों के कारण आज गंभीर परेशानी में है। बयान में मांग की गई कि भारत में तबलीगियों, तबलीगी जमात और इज्तिमा (धार्मिक जुटान) पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाए। सऊदी अरब ने तबलीगी जमात और अल-अहबाब को समाज के लिए खतरा और आतंकवाद का द्वार करार देते हुए इन संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

अगरतला में 1971 के युद्ध के 50 साल पूरे होने पर मनाया विजय दिवस।

सरकारी बैंक कर्मियों की हड़ताल से देश भर में सेवाएं प्रभावित

भाषा। नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लाखों कर्मचारियों ने सरकारी बैंकों के निजीकरण के विरोध में बृहस्पतिवार को दो दिन की हड़ताल शुरू कर दी जिससे देश भर में बैंकों का कामकाज प्रभावित रहा। ग्राहकों को हड़ताल की जानकारी देने के साथ भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक और बैंक ऑफ इंडिया जैसे सरकारी बैंकों की कई शाखाएं बृहस्पतिवार को बंद रहीं। शुक्रवार को भी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।यह हड़ताल अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ (एआईबीओसी), अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) और राष्ट्रीय बैंक कर्मचारी संगठन (एनओबीडब्ल्यू) सहित नौ बैंक संघों मंच यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन (यूएफबीयू) ने बुलाई है।शाखाओं में जमा और निकासी, चेक समाशोधन और ऋण मंजूरी जैसी सेवाएं प्रभावित हुईं। हालांकि, कई जगहों पर एटीएम सही तरह से काम कर रहे थे।एआईबीईए के महासचिव सी एच वेंकटचलम के मुताबिक बृहस्पतिवार को 18,600 करोड़ रुपए के 20.4 लाख चेक से जुड़ा लेनदेन नहीं हो सका। एसबीआई सहित सरकारी बैंकों ने ग्राहकों को पहले ही सूचित कर दिया था कि हड़ताल के कारण उनकी शाखाओं में सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। हालांकि एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक जैसे निजी क्षेत्र के बैंकों में कामकाज सामान्य दिनों की तरह रहा। हालांकि अंतर-बैंक चेक समाशोधन प्रभावित हुआ।उधर, महाराष्ट्र में यूएफबीयू के राज्य समन्वयक देवीदास तुलजापुरकर ने कहा कि मुंबई के आजाद मैदान में 5,000 बैंक कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया।। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी से लेकर वरिष्ठ अधिकारी तक सभी वर्ग के अधिकारी हड़ताल में हिस्सा ले रहे हैं। चेन्नई में बैंक कर्मचारियों के एक वर्ग ने काला बैज पहनकर विरोध प्रदर्शन किया और केंद्र के कदम के फैसले के खिलाफ नारे लगाए। वहीं राजस्थान की राजधानी जयपुर में बैंक कर्मचारियों ने अंबेडकर सर्किल के पास एसबीआई कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। वेंकटचलम ने कहा, "सरकारी बैंक सामान्य रूप से हमारे देश के आर्थिक विकास में और विशेष रूप से समाज के वंचित वर्गों तथा देश के पिछड़े क्षेत्रों के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करते हैं। उन्होंने कहा, "सरकारी बैंकों ने कृषि, लघु व्यापार, लघु व्यवसाय, लघु उद्योग, छोटे पैमाने के उद्योगों (एसएसआई), परिवहन और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान में एक अहम भूमिका निभाई है।एआईबीओसी के महासचिव सौम्य दत्ता ने कहा कि देश भर में करीब सात लाख बैंक कर्मचारी दो दिन की हड़ताल में हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार के रवैए के कारण हो रहे हड़ताल से बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की एक लाख से अधिक शाखाओं का कामकाज प्रभावित हुआ है। वेंकटचलम ने कहा कि कांग्रेस, द्रमुक, भाकपा, माकपा, तृणमूल कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना समेत कई राजनीतिक दलों ने हड़ताल का समर्थन किया है। गौरतलब है कि फरवरी में पेश केंद्रीय बजट में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्र की विनिवेश योजना के तहत दो सरकारी बैंकों के निजीकरण की घोषणा की थी। निजीकरण की सुविधा के लिए, सरकार ने बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2021 को संसद के मौजूदा सत्र के दौरान पेश करने और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया है। सरकार ने इससे पहले 2019 में आईडीबीआई में अपनी अधिकांश हिस्सेदारी एलआईसी को बेचकर बैंक का निजीकरण किया था और साथ ही पिछले चार वर्षों में 14 सरकारी बैंकों का विलय किया है।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल के दौरान रांची में प्रदर्शन करते बैंक कर्मी

क्विक न्यूज

एसबीआई कार्ड पल्स लॉन्च

नई दिल्ली। भारत में क्रेडिट कार्ड जारी करने के एकल व्यवसाय का संचालन करने वाली सबसे बड़ी कंपनीए एसबीआई कार्ड ने सेहत एवं तंदुरुस्ती पर केंद्रित अपनी तरह के पहले क्रेडिट कार्ड एसबीआई कार्ड पल्स के लॉन्च की घोषणा की। देश भर के ग्राहकों को ध्यान में रखते हुएए कई अनोखी सुविधाओं एवं फायदों वाले इस कार्ड को काफी सोच-समझकर डिजाइन किया गया है। ताकि अपनी सेहत और फिटनेस के प्रति बेहद सजग रहने वाले कार्डधारकों की जरूरतों को पूरा किया जा सके। इतना ही नहींए श्एसबीआई कार्ड पल्सइस उद्योग जगत द्वारा जारी किया गया इकलौता ऐसा क्रेडिट कार्ड है,जो ग्राहकों को कार्डधारक बनने के लिए आवश्यक शुल्क का भुगतान करने पर उपहार के रूप में नॉइज़ कलरफिट पल्स स्मार्टवॉच प्रदान करता है। जिसकी कीमत 4,999 रुपये है।

बांग्लादेश 50 करोड़ डॉलर की कर्ज सुविधा के तहत भारत से रक्षा वस्तुओं का आयात करेगा

ढाका। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने बृहस्पतिवार को कहा कि बांग्लादेश जल्द ही भारत से रक्षा उत्पादों का आयात करेगा। उन्होंने कहा कि यह आयात भारत की तरफ से दी गई 50 करोड़ डॉलर की कर्ज सुविधा के तहत किया जाएगा। उन्होने बताया कि कई चिन्हित उपकरणों पर तेजी से काम किया जा रहा है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश की स्वतंत्रता के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेने के लिए अपने समकक्ष एम अब्दुल हामिद के निमंत्रण पर बांग्लादेश की राजकीय यात्रा पर है। इस दौरान श्रृंगला की यह टिप्पणी आई। उन्होने कहा कि कर्ज सहायता के तहत कई मदों की पहचान की गई है और उन पर तेजी से काम किया जा रहा है। बांग्लादेश 50 करोड़ डॉलर के एलओसी के तहत भारत से रक्षा वस्तुओं का आयात करेगा। भारत ने 2019 में रक्षा संबंधी उत्पादों की खरीद के लिए बांग्लादेश को 50 करोड़ डालर की ऋण सुविधा प्रदान की थी।

विंटर सर्विस कैम्प चलाएगा इसुजु

चेन्नई। इसुजु मोटर्स इंडिया पूरे देश में इसुजु आई-केयर विंटर सर्विस कैम्प चलाएगा। यह कैम्प कंपनी की इसुजु डी मैक्स पिक अप्स और एसयूवी रेंज के लिये है। इस सर्विस कैम्प का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतरीन लाभ और देशभर में इस मौसम में परेशानी मुक्त ड्राइविंग का अनुभव प्रदान करने के लिये प्रीवेंटिव मेंटेनेंस चेक्स प्रदान करना है। 13 से 24 दिसंबर के बीच श्इसुजु केयर की एक पहल, विंटर सर्विस कैंप का इंतजाम इसुजु के सभी अधिकृत डीलर सर्विस आउटलेट्स पर किया जायेगा। इस अवधि के दौरानए ग्राहक अपने वाहनों के लिये विशेष ऑफर्स और लाभ भी ले सकते हैं। यह विंटर सर्विस कैम्प सभी अधिकृत सर्विस फैसिलिटी पर आयोजित किया जायेगा। सर्विस बुकिंग के लिये ग्राहक नजदीकी इसुजु डीलर आउटलेट पर कॉल कर सकते हैं या वेबसाइट पर जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिये ग्राहक 1800 4199 188 टोल.फ्री पर संपर्क कर सकते हैं।

सरकार बहुत जल्द खनन क्षेत्र में और सुधार लेकर आ सकती है: जोशी

नई दिल्ली। कोयला एवं खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सरकार खनन क्षेत्र में बहुत जल्द कुछ और सुधार लेकर आ सकती है। जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि समय के साथ खनन क्षेत्र से संबंधित नियमों में भी कई संशोधन किए गए है और खान मंत्रालय उद्योग की मांग के अनुसार आगे भी सुधार लाता रहेगा। उन्होंने कहा, बहुत जल्द, हम कुछ और सुधार ला सकते है और मुझे लगता है कि उनमें से कुछ को हम सार्वजनिक मंच पर रखेंगे और राज्यों तथा हितधारकों के साथ विचार विमर्श करेंगे। मंत्री ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा खान मंत्रालय के सहयोग से आयोजित अंर्ताष्ट्रीय खनन शिखर सम्मेलन में यह बात कही।उन्होने कहा कि सरकार खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2015, लेकर आई है जो नीलामी के माध्यम से वास्तविक संसाधनों का प्रावधान करता है और इस वर्ष भी कई प्रमुख संशोधन पेश किए गए।

एनआईपीएल, वेस्टर्न यूनियन ने घरेलू बैंक खातों में पैसे भेजने की सुविधा बेहतर करने के लिए समझौता किया

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की विदेशी शाखा एनआईपीएल ने विदेशों से भारत में बैंक खातों में तत्काल पैसों के हस्तांतरण की सुविधा बेहतर करने के लिए वेस्टर्न यूनियन के साथ एक समझौता किया है।

बाजार में चार सत्रों से जारी गिरावट पर विराम, सेंसेक्स 113 अंक मजबूत

मुंबई,भाषा

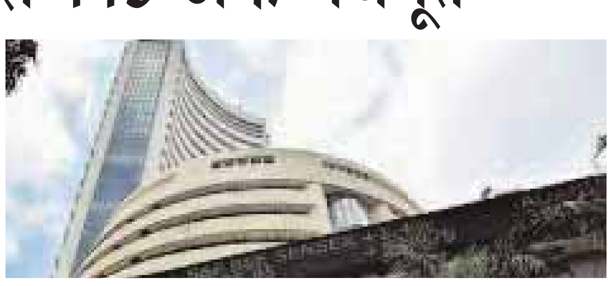

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले चार कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर बृहस्पतिवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 113 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के बांड खरीद कार्यक्रम को तेजी से समाप्त करने की घोषणा के बाद भी वैश्विक बाजारों में तेजी के साथ घरेलू बाजार बढ़त में रहे। कारोबारियों के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर में तेजी से भी धारणा को मजबूती मिली। हालांकि विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से तेजी पर अंकुश लगा।उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 113.11 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 57,901.14 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 27 अंक यानी 0.16 प्रतिशत चढ़कर 17,248.40 अंक पर बंद हुआ।सेंसेक्स के शेयरों में 2.61 प्रतिशत की बढ़त के साथ सर्वाधिक लाभ में बजाज फाइनेंस रही। इसके अलावा, इन्फोसिस, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और नेस्ले इंडिया में भी तेजी रही।दूसरी तरफ, मारुति, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज ऑटो, सन फार्मा, इंडसइंड बैंक और एसबीआई में 1.51 प्रतिशत तक की गिरावट रही। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, घरेलू बाजार हल्की तेजी के साथ बंद हुए... विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली जारी रहने और खुदरा गतिविधियों में नरमी से घरेलू बाजार में सुस्ती रही।

नीलामी नियमों में संशोधन से खनिज ब्लॉक बिक्री में अधिक भागीदारी सुनिश्चित होगी

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि खनिज नीलामी नियमों में संशोधन से प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा जिससे ब्लॉक की बिक्री में अधिक भागीदारी सुनिश्चित होगी। खान मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसने खनिज (खनिज सामग्री साक्ष्य) नियम, 2015 (एमईएमसी नियम) और खनिज (नीलामी) नियम, 2015 (नीलामी नियम) में संशोधन करने के लिए खनिज (खनिज सामग्री साक्ष्य) द्वितीय संशोधन नियम, 2021 और खनिज (नीलामी) चतुर्थ संशोधन नियम, 2021 को अधिसूचित किया है।संशोधन नियम राज्यों, उद्योग संगठनों, खनिकों, अन्य संबंधित पक्षों और आम जनता के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार किए गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि एमईएमसी नियमों में संशोधन से नीलामी में हिस्सा लेने का इच्छुक कोई भी व्यक्ति समग्र लाइसेंस की खातिर नीलामी के लिए उस उपयुक्त ब्लॉक का प्रस्ताव देने में सक्षम होगा, जहां उपलब्ध भू-विज्ञान डेटा के आधार पर ब्लॉक की खनिज क्षमता की पहचान की गई है।किसी भी राज्य द्वारा गठित एक समिति प्रस्तावित ब्लॉक की खनिज क्षमता का आकलन करेगी और नीलामी के लिए खदान की सिफारिश करेगी। इसके अलावा, नीलामी नियम में संशोधन यह प्रावधान करता है कि अगर किसी व्यक्ति द्वारा प्रस्तावित ब्लॉक को नीलामी के लिए अधिसूचित किया जाता है, तो उस व्यक्ति को उन प्रस्तावित ब्लॉक की नीलामी में बोली संबंधी सुरक्षा राशि का केवल आधा जमा करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा।

पूर्व तेल सचिव तरुण कपूर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड के चेयरमैन पद की दौड़ में शामिल

नई दिल्ली। पूर्व तेल सचिव तरुण कपूर, ओएनजीसी के वर्तमान एवं पूर्व चेयरमैन और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) के एक पूर्व निदेशक सहित 12 से अधिक लोगों ने तेल एवं गैस नियामक पीएनजीआरबी के चेयरमैन के पद के लिए आवेदन दिया है। पिछले महीने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव के रूप में सेवानिवृत्त हुए कपूर उन 13 व्यक्तियों की सूची में सबसे प्रमुख नाम हैं जिन्होंने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) के चेयरमैन के पद के लिए आवेदन दिया है। तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सुभाष कुमार तथा उनके पूर्ववर्ती शशि शंकर भी दौड़ में शामिल हैं।

मेटा ने भारत में सीबीएसई के साथ अपनी भागीदारी का विस्तार किया

भाषा। नई दिल्ली

मेटा के फ्यूल फॉर इंडिया 2021 में मेटा के फाउंडर और सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने यह घोषणा की थी कि उनकी कंपनी सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकंडरी एज्युकेशन (सीबीएसई) के साथ अपनी भागीदारी का विस्तार करेगी। इस विस्तार के तहत भारत में 10 मिलियन से ज्यादा स्टूडेंट्स और 1 मिलियन टीचर्स के लिये डिजिटल सुरक्षा और ऑनलाइन सेहत तथा ऑगमेंटेड रियलिटी पर एक पाठ्यक्रम प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा, शिक्षा को सर्वव्यापी बनाने के सरकार के विचार के अनुरूप मेटा और सीबीएसई उन मॉड्यूल्स के माध्यम से स्टूडेंट्स को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक विषय-वस्तु तक ऑनलाइन पहुँच देकर हाई स्कूल के पाठ्यक्रम को लोकतांत्रिक बनाएंगे। जिन्हें सीबीएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध किया जाएगा।

डीआरटी, डीआरएटी के समक्ष दायर याचिकाओं पर विचार करें

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को उच्च न्यायालयों से कहा कि रिक्तियों के कारण वे ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी) और ऋण वसूली अपीलीय न्यायाधिकरण (डीआरएटी) के समक्ष दायर याचिकाओं पर विचार करें। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि एक बार न्यायाधिकरणों का गठन हो जाने के बाद मामले उच्च न्यायालयों से उनके पास वापस चले जाएंगे।

पीठ ने कहा, यह हमारे संज्ञान में लाया गया है कि डीआरटी, डीआरएटी में सदस्यों की नियुक्ति न किए जाने से संबंधित समस्याएं हैं। फिलहाल समस्या को हल करने के लिए हम उच्च न्यायालयों से उन आवेदनों पर विचार करने का अनुरोध करते हैं, जिन्हें डीआरटी, डीआरएटी के तहत दायर किया जाना है। न्यायाधिकरण के गठन के बाद, मामलों को वापस वहां लाया जा सकता है। पीठ में न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव भी शामिल हैं। शीर्ष अदालत ने कहा फिलहाल वह समिति से नियुक्तियों में तेजी लाने को कहेगी। न्यायालय ने इससे पहले देश भर में न्यायाधिकरणों में नियुक्तियों के लिए एक स्वतंत्र निकाय की जरूरत पर बल देते हुए राष्ट्रीय न्यायाधिकरण आयोग के गठन की जरूरत को दोहराया था।

भारत नवाचार में दुनिया की अगुवाई करेगा: के गोपालकृष्णन

कोझीकोड। इंफोसिस के सह-संस्थापक के गोपालकृष्णन ने कहा कि इस सदी में विकास का मॉडल उपभोग पर नहीं बल्कि नवाचार पर आधारित होगा और भारत 21वीं सदी में नवाचार में दुनिया का नेतृत्व करेगा उन्होंने यहां आईआईएम कोझिकोड में डिजिटल नवाचार एवं परिवर्तन केंद्र (सीडीआईटी) के उद्घाटन समारोह के दौरान यह टिप्पणी की। यह केंद्र उभरती डिजिटल प्रौद्योगिकियों में अंत:विषय अनुसंधान को बढ़ावा देगा और समन्वय स्थापित करेगा। यहां जारी एक बयान में कहा गया कि इंफोसिस के सह-संस्थापक के गोपालकृष्णन बुधवार को आयोजित उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि थे। समारोह वीडियो कांफ्रेंस के जरिए आयोजित किया गया था। अपने उद्घाटन भाषण में, गोपालकृष्णन ने इस पहल के लिए आईआईएम कोझिकोड को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि उद्योग इस केंद्र की गतिविधियों में एक सक्रिय भागीदार बनेगा।

कोल इंडिया की वित्त वर्ष के अंत तक बिजलीघरों में 4.5 करोड़ टन कोयला भंडार बनाने की योजना

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लि. (सीआईएल) ने कहा कि उसने चालू वित्त वर्ष के अंत तक ताप विद्युत संयंत्रों में अपने स्वयं के स्रोतों से कोयले के भंडार को बढ़ाकर 4.5 करोड़ टन से अधिक करने की योजना बनाई है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि उसका लक्ष्य विद्युत संयंत्रों में अब तक का सबसे बड़ा ईंधन भंडार बनाना है। सीआईएल ने कहा, "इससे पहले सबसे बड़ा भंडार, साल 2020 में 4.5 करोड़ टन का था।इसी महीने 11 दिसंबर को कोलकाता में आयोजित एक कार्यशाला में, कोयला सचिव अनिल कुमार जैन ने विद्युत संयंत्रों में स्वदेशी कोयले के साथ कोयले के भंडार को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया और कहा कि इसमें सीआईएल को प्रमुख भूमिका निभानी है। कार्यशाला में सीआईएल और उसकी अनुषंगियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया था।

नई दिल्ली में आईएमएफ चीफ अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलतीं हुईं

पेज एक का शेष

मोदी ने...

भेजा गया था। चारों मशालें सियाचिन, कन्याकुमारी, अंडमान निकोबार द्वीप समूह, लोंगेवाला, कच्छ के रण और अगरतला सहित समूचे देश में यात्रा कर नई दिल्ली पहुंची हैं। इन मशालों को 1971 के युद्ध से संबंधित प्रमुख क्षेत्रों और वीरता पुरस्कार विजेताओं के गृह नगरों में भी ले जाया गया था। प्रधानमंत्री ने इन चारों मशालों का राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर अनंत ज्वाला में विलय किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और तीनों सेनाओं के प्रमुख भी उपस्थित थे। मोदी ने बाद में एक ट्वीट में कहा, विजय दिवस के इस खास मौके पर मुझे राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित करने और उन चार मशालों को अनंत ज्वाला में विलय करने का सौभाग्य हासिल हुआ, जिन्हें पिछले एक वर्ष के दौरान देश के विभिन्न कोनों में ले जाया गया था। 1971 के युद्ध में भारत की विजय और बांग्लादेश के निर्माण को भारत में विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

विजय दिवस...

जिसमें देश के लिए 32 गोलियां खाने वाली इंदिरा गांधी का नाम निमंत्रण पत्र पर भी नहीं आया। हालांकि, उन्होंने कहा, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, नाम हो या न हो। मैं जानता हूं कि इंदिरा गांधी जी ने इस देश को अपना खून दिया। मुझे समझाने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि 1971 में मात्र 13 दिनों में मिली विजय का श्रेय केवल सेना या राजनीतिक नेतृत्व को ही नहीं दिया जा सकता बल्कि एकजुट खड़े हुए पूरे भारत की जनता को जाता है। उन्होंने कहा कि भारत के हर घर ने पाकिस्तान को एक साथ हराया था।

बांग्लादेश में...

संबंधों के 50 वर्ष के उपलक्ष्य में भी कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि भारत-बांग्लादेश दोस्ती की इस अनूठी बुनियाद का इतिहास हमेशा गवाह रहेगा, जो बांग्लादेश को आजाद कराने वाले जनयुद्ध के समय तैयार हुआ। उन्होंने 1971 के मुक्ति संग्राम को याद करते हुए कहा कि 50 साल पहले, दक्षिण एशिया का नक्शा बदल गया और बांग्लादेश के रूप में एक गौरवशाली राष्ट्र का जन्म हुआ। उन्होंने कहा, मेरी पीढ़ी के लाखों भारतीयों की तरह, हम एक दमनकारी शासन पर बांग्लादेश की जीत से उत्साहित थे और बांग्लादेश के लोगों के विश्वास और साहस से काफी प्रेरित थे। उन्होंने कहा कि दुनिया ने यह महत्वपूर्ण सबक सीखा है कि बहुसंख्यक लोगों की इच्छा को किसी भी बल, चाहे वह कितना भी क्रूर क्यों न हो, उससे दबाया नहीं जा सकता है। कोविंद ने कहा कि वास्तव में, शायद ही कभी मानवता ने इतने बड़े पैमाने पर बलिदानों को देखा हो, जैसा कि 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान देखा गया। राष्ट्रपति ने कहा, इस अवसर पर, मैं बांग्लादेश के लाखों लोगों, विशेष रूप से क्रूरता का सामना करने वाली बेटियों, बहनों और माताओं की अनकही पीड़ा की याद में श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। यह उनका बलिदान और बांग्लादेश के लिए निष्ठा थी जिसने क्षेत्र को बदल दिया।

जनरल एमएम...

12 अन्य लोगों की 8 दिसंबर को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई थी। सरकार ने नव-सृजित सीडीएस पद पर नौ सेना, वायु सेना और थल सेना तीनों प्रमुखों में से सबसे वरिष्ठ को चुनने के सिद्धांत पर काम किया और इसके तहत जनरल रावत पहले सीडीएस नियुक्त किए गए थे। यदि उसी सिद्धांत या परंपरा का पालन इस बार भी किया गया, तो जनरल नरवणे अपनी वरिष्ठता को देखते हुए अगले सीडीएस बन सकते हैं। सेना प्रमुख के रूप में उनका कार्यकाल अगले साल मार्च तक है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) ने 8 दिसंबर को नए सीडीएस सहित दुर्घटना के नतीजों की समीक्षा की थी। हालांकि, कोई निर्णय नहीं लिया जा सका।

शिवपाल से...

होना लगभग तय है। दोनों नेताओं के बीच होने वाले गठबंधन को लेकर अखिलेश यादव ने ट्वीट कर बयान भी जारी कर दिया। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को घेरने के लिए आखिरकार सपा मुखिया अखिलेश यादव और शिवपाल एक मंच पर आने के लिए तैयार हो गए। अखिलेश यादव गुरुवार को चाचा शिवपाल यादव से मुलाकात करने लखनऊ स्थित उनके आवास पर पहुंचे। करीब आधा घंटे चली इस मुलाकात के बाद समाजवादी पार्टी और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के गठबंधन के अटकलें बढ़ गई हैं। पिछले कई मौकों पर शिवपाल यादव की तरफ से गठबंधन की बात कही जाती रही है, लिहाजा आज की मुलाकात, चुनावों से पहले एक बड़ा सियासी घटनाक्रम माना जा रहा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट करके प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अपने चाचा शिवपाल सिंह यादव से मुलाकात की। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि इस मुलाकात के दौरान गठबंधन की बात तय हुई। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय दलों को साथ लेने की नीति सपा को निरंतर मजबूत कर रही है और सपा और अन्य सहयोगियों को ऐतिहासिक जीत की ओर ले जा रही है। वहीं दूसरी ओर प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने भी ट्वीट कर स्पष्ट कर दिया कि दोनों दल गठबंधन के साथ ही चुनाव लड़ेंगे। दोनों दलों के बीच फिलहाल सीटों को लेकर अभी कोई निर्णय साफ नहीं हुआ है लेकिन यह माना जा रहा है कि शिवपाल सिंह यादव द्वारा करीब एक दर्जन सीटों की मांग अखिलेश यादव के समक्ष रखी गई हैं।

नए साल...

करने का काम सबसे पहले किया जाना था। परिवहन विभाग के आदेश में कहा गया है कि उन वाहनों का पंजीकरण रद्द किया जा रहा है जिन्होंने अपना जीवनकाल पूरा कर लिया है। इसमें कहा गया है कि 10 साल पुराने डीजल वाहनों और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों के लिए देश में कहीं भी एनओसी जारी की जा सकती है। हालांकि यह इस शर्त के अधीन होगा कि उन स्थानों के लिए एनओसी जारी नहीं की जाएगी, जिन्हें राज्यों द्वारा पुन: पंजीकरण के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र के रूप में पहचाना जाता है।

एचएएल का हवाई इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम की आपूर्ति के लिए बीईएल के साथ अनुबंध

बेंगलुरु। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने एलसीए तेजस एमके।ए लड़ाकू विमान के हवाई इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के निर्माण एवं आपूर्ति के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि. (बीईएल) के साथ 2,400 करोड़ का अनुबंध किया है। बीईएल ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि 2023 से 2028 तक पांच वर्षों के अनुबंध में डिजिटल फ्लाइट कंट्रोल कंप्यूटर, एयर डेटा कंप्यूटर, हथियार कंप्यूटर की आपूर्ति शामिल है। इसके अलावा इस अनुबंध के तहत बीईएल द्वारा रडार चेतावनी रिसीवर (आरडब्ल्यूआर) से संबंधित एलआरयू से संबंधित महत्वपूर्ण एवियोनिक लाइन रिप्लेसेबल यूनिट्स (एलआरयू) और हेड अप डिस्प्ले की भी आपूर्ति की जाएगी। एचएएल के अनुसार यह अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है जो कंपनी ने आत्मनिर्भर भारत अभियान को बढ़ावा देने वाली किसी भी भारतीय कंपनी को दिया है।

क्रिप्टोकरेंसी उभरते बाजारों के लिए एक चुनौती, विनियमन की जरूरत: गोपीनाथ

भाषा। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने क्रिप्टोकरेंसी को विनियमित करने पर जोर देते हुए कहा कि उन पर प्रतिबंध लगाना हमेशा चुनौतीपूर्ण होगा, क्योंकि वे विदेशी बाजारों से संचालित होते हैं। गोपीनाथ ने क्रिप्टोकरेंसी को विनियमित करने के लिए एक वैश्विक नीति और समन्वित कार्वाई का भी सुझाव दिया।

उन्होंने बुधवार को आर्थिक शोध संस्थान नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, मुझे लगता है कि उभरते बाजारों के लिए क्रिप्टोकरेंसी खासतौर से एक चुनौती है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में क्रिप्टोकरेंसी और परिसंपत्तियों को अपनाना अधिक आकर्षक लगता है। भारत अनियमित क्रिप्टोकरेंसी से पैदा होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए संसद में एक विधेयक लाने पर विचार कर रहा है।

इस समय देश में क्रिप्टोकरेंसी पर कोई विशेष नियम या कोई प्रतिबंध नहीं है। गोपीनाथ, जो अगले साल की शुरुआत में आईएमएफ की उप प्रबंध निदेशक बनने वाली हैं, ने कहा कि विनियमन के लिए दुनिया भर के देश अलग-अलग कोशिश कर रहे हैं, हालांकि प्रतिबंध लगाने को लेकर स्पष्ट रूप से चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी देश सीमा-पार जटिल लेनदेन को देखते हुए क्रिप्टोकरेंसी की समस्या को अपने दम पर हल नहीं कर सकता है और इसके लिए तत्काल एक वैश्विक नीति की आवश्यकता है।

कोहली के मामले को बीसीसीआई पर छोड़ दीजिए: सौरव गांगुली

बोर्ड अध्यक्ष ने कोहली की प्रेस कांफ्रेंस पर टिप्पणी से इनकार किया

भाषा। कोलकाता

टेस्ट कप्तान विराट कोहली के सार्वजनिक रूप से विरोधाभासी बयान देकर भारतीय क्रिकेट में तूफान लाने के एक दिन बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि बोर्ड इससे निपटेगा।

दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रवाना होने से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कोहली ने कहा था कि जब उन्होंने टी-20 टीम की कप्तानी छोड़ने के अपने इरादे के बारे में बताया तो उन्हें कभी कप्तान बने रहने के लिए नहीं कहा गया। यह गांगुली के कुछ दिन पहले दिए गए बयान के बिलकुल विपरीत था जिन्होंने कहा था कि कोहली को आग्रह किया गया था कि वह पद नहीं छोड़ें। गांगुली ने गुरुवार को स्थानीय मीडियाकर्मियों से कहा कि कोई बयान, प्रेस कांफ्रेंस नहीं।

हम इससे निपटेंगे, यह बीसीसीआई पर छोड़ दीजिए। इस तरह की चर्चा थी कि बीसीसीआई ने कोहली की विस्फोटक प्रेस कांफ्रेंस के बाद चयन समिति के अध्यक्ष चेतन शर्मा को मीडिया को संबोधित करने को कहा गया था लेकिन बोर्ड ने अंततः कोई बयानबाजी नहीं की।

बुधवार को कोहली के बयान से प्रशासकों के साथ उनका तनाव उभरकर सामने आया था। कोहली ने गांगुली के बयान के संदर्भ में कहा था, जो फैसला किया गया उसे लेकर जो भी संवाद हुआ, उसके बारे में जो भी कहा गया वह गलत है।

कोहली ने कहा कि जब मैंने टी-20 कप्तानी छोड़ी तो मैंने पहले बीसीसीआई से संपर्क किया और उन्हें अपने फैसले के बारे में बताया और पदाधिकारियों कि सामने अपना नजरिया रखा। भारतीय कप्तान ने गांगुली के कुछ दिन पहले के बयान से बिलकुल विपरीत जानकारी देते हुए कहा कि मैंने कारण बताए कि आखिर क्यों मैं टी-20 कप्तानी छोड़ना चाहता हूं और मेरे नजरिए को अच्छी तरह समझा गया। कुछ गलत नहीं था, कोई हिचक नहीं थी और एक बार भी नहीं कहा गया कि आपको टी-20 कप्तानी नहीं छोड़नी चाहिए।

इससे पहले गांगुली ने कहा था कि कोहली के टी-20 कप्तानी छोड़ने पर पुनर्विचार नहीं करने के कारण चयनकर्ताओं को सीमित ओवरों के प्रारूप में रोहित को एकमात्र कप्तान बनाना पड़ा क्योंकि दो प्रारूपों में दो अलग कप्तान होने से नेतृत्व क्षमता का टकराव हो सकता था।

बड़े दौरे से पहले किसी पर ऊंगली उठाना सही नहीं: कपिल

नई दिल्ली। विश्व कप विजेता भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि कप्तानी के मसले पर बीसीसीआई से मतभेद उजागर करता विराट कोहली का बयान गलत समय पर आया है जिससे दक्षिण अफ्रीका के अहम दौरे से पहले अनावश्यक विवाद पैदा हो गया। दक्षिण अफ्रीका रवानगी से पहले मुंबई में प्रेस कांफ्रेंस में कोहली ने बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के इस बयान को गलत बताया कि बोर्ड ने उनसे टी-20 टीम की कप्तानी नहीं छोड़ने के लिए कहा था। इस बयान से कोहली और बीसीसीआई के बीच तनाव जगजाहिर हो गया है।

कपिल ने कहा कि इस समय किसी पर ऊंगली उठाना सही नहीं है। दक्षिण अफ्रीका का दौरा सामने है और उस पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मैं कहूंगा कि बोर्ड अध्यक्ष तो बोर्ड अध्यक्ष है हालांकि भारतीय टीम का कप्तान होना भी बड़ी बात है। एक दूसरे के बारे में हालांकि सार्वजनिक तौर पर खराब बोलना अच्छा नहीं है। चाहे वह सौरव हो या कोहली।

कोहली मामले में जल्दबाजी में कोई कदम नहीं उठाएगा बीसीसीआई

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान विराट कोहली की तूफानी प्रेस कांफ्रेंस से स्तब्ध भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इस संकट से निपटने के लिए विकल्पों पर विचार कर रहा है जबकि यह भी सुनिश्चित करेगा कि मैदान के बाहर के नाटकीय घटनाक्रम से महत्वपूर्ण टेस्ट श्रृंखला से पहले टीम का ध्यान भंग नहीं हो। भारतीय टेस्ट कप्तान कोहली ने तीन मैचों की श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से पहले प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा था कि उन्हें कभी टी-20 टीम की कप्तानी छोड़ने के लिए नहीं कहा गया। उनका बयान बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के बयान के विपरीत था जो उन्होंने मीडिया में दिया था।

अतीत में बामुश्किल ही ऐसे मामले देखने को मिले हैं जब भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार और मौजूदा कप्तान तथा अध्यक्ष पद पर काबिज पूर्व कप्तान के बयानों में विरोधाभास हो। पता चला है कि बुधवार को जो हुआ उससे बीसीसीआई में कोई भी खुश नहीं है लेकिन वे समझते हैं कि मामले के तुरंत हल के लिए उनकी कोई भी कड़ी प्रतिक्रिया नुकसानदेह हो सकती है। कोहली आज शाम दक्षिण अफ्रीका पहुंच गए जबकि कोलकाता में बोर्ड अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि वह कोई सार्वजनिक बयान नहीं देंगे।

पता चला है कि गांगुली और सचिव जय शाह सहित बीसीसीआई के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने बुधवार को जूम कॉल पर बात की जहां सामूहिक रूप से फैसला किया गया कि कोई भी प्रेस कांफ्रेंस नहीं करेगा और ना ही प्रेस विज्ञप्ति जारी करेगा। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया कि विशेषज्ञ का नजरिया जाना गया कि इस संवेदनशील मामले से कैसे निपटा जाए क्योंकि इससे अध्यक्ष के कार्यालय का सम्मान जुड़ा है। बीसीसीआई को पता है कि टेस्ट श्रृंखला होने वाली है और जल्दबाजी में लिया गया उनका कोई फैसला या बयान टीम का मनोबल प्रभावित कर सकता है।

कप्तान और अध्यक्ष के लिए सर्वश्रेष्ठ तरीका यह होगा कि दोनों बैठकर सौहार्दपूर्ण तरीके से मतभेद या संवादहीनता का हल निकालें। फिलहाल गांगुली या शाह के कप्तान से बात करने की संभावना कम है। सामान्य तौर पर केंद्रीय अनुबंध खिलाड़ी से संस्था या पदाधिकारियों के खिलाफ आलोचनात्मक टिप्पणी की उम्मीद नहीं की जाती लेकिन कोहली की जो हुआ उससे जुड़े एक सवाल के जवाब में दी गई प्रतिक्रिया नियमों को उल्लंघन है या नहीं, यह भी एक सवाल है इसलिए इस समस्या का कोई आसान हल नहीं होने वाला।

पहले दिन आस्ट्रेलिया का रहा दबदबा

दूसरा एशेज टेस्ट

● आस्ट्रेलिया ने दो विकेट पर 221 रन बनाए

डेविड वार्नर और लाबुशेन ने दूसरे विकेट की साझेदारी में 172 रन जोड़े

शतकीय साझेदारी के दौरान डेविड वार्नर और मार्नस लाबुशेन

एपी। एडीलेड

नए कप्तान पैट कमिंस के कोरोना वायरस से जुड़ी चिंताओं के कारण अंतिम समय में हटने के बावजूद आस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन-रात्रि एशेज क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड के खिलाफ दबदबा बनाते हुए दो विकेट पर 221 रन बनाए।

मार्नस लाबुशेन दो जीवनदान का फायदा उठाकर स्टंप के समय 95 रन बनाकर खेल रहे थे। उन्होंने सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर (95) के साथ दूसरे विकेट के लिए 172 रन जोड़े। दिन का खेल खत्म होने पर कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ 18 रन बनाकर लाबुशेन का साथ निभा रहे थे। दोनों तीसरे विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी कर चुके हैं।

स्मिथ 2018 में गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण के बाद पहली बार आस्ट्रेलिया की कप्तानी कर रहे हैं। मैच की पूर्व संध्या पर रेस्टोरेंट में रात्रिभोज के दौरान कमिन्स को कोविड-19 पॉजिटिव व्यक्ति का करीबी संपर्क माना गया जिसके कारण वह मैच से बाहर हो गए। स्मिथ ने टॉस जीता और इसके बाद लगभग सब कुछ आस्ट्रेलिया के पक्ष में रहा।

अनुभवी जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड की वापसी के बावजूद इंग्लैंड पूरे दिन में सिर्फ दो विकेट हासिल कर पाया। आस्ट्रेलिया ने आठवें ओवर में ब्रॉड की गेंद पर मार्कस हैरिस (03) का विकेट गंवाया जिनका विकेटकीपर जोस बटलर ने शानदार कैच लपका। बटलर ने हालांकि इसके बाद 21 और 95 रन के स्कोर पर लाबुशेन के कैच छोड़े। वार्नर ने खाता खोलने के लिए 20 गेंद ली। आस्ट्रेलिया ने पहले सत्र में धीमी बल्लेबाजी करते हुए एक विकेट पर 54 रन बनाए जबकि दूसरे सत्र में 28 ओवर में बिना विकेट गंवाए 84 रन जोड़े। वार्नर और लाबुशेन ने रात के सत्र में भी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए छठी शतकीय साझेदारी की। पिछले हफ्ते गाबा में 156 रन जोड़ने वाली इस जोड़ी की यह लगातार दूसरी शतकीय साझेदारी है। वार्नर हालांकि बेन स्टोक्स की बाहर जाती शॉर्ट गेंद पर कवर्स में ब्रॉड को आसान कैच दे बैठे। उन्होंने 167 गेंद की अपनी पारी में 11 चौके मारे।

स्टोक्स इससे पहले 35वें ओवर में दुर्भाग्यशाली रहे थे जब उनकी गेंद पर बटलर ने लाबुशेन का कैच टपका दिया था। गुरुवार को हालांकि अधिकांश नाटकीय घटनाक्रम मैच से पहले हुआ। टॉस से तीन घंटे पहले क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बताया कि कमिंस नहीं खेल सकेंगे जो बुधवार की रात एक रेस्टोरेंट में रात्रिभेज दौरान कोरोना संक्रमित किसी व्यक्ति के करीबी संपर्क में आ गए थे। उनकी कोरोना जांच रिपोर्ट हालांकि नेगेटिव आई है।

आस्ट्रेलिया के लिए स्मिथ पिछले तीन टेस्ट में तीसरे कप्तान हैं। टिम पेन ने चार साल पहले एक महिला सहकर्मी को अश्लील संदेश भेजने का मामला प्रकाश में आने के बाद पिछले महीने कप्तानी छोड़ दी थी।

सबसे अधिक प्रशंसित खिलाड़ियों में मेसी और रोनाल्डो के साथ तेंदुलकर शीर्ष तीन में

मुंबई। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को इंटरनेट आधारित अनुसंधान और सर्वे से जुड़ी कंपनी यूगोव के एक सर्वे में दुनिया के सबसे अधिक प्रशंसित व्यक्तियों में 12वें स्थान पर चुना गया है। इस साल यह सर्वे 39 देशों के 42,000 से अधिक लोगों के बीच किया गया। खेल नायकों में तेंदुलकर शीर्ष फुटबॉलर लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बाद तीसरे स्थान पर हैं।

पूर्णिमा पांडेय ने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

ताशकंद। भारतीय भारोत्तोलक पूर्णिमा पांडे ने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में गुरुवार को यहां महिलाओं के 87 किग्रा से अधिक के भार वर्ग में आठ राष्ट्रीय रिकार्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। पूर्णिमा ने कुल 229 किग्रा (102 किग्रा और 127 किग्रा) भार उठाकर पहला स्थान हासिल किया।

चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से आज भिड़ेगा भारत

भाषा। ढाका

धीमी शुरुआत के बाद अपनी लय हासिल करने वाली मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम शुक्रवार को यहां चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ एशियाई चैंपियन्स ट्राफी पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में अपने तीसरे राउंड रोबिन मैच में भी प्रयोग करना जारी रखेगी।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत नहीं कर पाया था। उसने पहले मैच में कोरिया को वापसी का मौका दिया और आखिर में यह मैच 2-2 ड्रा छूटा। कोरिया के प्रदर्शन से चकित भारतीय टीम बुधवार को बांग्लादेश के खिलाफ पूरी तरह से बदली हुई नजर आई और उसने एकतरफा मुकाबले में 9-0 गोल से जीत दर्ज की।

स्ट्राइकर दिलप्रीत सिंह ने मैदानी गोल से हैट्रिक जमाई, जबकि जरमनप्रीत सिंह ने भी दो गोल किए।

कोहली के बयान पर गांगुली को तस्वीर साफ करनी चाहिए

भाषा। नई दिल्ली

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि कप्तानी के मसले पर विराट कोहली के विरोधाभासी बयान पर सौरव गांगुली ही तस्वीर साफ कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई अध्यक्ष से पूछा जाना चाहिए कि यह विरोधाभास कैसे आया। कोहली के टी-20 कप्तानी छोड़ने के बाद गांगुली ने कहा था कि बीसीसीआई ने इस स्टार बल्लेबाज से फैसले पर पुनर्विचार के लिए कहा था। गांगुली ने हालांकि दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रवानगी से पहले प्रेस कांफ्रेंस में इसका खंडन किया।

गावस्कर ने कहा कि कोहली का बयान शायद बीसीसीआई के लिए नहीं है। मुझे लगता है कि उस व्यक्ति से सवाल पूछा जाना चाहिए कि कोहली को ऐसा संदेश कैसे गया। उन्होंने कहा कि गांगुली बीसीसीआई अध्यक्ष हैं और उनसे पूछा जाना चाहिए कि यह विरोधाभास क्यो है। वह ही इसके बारे में जवाब दे सकेंगे। कोहली ने यह भी कहा था कि चयन समिति के अध्यक्ष चेतन शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम के चयन से 90 मिनट पहले उन्हें बताया कि वह वनडे टीम के कप्तान नहीं हैं। गावस्कर ने कहा कि चयन समिति के अध्यक्ष ने कोई गलती नहीं की।

लखनऊ टीम के कोच की दौड़ में सबसे आगे एंडी फ्लावर

कोलकाता। जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान एंडी फ्लावर इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में लखनऊ टीम के मुख्य कोच के पद की दौड़ में सबसे आगे हैं। फ्लावर ने पंजाब किंग्स के सहायक कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है।

पिछले दो सत्र में पंजाब के कप्तान रहे केएल राहुल के लखनऊ टीम से जुड़ने की संभावना है। इस बारे में पूछने पर टीम के एक अधिकारी ने बताया कि हम कई नाम सुन रहे हैं। आज ही किसी ने लिखा कि गैरी कर्स्टन कोच बनने जा रहे हैं। हम कुछ लोगों से बातचीत कर रहे हैं लेकिन जब तक करार नहीं हो जाता, हम पुष्टि नहीं कर सकते।

एंडी फ्लावर 2020 आईपीएल से पहले पंजाब टीम से जुड़े और मुख्य कोच अनिल कुंबले के साथ पिछले दो सत्र में काम किया था।

सिंधू और श्रीकांत विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में

भाषा। हुएलवा (स्पेन)

गत चैंपियन पीवी सिंधू और किदांबी श्रीकांत ने गुरुवार को यहां अपने प्री क्वार्टर फाइनल एकल मुकाबलों में सीधे गेम में जीत के साथ बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

दुनिया की सातवें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने 10वें नंबर की थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को 48 मिनट चले प्रीक्वार्टर फाइनल मुकाबले में 21-14, 21-18 से हराया। छठी वरीय सिंधू की पोर्नपावी के खिलाफ आठ मैचों में यह पांचवीं जीत है जबकि तीन बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

सिंधू ने इसके साथ ही पोर्नपावी के खिलाफ मौजूदा सत्र में दो हार का बदला भी चुकता कर लिया। इस महीने की शुरुआत में पोर्नपावी ने बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के ग्रुप मैच में सिंधू को हराने से पहले मार्च में आल इंग्लैंड चैंपियनशिप में भी उन्हें शिकस्त दी थी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीय और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी चीनी ताइपे की ताइ चू यिंग से भिड़ेंगी जिन्होंने स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर को 21-10, 19-21, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। पुरुष एकल में 12वें वरीय श्रीकांत ने चीन के गैर वरीय गुआंग झू ल्यू को 21-10, 21-15 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

भारतीय जोड़ियों को हालांकि महिला और पुरुष युगल प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में शिकस्त का सामना करना पड़ा। अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की महिला युगल जोड़ी को जोंगकोलफान कितिथराकुल और रविंदर प्राजोंगजाई की थाईलैंड की जोड़ी के खिलाफ 13-21 15-21 से हार झेलनी पड़ी।

पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच वनडे श्रृंखला स्थगित

भाषा। कराची

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कैरेबियाई टीम में कोविड-19 के कई पॉजिटिव मामले पाए जाने के बाद गुरुवार को तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला स्थगित कर दी। पीसीबी और सीडब्ल्यूआई ने कराची में तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान संयुक्त बयान जारी करके कहा कि बुधवार को आरटी-पीसीआर परीक्षणों के परिणाम आने के बाद कोविड-19 के पॉजिटिव मामलों की संख्या नौ पहुंच गई है। संयुक्त बयान में कहा गया है, टीम के हितों तथा वनडे के लिए वेस्टइंडीज दल में सीमित संसाधनों को देखते हुए वनडे श्रृंखला को जून 2022 तक स्थगित करने पर सहमति बनी। यह श्रृंखला आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग का हिस्सा है। इसके अनुसार इससे वेस्टइंडीज को भी विश्व कप क्वालीफिकेशन मैचों में अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को उतारने का समान मौका मिलेगा।

शाइ होप

वेस्टइंडीज के जिन खिलाड़ियों का परीक्षण नेगेटिव आया है वे तीसरा टी-20 समाप्त होने के बाद गुरुवार को ही स्वदेश रवाना हो जाएंगे।

PUBLIC NOTICE

I Mrs Jyoti Basanti Minj intend to purchase Flat No. 803 Block GH4 DDA LIG flat Rohini Sector-28, New Delhi from Mr Raja Jepher Beck. I wish to create mortgage on the said property for a loan from SBI, RACPC Rohini Pearl Best Height 1 NSP Pritampura Delhi 34 (Br code 15653) Original possession letter dt 26/7/12, Original possession slip, Original NOC for water and electricity issued from DDA relating to the property have been lost. FIR has been lodged with police vide LR no 1061553/2021 dt 16/12/21. In case any party has any claim towards the said property the same should be lodged with the intending party and also with the above stated branch of SBI within 15 days from the publication of this notice.

Mrs Jyoti Basanti Minj R/O H-3/53 2nd floor Sector 16, Rohini, New Delhi 110089

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that Gurbakshish Singh Batra is the owner of Property bearing MCD no.1511, Plot no.54,55 and 56 measuring 266 sq.yds situated at Kotla Mubarakpur Known as Chunk Chambelee-wala Wazir Nagar New Delhi vide 2 Relinquishment Deeds dated 8/3/21 and 8/3/21 (Doc No. 1195 & 1196) executed by Harpal Singh Batra through Ajay Kuamr Malik, Rani Malik, Rakhi Luthra (legal heirs of Late Ram Singh)

All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned. **Kamal Kant Gupta (Advocate)**
Shop No. 5 & 6, Pkt-E, CSC, Mayur Vihar-II, Delhi-91, Mob. 9810063351

TECHNOFAB ENGINEERING LIMITED

पंजि० कार्यालयः 913, हेमकुंत चैंबर्स, 89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110 019,
सीआईएन : L74210DL1971PLC005712
दूरभाष : +91-11-2641-1931 / 2641-5961
ईमेल : cs@technofabengineering.com
वेबसाईट : www.technofabengineering.com

सूचना

यह सूचित करना है कि 30 सितम्बर 2021 को समाप्त तिमाही और छमाही के वित्तीय परिणामों पर विचार करनें और अनुमोदन करने के लिए कंपनी के कॉर्पोरेट कार्यालए में **22 दिसम्बर 2021** को एक बोर्ड बैठक होने वाली है। कृपया ध्यान दें कि ट्रेडिंग विंडो 24 दिसम्बर 2021 तक संबंधित व्यक्तियों के लिए बंद रहेंगी।

कृते टेक्नोफैब इंजिनियरिंग लिमिटेड
तिथिः 16.12.2021 — अरुन सिंह
स्थानः नई दिल्ली — कंपनी सचिव

PUBLIC NOTICE

This is to inform general public that Sh. Ashwani Kumar @ Ashwani Lunais the owner of the Property No. 1073-1074 (Old no. 192), Mohalla Habitat Pura, area measuring 66.89 Sq. Meters i.e., 80 Sq. yards, out of Khasra No. 53, situated Najafgarh township, New Delhi-110043 vide Sale Deed dated 11.06.2018 (Doc. No. 239). Sh. Ashwani Kumar @ Ashwani Luna has misplaced the Original Sale Deed dated 29.05.2004 (Document no. 3882) executed by Smt. Neelam in favour of Mr. Deepak Bajaj in respect of the ground floor, area measuring 60 Sq. yards.& Original Sale Deed dated 27.05.2004 (Doc No. 3883) executed by Smt. Neelam in favour of Smt. Santosh Bajaj in respect of first floor and Original Sale Deed dated 13.12.2004 (Doc No. 11457) executed by Smt. Santosh Bajaj in favour of Sh. Deepak Bajaj in respect of the first floor &OriginalSale Deed dated 27.05.2004 (Doc no. 3883) executed by Smt. Neelam in favour of Smt. Santosh Bajaj in respect of the2nd floor, with roof right of the property & Original Sale Deed dated 13.12.2004 (Doc no. 11455) executed by Smt. Santosh Kumari in favour of Sh. Manoj Bajaj and Sh. Darshan Lal Bajaj in respect of the 2nd floor, with roof right of the property and anyone who find the above said documents shall handover the same to the Manager of Clix Housing Finance Ltd. having its office at 4th Floor, Kailash Building Kasturba Gandhi Marg, Connaught Place New Delhi-110001. Sh. Ashwani Kumar @ Ashwani Lunais availing loan on this property from Clix Housing Finance Ltd. by mortgaging the said property. In case anyone has any objection regarding mortgage of the said property, the same may be raised within 7 days of this publication to **Mr. Muneesh Dhawan / Mr. Sudhir Jain** (Advocates), **Law Veritas,** Unit no 907, 9th Floor, GD-ITL Tower, (B-08), Netaji Subhash Place, Delhi-110034 or contact at (M). 9066707172/9818228636

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank — **शाखा कार्यालयः** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर -23, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली -110005

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।
कर्जदार/सह-कर्जदार/जमानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है अतएव एतद् द्वारा कर्जदार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्जदार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्जदार/ सह-कर्जदार का नाम/ खाता क्र.	सम्पति का विवरण/ सांकेतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	मेसर्स ओनिक्स इंडस्ट्रीज/ यतिन मागु/ अनु मागु/ अशोक मागु/ खाता क्रमांक 629351001201	1. प्लॉट नंबर- 3ए जीएफ, ब्लॉक- जे/10, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली 110027/2. 56/1, ब्लॉक ए, रेवाड़ी लाइन, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, अपोजिट- एसबीआई ब्रांच, मायापुरी, नई दिल्ली- 110064/ दिसंबर 13, 2021	जुलाई 31, 2021 ₹ 4,11,22,469/-	मायापुरी

उपरोक्त दर्शाये गये कर्जदार/सह-कर्जदार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।
दिनांक: दिसम्बर 17, 2021 — प्राधिकृत अधिकारी
स्थान: दिल्ली/ एनसीआर — आईसीआईसीआई बैंक लि.

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, अनुरक्षण खण्ड, उत्तराखण्ड जल संस्थान,
लेन नं0-1, तरूण विहार, मोथरोवाला रोड, देहरादून-248001, Phone No/Fax. 0135 2671940 Mail ID- eemdujs@rediffmail.com

पत्रांक : 3704/ई-निविदा/2021-22 — दिनांक : 16/12/2021

ई-निविदा सूचना

मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा, टू-बिड सिस्टम (तकनीकी बिड एवं कॉर्मिशियल बिड) आधार पर निम्नानुसार आमंत्रित की जाती हैं :-

निविदा क्रमांक सं.	कार्य विवरण	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की तिथि एवं समय	ई-निविदा प्रपत्र अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय	तकनीकी बिड खोले जाने की तिथि एवं समय	निविदा की वैधता
1	2	3	4	5	6	7
1	विकासखण्ड विकासनगर में जलोत्सारण योजना के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त लाईनो के स्थान पर नई लाईन बिछाने, मैन होल चैम्बर का निर्माण/मरम्मत/रेजिंग आदि तत्सम्बन्धी कार्य।	As Per GO UK Order No. 121 /XXVII (7) / 21 - 32/2007 टी0सी0 दिनांक 29-04-2021 Bidder has to submit bid Security Declaration	17.12.2021 from 11.00 a.m.	30.12.2021 upto 05.00 p.m.	31.12.2021 from 11.00 a.m.	90 days
2	विकासनगर जलोत्सारण योजना के अन्तर्गत 600 एम0एस0 व्यास की मेन ट्रंक लाईन बदलने कार्य।					

अर्हता:-निविदा क्रमांक 01 हेतु "C" एवं उच्च श्रेणी एवं क्रमांक 02 हेतु "A" श्रेणी उत्तराखण्ड जल संस्थान/उत्तराखण्ड पेयजल निगम में सीवर कार्यो हेतु पंजीकृत ठेकेदार/फर्म ही निविदा में प्रतिभाग करने हेतु पात्र होंगे।

ई-निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारियां व शर्तें उत्तराखण्ड राज्य की वेबसाइट www.uktenders.gov.in पर ऑन लाइन देखी/प्राप्त की जा सकती हैं।

"जल संचय-जीवन संचय" — अधिशासी अभियन्ता

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank — **शाखा कार्यालयः** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर -23, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली -110005

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कर्जदार और डीएचएफएल के बीच हुए ऋण अनुबंध के अनुसरण में मंजूर की गई आवास ऋण सुविधा के संबंध में प्रतिभूति के प्रवर्तन के संबंध में, निम्नवर्णित कर्जदारों को (बुनियादी समूह दीवान हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड द्वारा आईसीआईसीआई बैंक को समनुदेशित किए जाने पर) मांग सूचनाएं जारी की थी, जिसमें उनसे सूचना में वर्णितानुसार बकाया राशि का भुगतान, उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी।
कर्जदार उपरोक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतद्द्वारा कर्जदार और जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा निम्नवर्णित तिथियों को प्राप्त कर लिया है।
कर्जदार को विषेश रूप से तथा जन साधारण को एतदद्वारा उक्त सम्पत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करने हेतु सावधान किया जाता है तथा उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड की बकाया राशि के प्रभाराधीन होगा।

क्र.	कर्जदार का नाम/(ऋण खाता नंबर) (डीएचएफएल पुराना ऋण खाता नंबर एवं आईसीआईसीआई नया ऋण खाता नंबर)	सम्पति का विवरण/ सांकेतिक कब्जे की तिथि	मांग सूचना की तिथि/ मांग सूचना में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	गीता तोमर / विवेक कुमार (19700044301 & QZGUR00005014744)	प्लॉट नंबर 116-ए, तीसरी मंजिल (बैक साइड) रूफ टेरेस राइट्स के साथ, खसरा नंबर 220 और 221, ग्राम नवादा, भगवती गार्डन एक्सटेंशन ब्लॉक- ए, उत्तम नगर नई दिल्ली/दिसंबर 13, 2021	जुलाई 08, 2021 ₹. 13,89,344/-	दिल्ली/ एनसीआर
2.	संजय/ संतोष कुमारी (13000002323 & QZGUR00005034992)	बैक साइड बिल्ट अप तीसरी मंजिल, छत के अधिकार के साथ, प्रॉपर्टी बेयरिंग नंबर 11 से बाहर, खसरा नंबर 78/5 और 67/25/1, ग्राम हस्तसाई, महेश विहार कॉलोनी, ओम विहार- आईआईए, उत्तम नगर, नई दिल्ली, दिल्ली/दिसंबर 13, 2021	जुलाई 08, 2021 ₹. 23,21,025/-	दिल्ली/ एनसीआर
3.	सुभाष चंद/ निशा खंडेलवाल (13100001794 & QZNOD00005035547)	प्रो नंबर 40/19, यूजीएफ (फ्रंट साइड), गलि नंबर 5, राज नगर पार्ट- 1, पालम कॉलोनी, दिल्ली, नई दिल्ली- 110045/ 13 दिसंबर, 2021	जुलाई 08, 2021 ₹. 22,48,389/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाये गये कर्जदार/सह-कर्जदार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।
दिनांक: दिसम्बर 17, 2021 — प्राधिकृत अधिकारी
स्थान: दिल्ली/ एनसीआर — आईसीआईसीआई बैंक लि.

बांग्लादेश में भव्य विजय दिवस परेड का आयोजन

विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

भाषा । ढाका

बांग्लादेश द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ मुक्ति संग्राम में अपनी जीत के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे कार्यक्रम के तहत बृहस्पतिवार को विजय दिवस परेड में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। इस परेड में शानदार एरोबेटिक्स और रक्षा साजो-सामान का प्रदर्शन करते हुए सैन्य शक्ति को दर्शाया गया।

राष्ट्रीय परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में बांग्लादेश के राष्ट्रपति एम अब्दुल हामिद और प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ-साथ मंत्री, राजनयिक और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुए। परेड में भारतीय सेना के तीनों अंगों से 122 सदस्यीय दल ने भी हिस्सा लिया।

भारतीय सेना ने जैसे ही मार्च पास्ट किया, परेड देखने आए लोगों ने उनका उत्साहवर्धन किया और 1971 के बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में भारत के योगदान को स्वीकार किया। विजय दिवस परेड के अवसर पर भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की विंग कमांडर टी आशा ज्योतिर्मई ने यहां बांग्लादेश वायु सेना के स्काई डाइवर के साथ एक संयुक्त स्काई डाइविंग का प्रदर्शन किया।

अपनी तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर यहां आए राष्ट्रपति कोविंद बांग्लादेश के विजय दिवस की स्वर्ण जयंती के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। राष्ट्रपति हामिद और प्रधानमंत्री हसीना ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर राष्ट्रपति कोविंद व प्रथम महिला सविता कोविंद का स्वागत किया।

राष्ट्रपति भवन ने ट्वीट किया, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ढाका के राष्ट्रीय परेड ग्राउंड में विजय दिवस परेड में भाग लिया। भारतीय सशस्त्र बलों के 122 सदर्स्यीय त्रि-सेवा दल ने भी विजय दिवस समारोह में हिस्सा लिया। कोविंद समारोह में शामिल होने वाले अकेले विदेशी राष्ट्राध्यक्ष थे। प्रधानमंत्री शेख हसीना को परेड ग्राउंड पर मार्च-पास्ट, फ्लाईपास्ट, एरोबेटिक्स प्रदर्शन, विभिन्न रेजिमेंट के शस्त्रों के प्रदर्शन और सशस्त्र बलों की टुकड़ियों की सराहना करते हुए देखा गया।

भारत के अलावा, रूस और भूटान के सैन्य दल भी परेड में शामिल हुए। मार्च-पास्ट के दौरान उनका भव्य सैन्य बैंड भी साथ था। बांग्लादेश की आजादी के बाद यह पहला मौका था जब विदेशी सैनिकों ने विजय दिवस समारोह में भाग लिया। एक सैन्य बैंड सहित 122 सदस्यों के साथ परेड में शामिल होने वाला भारतीय दल सबसे बड़ा था। अमेरिका और मैक्सिको ने सैन्य पर्यवेक्षक समूहों को भेजा, जिन्होंने परेड में भाग लिया।

बांग्लादेश की सेना, नौसेना, वायु सेना और अन्य अर्धसैनिक इकाइयों के साथ-साथ गैर-सैन्य और उपयोगिता सेवाओं व मंत्रालयों के 23 दल परेड में शामिल हुए। सशस्त्र बलों ने एक प्रभावशाली मार्च-पास्ट और फ्लाई-पास्ट के साथ-साथ नेशनल परेड स्क्वायर में आयोजित समारोह में अपने रक्षा साजो-सामान और हथियारों का भी प्रदर्शन किया।

इस साल 26 जनवरी को नई दिल्ली में भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में एक बांग्लादेशी त्रि-सेवा दल ने भी भाग लिया। इससे पहले राष्ट्रपति हामिद और प्रधानमंत्री हसीना ने सावर स्थित राष्ट्रीय स्मारक पर माल्यार्पण कर मुक्ति संग्राम के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। आज के ही दिन 1971 में 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों का नेतृत्व कर रहे लेफ्टिनेंट जनरल आमिर अब्दुल्ला खान नियाजी ने ढाका में लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के नेतृत्व में भारतीय सेना के समक्ष आत्मसमर्पण किया था।

राष्ट्रपति कोविंद ढाका के जीर्णोद्धार किए गए रमणा काली मंदिर का उद्घाटन करेंगे

भाषा । ढाका

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जीर्णोद्धार किए गए ऐतिहासिक श्री रमणा काली मंदिर का शुक्रवार को उद्घाटन करेंगे। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने इसे दोनों देशों के लिए बेहद भावुक क्षण बताया। गौरतलब है कि 1971 में पाकिस्तानी सेना ने इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था, जिसका जीर्णोद्धार किया गया है।

कोविंद बांग्लादेश के राष्ट्रपति एम. अब्दुल हामिद के न्योते पर अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर ढाका आए हुए हैं।

इस दौरान वह 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश की आजादी की स्वर्ण जयंती समारोह में हिस्सा लेंगे। श्रृंगला ने कहा कि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 17 दिसंबर को श्री रमणा काली मंदिर का उद्घाटन करेंगे। पाकिस्तान की सेना ने 1971 के ऑपरेशन सर्चलाइट में मंदिर को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया था।

श्रृंगला ने बुधवार को पत्रकारों से कहा था, ऐसे में यह बहुत ही समुचित है कि हम ठीक 50 साल बाद हम जीर्णोद्धार के उपरांत रमणा काली मंदिर का उद्घाटन करने जा रहे है और यह सिर्फ सांकेतिक नहीं है, यह दोनों देशों के लिए बहुत भावनात्मक पल है। ढाका ट्रिब्यून में प्रकाशित खबर के अनुसार, राष्ट्रपति कोविंद ने मंदिर समिति के सदस्यों के साथ विचारों के आदान-प्रदान में भी रुचि दिखाई है। ऑपरेशन सर्चलाइट , 1971 में पाकिस्तानी सेना ने मंदिर को पूरी तरह से तोड़ दिया था। कुछ खबरों के अनुसार, मंदिर को आग लगा दी गई थी और इस घटना में श्रद्धालुओं और मंदिर में रहने वाले तमाम लोग मारे गए थे। भारत ने मंदिर के जीर्णोद्धार का पूरी तरह समर्थन किया।

कोविंद ने बांग्लादेश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेंट की मिठाई

ढाका । राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बांग्लादेशी समकक्ष अब्दुल हामिद और प्रधानमंत्री शेख हसीना को राष्ट्रपति भवन की बेकरी में बनी मिठाइयां, केक और नमकीन सद्भावना के तौर पर भेंट किए हैं। इससे दोनों पड़ोसी देशों के रिश्तों को अपनेपन का स्पर्श मिलेगा और शीर्ष नेताओं के संबंध प्रगाढ़ होंगे।

सीरिया के लोगों को सीमा पार से सहायता मिलना जरूरी है : संयुक्त राष्ट्र प्रमुख

एपी । न्यूयॉर्क

संयुक्त राष्ट्र के महसचिव एंतोनियो गुतारेस का कहना है कि विद्राहियों के नियंत्रण वाले उत्तर-प78श्चम सीरिया में तुर्की के रास्ते पहुंचाई जाने वाली संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता की कड़ी निगरानी की जा रही है और वह बेहद महत्वपूर्ण बना हुआ है। गुतारेस ने कहा कि चुनौतियों के बावजूद मानवीय सहायता पहुंचाई जा रही है और सेवाएं दी जा रही हैं, पूरे देश में यह सैद्धांतिक और पारदर्शी तरीके से किया जा रहा है। गुतारेस ने उक्त बातें एक रिपोर्ट में कही हैं जो संयुक्त राष्ट्र में आंतरिक रूप से दी गई है, एसोसिएट प्रेस को यह रिपोर्ट प्राप्त हुई है। सीरिया काउंसिल का सदस्य नहीं है, लेकिन उसने सीमा पार से आने वाले काफिलों को राजनीतिक और गैरजरूरी बताया है। पिछले साल तीन अन्य क्रासिंग के रास्ते आपूर्ति बंद कराने के लिए वीटो धमकी का उपयोग करने वाले करीबी सहयोगी रूस ने इस साल गर्मियों में कहा था कि मानवीय सहायता संघर्ष वाले रास्तों से सीरिया भेजी जानी चाहिए ताकि पूरे देश पर सरकार की सम्प्रभुता को बल मिल सके।

संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों, अमेरिका, यूरोपियों और अन्य का कहना है कि सीमा पार से होने वाली आपूर्ति महत्वपूर्ण है और उन्हें रोकने का अर्थ है कि लाखों की संख्या में सीरियाइयों पर इसका भयंकर दुष्प्रभाव होगा। हालांकि यह समझौता समाप्त होने से महज एक दिन पहले परिषद ने जुलाई में फिर से समझौता कर लिया। सदस्य बाब अल-हावा के रास्ते 10 जनवरी, 2022 तक आपूर्ति जारी रखले पर तैयार हो गए। साथ ही अगर गुतारेस अभियान की पारदर्शिता और सीरिया के भीतर सहायता आपूर्ति पर ठोस रिपोर्ट देते हैं तो इस समझौते की अवधि स्वत: छह महीने के लिए बढ़ जाएगी। इस नई रिपोर्ट में गुतारेस ने विस्तार में बताया है कि किस प्रकार सीमा पार से आने वाली खेपों की जांच हो रही है और उनोंका पता लगाया जा रहा है। वह इसे दुनिया के, सबसे करीब से निगरानी करने वाले अभियानों में से एक बताते हैं।

इजराइल ने सैन्य ठिकानों पर दागी मिसाइलें : सीरिया

दमिश्क । सीरिया की सेना ने दावा किया है कि इजराइल ने बृहस्पतिवार को तड़के उसके सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर मिसाइलों से हमला किया, जिसमें एक सैनिक की मौत हो गई और सैन्य ठिकानों को क्षति पहुंची। सीरिया के सरकारी मीडिया ने एक सैन्य अधिकारी के हवाले से यह जानकारी दी। सैन्य अधिकारी ने कहा कि इजराइल के कब्जे वाले गोलन हाइट्स से दागे गए रॉकेटों का सीरियाई वायु रक्षा प्रणाली ने समय रहते पता लगाकर अधिकतर मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया।

दक्षिणी फिलीपींस के कागायन डी ओरो शहर में टाइफून के कारण आई बाढ़ के दौरान एक लड़की की सहायता करता तटरक्षक

रूस के साथ तनाव बढ़ने के बीच ईयू, पूर्व सोवियत देशों के नेताओं ने की मुलाकात

एपी । ब्रसेल्स

रूस के साथ तनाव बढ़ने के बीच यूरोपीय संघ (ईयू) के नेताओं ने बुधवार को यूक्रेन और चार अन्य पूर्व सोवियत गणराज्यों के अपने समकक्षों से मुलाकात की और राजनीतिक, व्यापार, ऊर्जा और सांस्कृतिक संबंधों को गहरा करने का संकल्प लिया।

यूरोपीय संघ के ईस्टर्न पार्टनरशिप में आर्मेनिया, अजरबैजान, बेलारूस, जॉर्जिया, मोल्दोवा और यूक्रेन शामिल हैं। बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको इस मंच का बहिष्कार कर रहे हैं क्योंकि पिछले साल उनके पुन: निर्वाचन में कथित धोखाधड़ी को लेकर सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर कार्वाई की खबरों के बाद यूरोपीय संघ ने प्रतिबंध लगाए थे।

बेलारूस का झंडा शिखर सम्मेलन की मेज पर उस जगह लगा है, जहां लुकाशेंको बैठने वाले थे। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेएन ने कहा, कमरे में एक कुर्सी खाली है और मुझे उम्मीद है कि यह कुर्सी जल्द ही एक वैध, लोकतांत्रिक रूप से चुने गए बेलारूसी नेता से भर जाएगी।

ईस्टर्न पार्टनरशिप की स्थापना 2008 में रूस द्वारा जॉर्जिया में सैनिकों को भेजे जाने के बाद की गई थी,इस कदम से पूरी दुनिया हैरान रह गई थी। साझेदारी का उद्देश्य छह देशों के बीच संबंधों को सुधारना और गहरा करना है, इनमें से अधिकांश रूस के साथ सीमा साझा करते हैं और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ऊर्जा के गढ़ हैं।

शिखर सम्मेलन की अंतिम घोषणा के अनुसार, बैठक का उद्देश्य समान मूलभूत मूल्यों पर आधारित रणनीतिक, महत्वाकांक्षी और दूरंदर्शी साझेदारी के लिए मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि करना है।

ब्रसेल्स में पांच घंटे की बातचीत के बाद जारी किए गए घोषणा पत्र में भाग लेने वाले 32 देशों ने कहा कि वे समाज में लोकतंत्र और कानून के शासन को और मजबूत करने के अपने संयुक्त दृढ़ संकल्प से बंधे हैं।

राष्ट्रीय अभिलेखागार ने कैनेडी की हत्या की जांच से जुड़े दस्तावेज किए सार्वजनिक

वाशिंगटन । राष्ट्रीय अभिलेखागार ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की 1963 में की गई हत्या के मामले की, सरकार की जांच से संबंधित लगभग ।,500 दस्तावेजों को बुधवार को सार्वजनिक कर दिया।

राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस संबंध में अक्टूबर में समय सीमा तय की थी, जिसके तहत ही इन गोपनीय केबल , आंतरिक ज्ञापनों और अन्य दस्तावेजों को सार्वजनिक किया गया। यह कदम एक संघीय कानून को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, जो सरकार के पास मौजूद दस्तावेजों को सार्वजिनक करने से जुड़ा है। अभी तत्काल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इन दस्तावेजों के खुलासे के बाद 22 नवंबर, 1963 को बंदूकधारी ली हार्वे ओसवाल्ड द्वारा डलास में कैनेडी की हत्या किए जाने के मामले को लेकर आम लोगों की सोच में कोई बदलाव आ सकता है या नहीं। दस्तावेजों में केन्द्रीय खुफिया एजेंसी के केबल और ज्ञापन शामिल हैं, जिनमें ओसवाल्ड के द्वारा किए गए खुलासे पर चर्चा का ब्यौरा है। हालांकि, इनमें मैक्सिको सिटी में सोवियत संघ और क्यूबा के दूतावासों के दौरे के साथ-साथ हत्या के बाद के दिनों में, कैनेडी की हत्या में क्यूबा की भागीदारी की आशंका के बारे में स्पष्ट रूप से कुछ भी नहीं कहा।

बाइडन ने कैरोलिन कैनेडी मिशेल क्वान को राजदूत के तौर पर नामित किया

एपी । वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बुधवार को घोषणा की कि वह पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा प्रशासन के दौरान जापान में राजदूत के रूप में सेवा देने वालीं, दिवंगत राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की बेटी कैरोलिन कैनेडी को ऑस्ट्रेलिया में राजदूत के तौर पर और प्रसिद्ध अमेरिकी ओलंपिक स्केटर मिशेल क्वान को बेलीज में अपने मुख्य दूत के रूप में सेवा करने के लिए नामित कर रहे हैं। कैनेडी ने 2020 में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की प्राथमिक प्रक्रिया में अपेक्षाकृत पहले ही बाइडन को अपना समर्थन दे दिया था। अपने समर्थन की घोषणा करने के लिए बोस्टन ग्लोब के एक संपादकीय में उन्होंने एक लोक सेवक के रूप में लंबे करियर के लिए बाइडन की प्रशंसा की थी और जब वह राजदूत थीं तब उपराष्ट्रपति के रूप में बाइडन के तोक्यो दौरे को याद किया था। कैनेडी ने एक बयान में प्रशांत महासागर में सोलोमन द्वीपवासियों और ऑस्ट्रेलिया के तट पर नजर रखने वालों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अगस्त 1943 में जापानियों द्वारा चालक दल की मोटर टारपीडो नाव को डुबो दिए जाने के बाद उनके पिता की जान बचाई थी। कैनेडी ने कहा कि अगर मेरे नाम को मंजूरी मिली, तो मैं इस कर्ज को चुकाने के लिए कड़ी मेहनत करूंगी। मैं अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंधों को मजबूत करने, वैश्विक स्वास्थ्य में सुधार और इस भयानक महामारी के दौरान टीके की पहुंच बढ़ाने तथा तत्काल जलवायु संकट को दूर करने के वास्ते ऑस्ट्रेलिया सरकार के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक हूं। मैं ऑस्ट्रेलिया के लोगों, इस दिलचस्प देश को जानने और अमेरिका के बारे में अपनी पसंद को उनके साथ साझा करने के लिए उत्साहित हूं।

बाइडन ने कैनेडी परिवार की एक अन्य सदस्य, पेशे से वकील, और सांसद टेड कैनेडी की विधवा विक्टोरिया कैनेडी को ऑस्ट्रिया में अपने राजदूत के रूप में नियुक्त किया। सीनेट में अक्टूबर में उनके नाम की पुष्टि की जा चुकी है।।

श्रीलंका सरकार ने चार हजार सिंहली महिलाओं की नसबंदी के आरोपी डॉक्टर को बहाल किया

भाषा । कोलंबो

श्रीलंका की सरकार ने उस मुस्लिम डॉक्टर को बृहस्पतिवार को बहाल कर दिया, जिसे सिंहली बौद्ध समुदाय की 4,000 से अधिक महिलाओं की अवैध नसबंदी करने के आरोप में अनिवार्य छुट्टी पर भेज दिया गया था। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में यह भी ऐलान किया है कि डॉ शफी शिहाबदीन को अनिवार्य अवकाश पर भेजे जाने की अवधि के दौरान का बकाया वेतन भी दिया जाएगा। कुरुनेगला सरकारी अस्पताल के डॉक्टर शिहाबदीन को मई 2019 में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें बाद में इस आरोप में सेवा से निलंबित कर दिया गया था कि उन्होंने सिजेरियन डिलीवरी (सिजेरियन के माध्यम से बच्चे का जन्म) करने के बाद बहुसंख्यक सिंहली बौद्ध समुदाय की चार हजार से अधिक महिलाओं की नसबंदी की थी। उनका मकसद सिंहली जाति को खत्म करना था। डॉक्टर (42) पर जिहादी समूह का सदस्य होने का भी आरोप लगाया गया था, जिसने 2019 में ईस्टर रविवार को हमलों को अंजाम दिया था, जिसमें 11 भारतीयों सहित 270 लोग मारे गए थे। शिहाबदीन ने आरोपों से इनकार किया था और बाद में उन्हें जुलाई 2019 में जमानत मिल गई थी। पुलिस जांच में आरोप साबित नहीं हुए। अदालत में सुनवाई के दौरान आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के अधिकारियों ने कहा था कि डॉक्टर के खिलाफ आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं। पिछले साल जनवरी में शिहाबदीन ने लोक सेवा आयोग की स्वास्थ्य सेवा समिति से अनुरोध किया था कि उन्हें बहाल किया जाए। उन्होंने मौलिक अधिकार से संबंधित एक याचिका भी दायर की थी जिसमें उन्होंने गिरफ्तारी और हिरासत को गैरकानूनी घोषित करने का आदेश देने की मांग की थी। शिहाबदीन ने 2015 में सत्तारूढ़ यूनाटिड नेशनल पार्टी (यूपीएन) के टिकट पर संसदीय चुनाव लड़ा था लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। उल्लेखनीय है कि श्रीलंका में हुए एक विस्फोट के बाद मुस्लिमों के प्रति घृणा के मामलों में बढ़ोतरी देखी गयी है।

ब्रिटेन में ओमीक्रोन के मामलों में वृद्धि के बीच जश्न व कार्यक्रम में कमी करने का आग्रह

लंदन । ब्रिटेन में लोगों से क्रिसमस पूर्व जश्न एवं कार्यक्रमों में अधिक भीड़भाड़ से बचने का प्रयास करने और कोविड-19 के तेजी से फैलने वाले स्वरूप ओमीक्रोन के मद्देनजर संक्रमण के मामलों में वृद्धि का प्रबंधन करने का आग्रह किया जा रहा है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय ने हाल के समय में लॉकडाउन पाबंदियां बढ़ाने की किसी योजना से इनकार किया है। देश में वर्तमान समय में घर से काम करने के साथ ही मास्क लगाने और बड़े कार्यक्रमों के लिए कोविड-19 टीकाकरण प्रमाणपत्र जरूरी किया गया है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने सरकार के बूस्टर डोज दृष्टिकोण को दोहराया। जॉनसन के नेतृत्व में मंत्रियों और विशेषज्ञों की एक टीम ने लोगों को सलाह दी कि समारोहों में शामिल होने से पहले कोविड-19 जांच कराएं। ब्रिटेन में बुधवार को कोविड-19 के 78,610 मामले सामने आए। यह संख्या पिछले साल महामारी शुरू होने के बाद से देश में सबसे ज्यादा है। जॉनसन ने कहा किजाने से पहले ध्यान से विचार करें। उन्होंने कहा कि आइए ओमीक्रोन का कड़ाई से मुकाबला करें। आइए इसके प्रसार की गति को धीमा करें। मास्क पहनें, यदि आप किसी ऐसे कार्यक्रम में जा रहे हैं जहां आपको बहुत से लोगों से मिलने की संभावना है तो जांच कराएं। यदि आप बुजुर्ग या जोखिम वाले रिश्तेदारों से मिलने जा रहे हैं तो भी जांच कराएं।

ब्रिटेन के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ), प्रोफेसर क्रिस व्हिट्टी ने जनता से आग्रह किया कि ऐसे लोगों के साथ मुलाकात नहीं करें जिनसे मिलना जरूरी नहीं है। उन्होंने आशंका जताई कि आने वाले हफ्ते में ब्रिटेन में कोविड-19 के और अधिक रिकॉर्ड टूटेंगे। सलाह विशेष रूप से वर्ष के ऐसे समय में महत्वपूर्ण है जब क्रिसमस से संबंधित जश्न और कार्यक्रम पूरे ब्रिटेन में आयोजित होते हैं। स्वास्थ्य मंत्री गिलियन कीगन ने लोगों से आग्रह किया, एक समझदार विकल्प चुनें। यदि आप किसी कार्यक्रम में जा रहे हैं, तो जांच अवश्य कराएं।

एपी से जुड़े स्वतंत्र पत्रकार को इथियोपिया में हिरासत में लिया

एपी । नैरोबी

इथियोपिया में समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) से जुड़े एक स्वतंत्र वीडियो पत्रकार को राजधानी अदीस अबाबा में पुलिस ने हिरासत में लिया है। एपी ने बुधवार को यह जानकारी दी। रिपोर्टिंग यात्रा कर घर लौटने के बाद 28 नवंबर को आमिर अमन कियारो को देश की नई युद्ध-संबंधी आपातकालीन शक्तियों के तहत हिरासत में लिया गया है। अभी उन्हें आरोपित नहीं किया गया है। इथियोपिया के मीडिया प्राधिकरण, प्रधानमंत्री कार्यालय, विदेश मंत्रालय और अन्य सरकारी कार्यालयों के अधिकारियों ने कियारो को हिरासत में लिए जाने के बाद उसके संबंध में जानकारी मांगने के एपी के लगातार अनुरोध का कोई जवाब नहीं दिया। सरकारी मीडिया ने बुधवार को संघीय पुलिस का हवाला देते हुए उनकी हिरासत की सूचना दी और कहा कि उन पर एक आतंकवादी समूह का साक्षात्कार लेकर उसके उद्देश्यों की पूर्ति करने का आरोप है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थानीय पत्रकार थॉमस एंगिडा और अदिसु मुलुनेह को भी हिरासत में लिया गया है। संघीय पुलिस निरीक्षक टेस्फाए ओलानी ने सरकारी मीडिया को बताया कि पत्रकारों ने आपातकालीन कानून और इथियोपिया के आतंकवाद विरोधी कानून का उल्लंघन किया और जिसके लिए उन्हें सात से 15 साल तक की जेल हो सकती है।

एक बयान में एपी की कार्यकारी संपादक जूली पेस ने आग्रह किया कि कियारो को मुक्त किया जाए। उन्होंने कहा, एसोसिएटेड प्रेस बेहद चिंतित है कि उसके स्वतंत्र पत्रकार आमिर अमन कियारो को इथियोपिया सरकार ने हिरासत में लिया है, उन पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है, जो निराधार है। कियारो एक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

जुमा को वापस जेल भेजे जाने पर किसी भी संभावित अराजक्ता के लिए तैयार :मंत्री

जोहानिसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा के मेडिकल पैरोल को अवैध करार दिए जाने और अदालत की अवमानना पर 15 महीने की कैद की सजा पूरी करने के लिए उन्हें वापस जेल भेजे जाने के एक अदालती आदेश से उत्पन्न होने वाली किसी भी संभावित अराजकता को लेकर देश के सुरक्षा अधिकारी तैयार हैं। प्रिटोरिया में उच्च न्यायालय ने यह फैसला सुनाया कि देश के पूर्व राष्ट्रपति जुमा को अदालत की अवमानना करने और सितंबर में दी गई मेडिकल पैरोल को अवैध घोषित करते हुए उसे अमान्य करार देने को लेकर अपनी कैद की सजा पूरी करने के लिए जेल लौटना पड़ेगा। जुमा (79) ने खुद को अधिकारियों के सुपुर्द करने के बाद जुलाई में अपनी कैद की सजा शुरू की थी, लेकिन उन्हें दो महीने बाद विवादास्पद परिस्थितियों में सुधार सेवाओं के तत्कालीन राष्ट्रीय आयुक्त ने मेडिकल पैरोल पर रिहा कर दिया था।

पाकिस्तान में कॉलेज की छात्रा से सामूहिक बलात्कार के जुर्म में चार लोगों को मौत की सजा

भाषा । लाहौर

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में कॉलेज की, 20 वर्षीय छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार और लूटपाट करने के दोषियों को एक अदालत ने मौत की सज़ा सुनाई है। अभियोजन पक्ष ने बताया कि इस साल जनवरी में नासिर अहमद, मोहम्मद वसीम, उमर हयात और फाकिर हुसैन भावलपुर जिले में स्थित एक गांव के एक मकान में घुसे, लड़की से सामूहिक बलात्कार किया और नकद तथा सोने के ज़ेवरात लेकर फरार हो गए।

मामले में दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक, लूटपाट के बाद संदिग्ध लड़की को एक कमरे में ले गए जहां उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। हालांकि पीड़िता के माता-पिता उसे छोड़ने की मिन्नतें करते रहे। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश राना अब्दुल हकीम ने बुधवार को यह फैसला सुनाया है।

कुछ महीने पहले मुल्तान के शुजाबाद इलाके में चार हथियार बंद लुटेरों ने एक नव विवाहिता के साथ उसके पति के सामने सामूहिक बलात्कार किया। लेकिन पुलिस अब तक आरोपियों को पकड़ नहीं पाई।

चीन में कोयले की खान में पानी भरने के बाद 22 खनिक फंसे

बीजिंग । चीन के शहर शीआओई में एक कोयले की खान में पानी भर जाने के बाद उसमें 22 लोग फंस गए हैं। खान में अवैध खनन किया जा रहा था।

स्थानीय अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि हादसा शन्शी प्रांत में शीशीन्झुआंग टाउनशिप के डुशीगोओ गांव में स्थित कोयले की एक खान में बुधवार रात करीब 11 बजे हुआ।

दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 के रिकार्ड मामलों के बावजूद लॉकडाउन पाबंदी निम्न स्तर पर बनी रहेगी

जोहानिसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका में कोविड महामारी की चौथी लहर के बीच संक्रमण के 26,976 नए मामले सामने आने के बावजूद लॉकडाउन पाबंदी पांच-स्तरीय रणनीति में सबसे निचले स्तर पर बनी रहेगी। यह घोषणा कोविड-19 रोधी प्राधिकार ने बृहस्पतिवार को की। नेशनल कोरोना वायरस कमांड काउंसिल ने इस बात की पुष्टि की कि देश अब चौथी लहर की चपेट में है। इसने दक्षिण अफ्रीका के लोगों से अपील की कि वे सामाजिक दूरी बनाए रखने के साथ ही मास्क पहनें तथा वायरस के प्रसार से बचने के लिए बड़े कार्यक्रमों के आयोजन से बचें। एनसीसीसी ने एक बयान में कहा कि नई लहर पिछली लहरों की तुलना में तेजी से फैल रही है लेकिन अस्पताल में भर्ती होने और मौतों की दर अपेक्षाकृत कम है। इसने कहा कि संक्रमण के मामले मुख्य रूप से कोविड-19 के ओमीक्रोन स्वरूप के चलते फैल रहे हैं। इसने कहा कि देश में महामारी के प्रसार को रोकने के लिए शुरू की गई कोविड-19 लॉकडाउन पाबंदी पांच-स्तरीय रणनीति में सबसे निचले स्तर पर बनी रहेगी। दक्षिण अफ्रीका में कल रात से कोविड-19 के 26,976 नए मामले सामने आए जिससे देश में इसके कुल मामले बढ़कर 3,231,031 हो गए। वहीं इस अवधि के दौरान 54 और मरीजों की मौत हो गई जिससे मृतक संख्या बढ़कर 90,226 हो गई।

इंडोनेशिया में ओमीक्रोन का पहला मामला सामने आया

जकार्ता । इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने देश के लोगों एवं सरकारी अधिकारियों को विदेश यात्रा से परहेज करने का बृहस्पतिवार को आग्रह किया। विडोडो ने यह अपील देश में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप का पहला मामला सामने आने के बाद किया। जकार्ता के एक अस्पताल का एक सफाई कर्मी ओमीक्रोन से संक्रमित मिला है। मरीज में कोई लक्षण नहीं है और उसे एथलीट विलेज इमरजेंसी अस्पताल में पृथकवास में रखा गया है।

'शोभा शिवरामकृष्णन' का कहना है कि भारतीय स्कूल वैश्विक मानकों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए शिक्षा के प्रति अपने दृष्टिकोण को पुनर्गठित कर रहे हैं

भारतीय शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन की प्रक्रिया

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय शिक्षा प्रणाली में कई गुना बदलाव आया है। शिक्षा आवश्यकताओं, पर्यावरण और प्रतिस्पर्धा में परिवर्तन ने स्कूलों को शिक्षा के प्रति अपने दृष्टिकोण को पुनर्गठित करने की आवश्यकता को अनिवार्य कर दिया है। उनके पाठ्यक्रम का उन्नयन इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम है। स्कूल ऐसे पाठ्यक्रम को लागू कर रहे हैं जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा में सहायता करते हुए छात्रों के लिए शिक्षा को इंटरैक्टिव, आकर्षक और सार्थक बनाने के लिए प्रासंगिक, अद्यतन और इमर्सिव है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने शिक्षा प्रणाली में कई सुधार देखे हैं और महामारी के कारण, ऑनलाइन कक्षाओं, मिश्रित शिक्षा और एक मिश्रित शिक्षा मॉडल के उद्भव के साथ शिक्षा प्रणाली में एक बड़ा बदलाव आया है। स्कूल शैक्षिक सामग्री वितरित कर रहे हैं जो वैश्विक मानकों और पाठ्यक्रम के अनुरूप है जो महत्वपूर्ण सोच, समस्या-समाधान और निर्णय लेने के कौशल विकसित करने पर केंद्रित है। शिक्षण, मूल्यांकन और प्रशिक्षण का एक नया तरीका भी छात्रों को वैश्विक स्तर पर चमका रहा है जिससे उनका आत्मविश्वास और अवसरों में वृद्धि हो रही है।

पहले भारत में, अधिकांश शिक्षण रटने के तरीकों के माध्यम से होता था, जहां विषयों को समझने के बजाय उन्हें याद रखने पर ध्यान केंद्रित किया जाता था। हालांकि, वर्षों से यह शिक्षण पद्धति विकसित हुई है और आज स्कूल वैचारिक समझ और अनुभवात्मक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो छात्रों को अनुसंधान और विभिन्न व्यावहारिक साधनों के माध्यम से सीखना सुनिश्चित करता है जो उनके सीखने को वास्तविक दुनिया की स्थितियों में लागू करने में सहायता करते हैं।

पाठ्यचर्या को प्रमुखता दी जाती है

स्कूल पाठ्यक्रम और कक्षाओं, पेन-पेपर मूल्यांकन जैसे लंबवत एकीकृत स्टैक से दूर जाने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि इन पहलुओं की तुलना में शिक्षा के लिए बहुत कुछ है।

वैश्विक शिक्षा प्रणाली से प्रेरणा लेते हुए, भारत के स्कूलों ने छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने वाले अपने इन-हाउस पाठ्यक्रम का निर्माण शुरू कर दिया है। दुनिया भर के विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक अधिक छात्रों के साथ, स्कूलों ने सामग्री के साथ-साथ अपने शिक्षण विधियों को भी बदल दिया है। इस परिवर्तन ने छात्रों को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रमुखता प्राप्त करने में सफल बनाया है।

अकादमिक पाठ्यक्रम के साथ, कई स्कूलों में छात्रों को अतिरिक्त सूक्ष्म पाठ्यक्रम जैसे बागवानी, कविता, उद्यमिता और बहुत कुछ लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जो उन्हें आराम करने और साझा रुचियों का पता लगाने में मदद करते हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों में जीवन कौशल का निर्माण भी करते हैं।

समावेशी शिक्षा और शिक्षा के लिए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण दुनिया भर के स्कूलों के बराबर होने के लिए कई शैक्षणिक संस्थानों द्वारा किए गए अन्य परिवर्तन हैं। छात्रों को नए और विविध सीखने के अनुभवों से अवगत कराया जाता है जो भागीदारी को सक्षम बनाता है, बाधाओं को दूर करता है और विभिन्न सीखने की जरूरतों और प्राथमिकताओं का अनुमान लगाता है।

बुनियादी ढांचे में सुधार

एक ऑफ़लाइन शिक्षा मॉडल में स्कूलों को बच्चे का दूसरा घर माना जाता है। नए स्थानों के साथ एक अच्छा स्कूल बुनियादी ढांचा सीखने में छात्रों की प्रगति में सकारात्मक योगदान देता है। प्रकाश और वेंटिलेशन जैसी अच्छी प्राकृतिक स्थितियां, आयु-उपयुक्त सीखने के स्थान लचीले सीखने के अवसर प्रदान करते हैं जिन्हें छात्र अनुकूलित और वैयक्तिकृत कर सकते हैं। सीखने के स्थानों के बीच कनेक्शन जो नेविगेट करने में आसान हैं, अतिरिक्त सीखने के अवसर प्रदान करते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, आज के स्कूलों को छात्रों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो उनके समग्र विकास में सहायता करते हैं।

प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा

प्रौद्योगिकी ने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला दी है और यह सीखने का एक अभिन्न अंग बन गया है। इसे पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में, एक निर्देशात्मक वितरण प्रणाली के रूप में, संपूर्ण सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए एक उपकरण के रूप में शामिल किया गया है। शिक्षा निष्क्रिय और प्रतिक्रियाशील से उन्नत और संवादात्मक तरीकों की ओर बढ़ गई है। बच्चे छह-सात साल की उम्र में कोडिंग सीख रहे हैं। एआई, आईओटी और रोबोटिक्स जैसी नए जमाने की प्रौद्योगिकियां स्कूल स्तर पर पाठ्यक्रम का हिस्सा बन गई हैं। छात्रों को इन विषयों में अपनी रुचि के क्षेत्र में परियोजनाओं को लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जिससे वे विश्व स्तर पर अपने आयु वर्ग के बच्चों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें।

तकनीकनीत शिक्षा

महामारी की शुरुआत के साथ, स्कूलों ने वर्चुअल लर्निंग का सहारा लिया है और ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म का कुशलतापूर्वक उपयोग किया है। इसने भारत में शिक्षा प्रणाली में सुधार किया है जहां स्कूल स्तर पर दूरस्थ शिक्षा को कभी भी एक विकल्प के रूप में नहीं माना जाता था। नए तकनीक के नेतृत्व वाले शिक्षा मॉडल ने छात्रों के लिए नए अवसर भी खोले हैं जहां वे विदेशी विश्वविद्यालयों में आवेदन कर सकते हैं और अपने गृह शहर से दूर अध्ययन कर सकते हैं। शिक्षा के इस ऑनलाइन मोड ने युवा छात्रों को उनके विकास में सहायता के लिए अपनी पसंद के अतिरिक्त पाठ्यक्रम लेने में सक्षम बनाया है।

एनईपी एक स्वागत योग्य बदलाव है

एनईपी की शुरूआत ने भारतीय शिक्षा प्रणाली की छवि को बदल दिया है। एनईपी का उद्देश्य सीखने को अधिक समावेशी, जीवंत और व्यावहारिक बनाना है। नीति के अनुसार, छात्रों के लिए विषयों के चुनाव में लचीलापन बढ़ा है। इस नई नीति का मुख्य उद्देश्य पाठ्यचर्या, सह-पाठ्यक्रम और व्यावसायिक विषयों को समान महत्व प्रदान करना है। एनईपी सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए भी निर्बाध अवसर प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। सरकार सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे और शिक्षा प्रणाली में सुधार कर रही है और ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों के लिए समान अवसर प्रदान कर रही है और उन्हें बिना किसी हिचकिचाहट के किसी भी तरह की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार कर रही है।

संक्षेप में, एनईपी का उद्देश्य भारतीय लोकाचार में निहित एक वैश्विक सर्वोत्तम शिक्षा प्रणाली का निर्माण करना है, जहां जीवन के सभी क्षेत्रों के बच्चे लाभान्वित हों और बढ़े हुए अवसर प्राप्त करें जिससे भारतीय शिक्षा प्रणाली में बदलाव आए। हालांकि, इस परिवर्तन को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाना है ताकि बच्चों को अपने सपनों का पता लगाने और उन्हें पूरा करने के अधिक अवसर मिल सकें।

(लेखिक ाएक्या स्कूल लर्निंग सेंटर की प्रमुख हैं।)

अगला कदम

वीर दास अपनी अगली अंतरराष्ट्रीय परियोजना में एक अमेरिकी देश संगीत कॉमेडी श्रृंखला में विकसित और अभिनय करेंगे, जहां ब्रुकलिन नाइन नाइन के एंडी सैमबर्ग कार्यकारी निर्माता हैं :

वीर दास फॉक्स के लिए एक नए शो के लेखन और कार्यकारी निर्माता बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शीर्षक कंट्री ईस्टर्न, श्रृंखला एक एकल कैम कॉमेडी श्रृंखला है जिसमें दास भी होंगे। यह शो भारत के एक युवा धनी व्यक्ति के बारे में है जो अपने परिवार के साथ अमेरिकी चला जाता है। मेम्फिस, टेनेसी में अपने जीवन के पुनर्निर्माण के प्रयास में, वह अपने जुनून को आगे बढ़ाने और एक देशी संगीत गायक बनने का फैसला करता है। एकमात्र मुद्दा यह है कि वह इसमें बुरा है।

श्रृंखला के बारे में बात करते हुए, दास ने कहा, ''यह एक रोमांचक ब्रांड नई परियोजना है जिस पर काम चल रहा है और मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि श्रृंखला अब विकसित की जा रही है। श्रृंखला का लेखन वर्तमान में जारी है। मैं ऐसे बेहद प्रतिभाशाली नामों के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं, जिनमें से प्रत्येक के पास काम का एक स्पष्ट शरीर है। यह एक अनोखी कॉमेडी है और मैं जल्द ही इस सीरीज को फिल्माने के लिए उत्सुक हूं।''

दास सैम लेबोर्न के साथ इस शो का सह-लेखन करने के लिए तैयार हैं, जो कि श्रोता भी हैं। लेबोर्न हाल ही में जोई की असाधारण प्लेलिस्ट पर इपी था और उसने ब्लैकिश, कोगर टाउन और अरेस्टेड डेवलपमेंट जैसे शो लिखे हैं। पार्टी ओवर हियर, लोनली आइलैंड के एंडी सैमबर्ग, अकिवा शेफ़र और जोर्मा टैकोन और सीबीएस स्टूडियो द्वारा स्थापित प्रोडक्शन कंपनी। फॉक्स एंटरटेनमेंट और सीबीएस स्टूडियो शो का सह-निर्माण करेंगे। इसने हाल ही में हुलु के लिए प्रशंसित कॉमेडी पेन15 का निर्माण किया है और सैमबर्ग अभिनीत समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म, पाम स्प्रिंग्स का भी निर्माण किया है।

दास जल्द ही जूड अपाटो द्वारा निर्देशित हॉलीवुड फिल्म द बबल में भी नजर आने वाले हैं।

अवसर के अनुरूप

शेफ पूजा ढींगरा की किताब, कमिंग होम, उनके जीवन के सबसे कठिन समय का दस्तावेज है, कहना है आलिया अश्विन का :

''जीवन वही होता है जब आप अन्य योजनाएं बनाने में व्यस्त होते हैं।''

यदि हम महामारी के वर्षों को देखें तो जॉन लेनन के शब्द हममें से अधिकांश के लिए कठिन नहीं हो सकते। हम में से प्रत्येक के पास बड़ी योजनाएँ थीं जब 2020 में मध्यरात्रि की शुरुआत हुई और शेफ पूजा ढींगरा कोई अपवाद नहीं थीं। उसकी बेकरी 'ली-15 पैटीसेरी' एक सकारात्मक मोड़ पर थी, शेफ ने जूम कॉल पर चर्चा की कि कैसे महामारी ने उसे व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से गहराई से प्रभावित किया। ''मार्च 2020 में, हमने वास्तव में अपनी 10 वीं वर्षगांठ मनाई थी, और पहली बार मैंने अपने जीवन में अपने आप से कहा, आपने जो हासिल किया है उस पर आपको गर्व होना चाहिए।''

फिर, जीवन और महामारी हुई। ढींगरा के लिए, महामारी का मतलब ऐसे निर्णय लेना था जो उसने कभी नहीं सोचा था कि उसे करना होगा। ''दुनिया भर में एक घातक वायरस था, रेस्तरां की दुनिया प्रभावित हुई और मुझे एहसास हुआ कि हमें अपना आधा कारोबार बंद करना होगा। लेकिन यह अथाह था ... यह आत्मा को कुचलने वाला था'', ढींगरा कहती हैं और निर्णय लेने के बाद से डेढ़ साल की जगह के बावजूद अफसोस की धुंध अभी भी स्पष्ट है। उनकी नवीनतम पुस्तक कमिंग होम उनके जीवन के सबसे कठिन समय के उनके अनुभव का दस्तावेजीकरण करती है।

उस समय शायद उसे इस बात का अंदाजा नहीं था कि उसके कैफे को बंद करने से कितना व्यक्तिगत टोल लगेगा, ''मेरा हर छोटा टुकड़ा इस जगह में था। इसे बंद करना अकल्पनीय था। पहले दो महीने मेरे जीवन के सबसे काले दिनों में से कुछ थे जब मुझे न केवल अपने व्यवसाय के लिए बल्कि अपने स्वास्थ्य और जीवन के लिए भी डर था।'' फिर, बेकिंग के शिल्प का प्यार था, कुछ ऐसा जो 15 साल की उम्र से उसकी खुशी और सांत्वना थी। ''मैं एक अधीर बच्ची थी, और मेरी बुआ सबसे पहले मुझे रसोई में ब्राउनी सेंकने के लिए एक तरीके के रूप में ले गईं। मेरी ऊर्जा को चैनलाइज़ करें। जब मुझे पहली बार पता चला कि मक्खन, चीनी, आटा, अंडे जैसी सरल सामग्री एक साथ कैसे जा सकती है, तो यह जादुई था, और इसने मुझे अधिक से अधिक सेंकना करने के लिए आकर्षित किया, शेफ याद करती हैं।''

अब, महामारी की चपेट में आकर, अपनी बेकरी श्रृंखला को बंद करना पड़ा, जो न केवल एक व्यवसाय था, बल्कि उसकी पहचान के लिए कुछ आंतरिक था, उसका मुकाबला करने का तंत्र शुरू हुआ। ''मैंने एक सप्ताह से अधिक समय तक अपने फोन से हर सोशल मीडिया ऐप को हटा दिया और मैं सो गया और मैंने दोस्तों को देखा। मैं भूल गया कि वह कौन सा दिन था, कौन सा समय था। मुझे पता था, मुझे यात्रा करनी है'', ढींगरा ने अपनी नई किताब कमिंग होम में उल्लेख किया है।

लेकिन इन कठिन समय से गुजरने से वह और मजबूत हुई। ''इसने (महामारी) ने मुझे यह भी एहसास कराया कि आप डर की जगह से काम नहीं कर सकते। तो, मेरे लिए, यह एक बड़ा, जैसे, मानसिक परिवर्तन भी था, और संकट में अवसर खोजने वाले के बारे में था।''

ढींगरा के लिए, यह महामारी बेकिंग के लिए उसके प्यार को फिर से खोजने के बारे में थी। इस समय के दौरान उनकी यात्रा दृढ़ता की है। वह नए साल के लिए अपने व्यावसायिक लक्ष्यों को विश्व प्रभुत्व के रूप में वर्णित करती है। वह अन्य देशों में अपने कैफे ली-15 को देखना, अधिक कुकबुक लिखना और पॉडकास्ट देखना बहुत पसंद करेगी। उनका एक निजी लक्ष्य अगले साल माउंट फ़ूजी पर चढ़ना है।